हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 28 जनवरी 2024

अयोध्या जाने का किराया 1200, ट्रेन में भोजन-चाय से लेकर डाक्टर तक रहेंगे तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रामलला के दर्शन करने छत्तीसगढ़ के अलग-अलग शहरों से आस्था स्पेशल ट्रेन चलेगी। अयोध्या जाने वाली इस विशेष ट्रेन में यात्री सुरक्षा का रेलवे विशेष ध्यान रखेगा। बीते दिनों ट्रेनों की तारीख के बाद अब किराया और आवश्यक सुविधाओं की सूचना भी जारी कर दी गई है। 6 आस्था स्पेशल ट्रेन में भक्तों के लिए 1200 रुपये का किराया निर्धारित किया गया है।

अलग खबर

पंजीयन कराने भाजपा के जिला व मंडल अध्यक्ष को देना होगा आवेदन

अयोध्या में होगा यात्रियों का स्वागत

यात्रा की बुकिंग जाने और वापसी की एक साथ होगी, ताकि इसमें सफर करने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। अयोध्या पहुंचने के बाद वहां स्थानीय लोग मिलेंगे, जो यात्रियों का स्वागत ▶▶| शेष पेज 4 पर

इन तिथियों में चलेगी आस्था स्पेशल ट्रेन

- गोंदिया से 31 जनवरी-25 फरवरी
- दुर्ग से चार फरवरी
- दुर्ग से सात व 28 फरवरी
- रायपुर से 14 फरवरी
- बिलासपुर से 18 फरवरी
- अनूपपुर से 21 फरवरी

आस्था स्पेशल ट्रेन में यात्रा की बुकिंग जाने और वापसी की एक साथ होगी

जिला व मंडल अध्यक्ष को जिम्मेदारी

आस्था स्पेशल ट्रेन से अयोध्या जाने के लिए भाजपा के जिला व मंडल अध्यक्ष के पास पंजीयन कराने के लिए आवेदन देना होगा। पंजीयन के दौरान संबंधित यात्री का नाम, मोबाइल नंबर व आधार कार्ड की छायाप्रति देनी होगी। इसके साथ परिवार के किसी अन्य सदस्य का मोबाइल नंबर व उनका आधार कार्ड देना अनिवार्य है। इस सामान के लिए एक स्टीकर भी दिया जाएगा। पंजीयन कराने के लिए 10 फरवरी तक का समय निर्धारित किया गया है।

सफर के दौरान भोजन के साथ चाय भी परोसी जाएगी। इसके साथ चिकित्सक भी तैनात रहेंगे। यदि कोई यात्री अस्वस्थ हो, तो ट्रेन में ही इलाज की सुविधा मिल जाएगी। आस्था स्पेशल ट्रेनों को राज्य सरकार चला रही है। इसकी घोषणा पहले ही कर दी गई थी। अब यह भी ऐलान कर दिया गया है कि छत्तीसगढ़ के किस शहर से अयोध्याधाम के लिए किस तिथि में आस्था स्पेशल ट्रेन चलेगी। इसके लिए यात्रा कैसे करनी है, यह तय कर दी गई है। यात्रा करने के लिए सबसे पहले लोगों को पंजीयन कराना होगा। इसके बाद बोगी के अनुसार यात्रियों की बुकिंग होगी। टिकट बनाने का जिम्मा आईआरसीटीसी को दिया गया है।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री मोदी कल करेंगे 'परीक्षा पे चर्चा'

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के सातवें संस्करण की तैयारियों की समीक्षा की। 29 जनवरी को निर्धारित यह कार्यक्रम 'भारत मंडपम' में आयोजित किया जाएगा।

बिहार में 'न्याय यात्रा' के लिए बघेल पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बिहार में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' और

अन्य गतिविधियों के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बघेल की नियुक्ति की है।

बिहार में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच नीतीश कुमार पर सबकी निगाहें

नीतीश फिर पलटे, लालू को छोड़ एनडीए के साथ, आज इस्तीफे के बाद लेंगे शपथ!

बिहार में सियासी उठापटक जारी है। इस बीच, ऐसी खबरें हैं कि बिहार में नीतीश-लालू का गठबंधन टूट गया। नीतीश अब एनडीए के साथ नई जोड़ी बनाएंगे। सूत्रों का दावा है कि नीतीश कुमार रविवार सुबह 10 बजे विधायक दल की बैठक के बाद राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। साथ ही नई सरकार बनाने का दावा भी पेश करेंगे। जदयू कोर कमेटी की बैठक में यह फैसला लिया गया। राज्यपाल से रविवार को ही नए सीएम के तौर पर शपथ दिलाने को भी कह सकते हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पटना/नई दिल्ली

पिछले तीन साल से भी कम समय में दूसरी बार पाला बदलने की ओर बढ़ रहे बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार की ओर सभी की निगाहें टिक गई हैं। बिहार के मुख्यमंत्री और जद (यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार रविवार सुबह तक इस्तीफा दे सकते हैं। कुमार के करीबी एक उच्च पदस्थ सूत्र ने यह जानकारी दी। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेताओं द्वारा कुमार के गठबंधन तोड़ने और भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में लौटने की स्थिति में आगे की रणनीति अपनाने पर मंथन में जुटे हुए हैं। सूत्र ने बताया, अपना इस्तीफा सौंपने से पहले नीतीश ▶▶| शेष पेज 4 पर

- **शपथ ग्रहण समारोह में जा सकते हैं नड्डा और शाह**

लगातार मंथन कर रहे नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पटना के एक अणे मार्ग स्थित आवास पर जेडीयू विधायकों का पहुंचना शनिवार रात तक जारी रहा। सियासी उठापटक के बीच नीतीश ने जेडीयू विधायकों को अपने आवास पर बुलाया। शुक्रवार शाम बिहार के मौजूदा हालात पर चर्चा के लिए नीतीश कुमार ने चार वरिष्ठ नेताओं के साथ अपने आवास पर चर्चा की।

ऐसा सियासी गणित — 243 सदस्यीय विधानसभा

राजद	भाजपा	जदयू	कांग्रेस	लेफ्ट	अन्य
78	78	45	19	16	7

रविवार को सचिवालय की छुट्टी रद्द

रिपोर्ट की मानें तो रविवार सुबह 10 बजे जेडीयू विधानमंडल दल की बैठक की जाएगी। इसके बाद सीएम हाउस में ही एनडीए विधानमंडल दल की बैठक होगी।

राज्यपाल से मिले भाजपा नेता

अटकलों के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता राधा मोहन सिंह ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात की। उन्होंने बिहार की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा, हर साल मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 'कृषि मेला' (कृषि उत्सव) आयोजित किया जाता है। मैं इसके लिए राज्यपाल को आमंत्रित करने आया था। दोपहर में होने वाली पार्टी के सांसदों और राज्य विधायकों की बैठक के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, ये ऐसे सवाल हैं जिसे आपको राज्य इकाई के प्रभारी के आने पर उनसे पूछने चाहिए।

तेजस्वी बोले-असली खेला होना अभी बाकी

पटना में राजद की बैठक के दौरान तेजस्वी ने दावा किया कि असली खेला होना अभी बाकी है। नीतीश हमारे आदरणीय थे और रहेंगे। जो काम दो दशकों में नहीं हुआ, वह हमने कम समय में कर दिखाया। लालू ने अपने मंत्रियों से कहा- इस्तीफा नहीं दें।

43 की उम्र में रचा इतिहास...

रोहन बोपन्ना ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 से भारतीय टेनिस फैन्स के लिए काफी शानदार खबर सामने आ रही है। दिग्गज भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने अपने ऑस्ट्रेलियाई पार्टनर मैथ्यू एब्डेन के साथ मिलकर पुरुष डबल्स का खिताब जीत लिया है। शनिवार को मेलबर्न पार्क में खेले गए फाइनल मुकाबले में दूसरी सीड रोहन-एब्डेन की जोड़ी ने इटली के सिमोन बोलेली और आंद्रे वावसोरी को 7-6 (0), 7-5 से हराया।

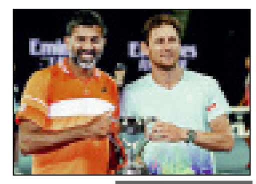

- **7-6 (0), 7-5 से जीता खिताब**

तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

43 साल के रोहन बोपन्ना ग्रैंड स्लैम (ओपन एरा) जीतने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। पिछला रिकॉर्ड नीदरलैंड्स जीन-जूलियन रोजर के नाम था, जिन्होंने 40 साल और नौ महीने की उम्र में मार्सेलो अरेवोला के साथ मिलकर 2022 के फ्रेंच ओपन में पुरुष युगल खिताब जीता था।

|| हरे कृष्णा ||

SINGHANIA™ BUILDCON GROUP
Building lifestyle since 1993

JAN-GAN-MAN

FREE

REGISTRY
NAMANTARAN
CLUB MEMBERSHIP
MAINTENANCE

25TH to 28TH JAN 2024

PREMIUM PLOTS

PLOT SIZE 600-1700 SQFT.

2, 3 & 4 BHK PREMIUM FLATS

Commercial Shops & Office Spaces

Near Vidhansabha, Raipur

Near AIIMS, Hirapur Chowk, Raipur

Harsh Bhoomi

[Near Vidhansabha, Raipur]

Residential Plots & Houses

PEACE OF MIND 100% GUARANTEED

TOWN & COUNTRY APPROVED PLANNING

CREDAI Chhattisgarh

Harshit Harmony

[Near AIIMS, Guma, Raipur]

Residential Plots & Houses

*T&C Apply

इस गणतंत्र दिवस पूरा करें अपने आशियाने का सपना

Contact for Booking 9827-321-321 www.singhaniabuildcon.com

रायपुर
रविवार, 28 जनवरी 2024
माघ कृष्ण पक्ष तृतीया
वर्ष : 22, अंक : 191
पृष्ठ : 12+4+4 = 20, मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 27.0
न्यून. 12.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

09 तन्मय ने ठोका 147 गेंद में सबसे तेज तिहरा शतक

विचार पेज
02 बिहार की सियासत में फिर भूचाल

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पहली बार मगरमच्छ की होगी गणना, दिल्ली के एक्सपर्ट करेंगे गिनती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में संरक्षण के लिए पहली बार जलीव जीव मगरमच्छ की 3 फरवरी से गणना की जाएगी। वर्तमान में अब तक उद्यान में 15 बड़े एवं 40 बच्चे मगरमच्छ मिले हैं। इंद्रावती नदी एवं विभिन्न नालों में मिलने वाले मगरमच्छ को कांगेर नदी में छोड़ा जा रहा है, साथ ही ऐसे युवा के चलते उद्यान में लगातार मगरमच्छों की संख्या बढ़ रही है।

मगरमच्छ की गणना कलकत्ता के जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया एवं दिल्ली के जूलॉजिकल सेंटर के सहयोग से उद्यान ने मगरमच्छ की गणना में उद्यान के अधिकारी, ▶▶|शेष पेज 4 पर

उद्यान में अब तक मिले मगरमच्छ के 15 वयस्क व 40 बच्चे

संरक्षण के लिए करेंगे गणना

उद्यान के निदेशक धम्मशील गणवीर ने बताया कि उद्यान में पर्यटकों के लिए लगभग 50 कर्मचारी तैनात हैं, जो पर्यटकों की सुविधा में जुटे रहते हैं। मगरमच्छ के संरक्षण के लिए उद्यान में पहली बार गणना की जा रही है, जिससे उन्हें संरक्षण किया जा सके।

पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में वर्ष 1982 में स्थापित 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का राष्ट्रीय उद्यान यहां की 15 से अधिक सुंदर लाइमस्टोन की गुफाएं, तीरथगढ़, कांगेर धारा जलप्रपात, दुर्लभ वन्य जीव वन्यजीव जैसे उदबिलाव, माउस डियर, जॉइंट सक्विरल, लेथिस सॉफ्टशेल टर्टल, जंगली भेड़िया के साथ-साथ 200 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की 900 अधिक प्रजातियों और तितलियों की 140 से अधिक प्रजातियों के ख्याति प्राप्त है। उद्यान में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2022 में 18000 हजार, विदेशी 16 पर्यटक एवं वर्ष 2023 में 1.28 लाख, 43 विदेशी पर्यटक पहुंचे, इस तरह से पिछले वर्ष से इस वर्ष 9 गुना पर्यटक पहुंचे।

खबर संक्षेप

उत्तरभारत में पड़ रही कड़ाके की सर्दी

नई दिल्ली। उत्तर भारत के लगभग सभी राज्यों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। दूसरी ओर यहां अब बारिश की संभावना भी बन रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश में बारिश हो सकती है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी की चेतावनी भी जारी की गई है।

कार को ट्रक ने मारी टक्कर, पांच जिंदा जले

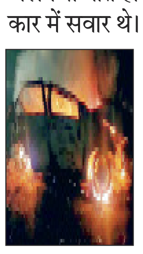

चंडीगढ़। पंजाब के होशियारपुर में सड़क हादसे में 5 युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई। ये सभी लोग कार में सवार थे। इनकी गाड़ी को जालंधर-पठानकोट हाईवे पर दसूहा के पास ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे से ठीक 20 मिनट पहले एक युवक ने वीडियो बनाकर शेयर किया था। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

विहिप बोला- ज्ञानवापी हिंदुओं को सौंप दो

वाराणसी। वाराणसी के काशी विश्वनाथ परिसर में ज्ञानवापी ढांचा पर एएसआई की रिपोर्ट आ गई है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार का कहना है कि वहां मंदिर होने के साक्ष्य मिलने हैं, इसलिए अब ज्ञानवापी मस्जिद को हिंदू समुदाय को सौंप देना चाहिए। मंदिर की संरचना का एक हिस्सा, विशेष रूप से पश्चिमी दीवार हिंदू मंदिर का शेष हिस्सा है।

ट्रक से टकराई बस तीन छात्राओं की मौत

नयागढ़। ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक निजी कोचिंग सेंटर के छात्रों को पिकनिक पर ले जा रही बस एक ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में तीन लड़कियों की मौत हो गई, वहीं अन्य 10 घायल हो गए। यह हादसा दासपल्ला क्षेत्र में सहलाभंगा जंगल के पास घटी। बस में करीब 50 छात्र मौजूद थे। हादसे में दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

ईडी ने 17 जनवरी को दर्ज कराई थी एफआईआर, एसीबी ने केस दर्ज किया

एसीबी में पूर्व मंत्री-पूर्व विधायक, आईएएस और आईपीएस समेत सौ से अधिक पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में कोयला और शराब घोटाले से जुड़े मामले में नया मोड़ आ गया है। ईडी ने शराब और कोयला घोटाले मामले में रायपुर के एंटी करप्शन ब्यूरो में एफआईआर दर्ज कराई है। ईडी की ओर से दर्ज केस में शराब घोटाले में 70 नामजद और कोयला घोटाले में 35 नामजद आरोपियों के नाम शामिल हैं। ईडी ने जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया उसमें पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, पूर्व मुख्य सचिव, दो निलंबित आईएएस, रिटायर्ड आईएएस अफसर सहित कई अन्य कांग्रेसी नेताओं के शामिल हैं।

यह एफआईआर ईडी के संदीप कुमार की तरफ से दर्ज कराई गई है। एसीबी के डीएसपी फरहान ने केस दर्ज किया है। शराब घोटाला मामले में दर्ज एफआईआर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 12, 420, 467, 468, 471 और 120 बी की लगाया गया है। इस मामले में 70 नामजद लोगों पर केस दर्ज हुआ है। ईडी ने दर्ज एफआईआर में ▶▶|शेष पेज 4 पर

- पूर्व मंत्री कवासी, अमरजीत, अनवर ढेबर समेत कई नेता-अफसरों का जिक्र
- पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश ने कहा- यह कांग्रेस को बदनाम करने की साजिश

पूर्व मंत्री, पूर्व विधायकों पर केस दर्ज

शराब और कोयला घोटाले में एसीबी ने अनवर ढेबर, पूर्व मंत्री कवासी लखमा, अनिल टुटेजा, उनके बेटे यश टुटेजा, अरुणपति त्रिपाठी, मेसर्स रतनप्रिया मिडिया प्राईवेट लिमिटेड, पूर्व आईएएस निरंजन दास सहित एक दर्जन से अधिक आबकारी अधिकारी के नाम शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, शिशुपाल सोरी, बृहस्पत सिंह, विवेक ढांढ, भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक यूडी मिंज, पूर्व विधायक गुलाब कमरो, रामगोपाल अग्रवाल, विजय भाटिया, चंद्रदेव राय, जेल में बंद रानू साहू, समीर विश्वनोई, सौम्या चौरसिया, सुनील अग्रवाल, सूर्यकांत तिवारी, समेत अन्य नामजद आरोपी हैं।

शराब घोटाले में थोक में अफसर फंसे, दो दर्जन से ज्यादा आबकारी अफसरों के खिलाफ मामला दर्ज

इन आईएएस-आईपीएस का भी जिक्र

एफआईआर के पन्नों में आईपीएस अधिकारियों में दीपांशु काबरा, भोजराज पटेल, अभिषेक माहेश्वरी, आईएएस अफसरों में जेपी मौर्य, श्री कुंजाम एवं अधिवक्ता पीयूष भाटिया के नाम भी शामिल है। ईडी ने कहा है कि सूर्यकांत तिवारी की डायरी में इनसे लेनदेन का जिक्र है। लिहाजा इस संबंध में जांच की जरूरत है।

यह है शराब घोटाला

दरअसल, छत्तीसगढ़ में ईडी 2019 से 2022 के बीच हुए शराब घोटाले की जांच कर रही है। जिसमें ईडी के अनुसार चार तरीकों से भ्रष्टाचार किया गया था। जिसमें सीएसएमसीएल द्वारा डिस्टिलरों से रिश्वत ली गई थी। बेहिसाब कच्ची देशी शराब की बिक्री की गई। डिस्टिलर्स से रिश्वत ली गई ताकि उन्हें कार्टेल बनाने और बाजार में हिस्सेदारी तय करने ▶▶|शेष पेज 4 पर

भूपेश ने भाजपा पर खड़े किए सवाल

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा कथित कोयला और शराब घोटाला मामलों में पूर्व कांग्रेस मंत्रियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पर, पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने एफआईआर पर सवाल खड़े करते हुए कहा, पिछले 3 वर्षों से ईडी और आईटी जांच कर रहे थे। जांच के बाद उन्होंने अब एसीबी ▶▶|शेष पेज 4 पर

शराब घोटाले पर इन पर केस

- अनिल टुटेजा, तत्कालीन संयुक्त सचिव (वाणिज्य एवं उद्योग विभाग छत्तीसगढ़ शासन)
- अनवर ढेबर
- अरुणपति त्रिपाठी (प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमीटेड)
- मेसर्स रतनप्रिया मिडिया प्राईवेट लिमीटेड
- कवासी लखमा (तत्कालीन आबकारी मंत्री)
- निरंजनदास (आई.ए.एस. तत्कालीन आबकारी आयुक्त)
- जनार्दन कौरव (तत्कालीन सहायक जिला आबकारी अधिकारी)
- अनिमेष नेताम (तत्कालीन उपायुक्त आबकारी)
- विजय सेन शर्मा (तत्कालीन उपायुक्त आबकारी)

▶▶|शेष पेज 4 पर

भूपेश का लोकसभा चुनाव लड़ने से इंकार, बोले- मैं विधायक ही ठीक हूं

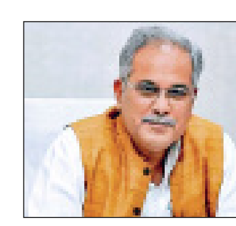

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोकसभा चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा, मैं तो विधायक हूं। मैं प्रदेश भर में घूम-घूमकर प्रचार करना चाहता हूं। मैं समझता हूं कि ये जिम्मेदारी मिलेगी तो ज्यादा अच्छा होगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने शुक्रवार को स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में भूपेश बघेल के नाम का प्रस्ताव राजनांदगांव सीट से रखा था। इसका समर्थन राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सभी विधायकों ने किया था।

- 3-4 दबंग नेताओं को लोकसभा चुनाव लड़ना चाहिए पूर्व सीएम से भी किया है आग्रह : रजनी

कांग्रेस लोकसभा चुनाव को लेकर दो दिनों से मंथन कर रही है। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हुई। फिर शनिवार को चुनाव समिति की बैठक वरिष्ठ नेताओं के साथ दिनभर चली। ▶▶|शेष पेज 4 पर

भूपेश से किया चुनाव लड़ने का आग्रह: रजनी

स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष रजनी पाटिल ने कहा, बैठक में यह आग्रह भी किया गया है कि वरिष्ठ नेताओं को चुनाव लड़ना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम को लेकर कहा, हमने उनसे भी आग्रह किया है। पार्टी आलाकमान का जो फैसला होगा उसे स्वीकार करना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ के जो दबंग नेता हैं उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, चुनाव समिति की बैठक में एक सार्थक चर्चा हुई। आगे किस प्रकार से रणनीति बनाकर मैदान में उतरे, इसे लेकर बातें हुई। अगले हफ्ते में दिल्ली में भी बैठक होगी। जल्द ही हो उम्मीदवारों की घोषणा भी करेंगे।

हजार लोग घर वापसी कर बने हिंदू, बोले- भागवत गीता से समझ आया जीवन का सार

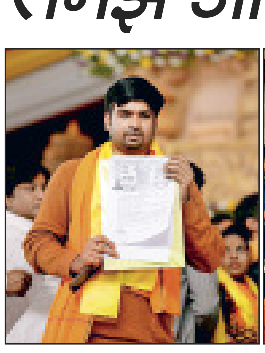

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सनातन धर्म में यही ऐसा धर्म है जो व्यक्ति को ईश्वर, आत्मा और मोक्ष को तत्व और ध्यान से जानने का मार्ग बताता है। भागवत गीता के सभी अध्याय पढ़ने के बाद जीवन का अर्थ समझ आया। यह कहना है कि उन लोगों का जिन्होंने शनिवार को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की उपस्थित परिवार के साथ फिर सनातन धर्म को अपनाया है। 1 हजार मतांतरित लोगों ने अपने मूल धर्म में वापसी की। इनमें ज्यादातर ईसाई से हिंदू बने हैं। वहीं दो परिवार मुस्लिम भी थे जिन्होंने हिंदू धर्म अपनाया। भाजपा नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने मूल धर्म में वापसी करने से पहले उनके पैर धोए और कहा कि जो लोग धर्मांतरण के धंधे में लगे हैं उनको सबक सिखाएंगे। कथा के अंतिम दिन घर वापसी करने वालों के चरण धोकर भगवा गमछा पहनाया गया ▶▶|शेष पेज 4 पर

- बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की उपस्थिति में हुई लोगों की धर्म वापसी

गुपचुप धर्मांतरण आधा दर्जन गिरफ्तार

रायगढ़। शहर के सावित्री नगर स्थित एक बिल्डिंग में अवैध रूप से चर्च संचालित कर एक मसीही संस्था द्वारा शनिवार को गुपचुप तरीके से लोगों का धर्मांतरण कराया जा रहा था। सूचना पर नगर के हिंदू संगठनों के सदस्य मौके पर पहुंचे। उन्होंने धर्मांतरण का विरोध किया तो हिंदू संगठन के सदस्यों के साथ मारपीट ▶▶|शेष पेज 4 पर

- धर्म प्रचारक सीडी, एलईडी समेत अन्य सामग्री जब्त

विमान में बैठते ही बोला- मेरी सीट के नीचे है बम

मुंबई। मुंबई में एयरपोर्ट पर फ्लाइट के अंदर बैठे एक यात्री ने चिल्ला कर कहा कि उसकी सीट के नीचे बम है। यह सुनकर सभी यात्री घबरा गए और तुरंत इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी गई। इसके बाद फ्लाइट को रीशेड्यूल किया गया। चेकिंग के दौरान फ्लाइट में कुछ भी संदिग्ध सामान नहीं मिला। अफवाह फैलाने वाले यात्री को गिरफ्तार कर जांच की जा रही है।

अफवाह फैलाने वाला गिरफ्तार

टेक ऑफ रोका जांच हुई

फ्लाइट स्टाफ ने तुरंत इस बात की जानकारी कंट्रोल रूम को दी। कंट्रोल रूम से तुरंत फ्लाइट का टेक ऑफ रोक दिया गया। इसके बाद फ्लाइट में सुरक्षाकर्मी पहुंचे और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर पूरी फ्लाइट की चेकिंग की गई।

सीएम विष्णुदेव ने बस्तर में किया ध्वजारोहण, तिरंगे को दी सलामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गणतंत्र दिवस पर जगदलपुर के लालबाग में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर पुलिस, केंदीय अर्धसैनिक बल, नगर सेना, एनसीसी आदि की 14 टुकड़ियों के द्वारा सलामी दी गई। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने हर्ष और उल्लास ▶▶|शेष पेज 4 पर

गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री ने बताई प्रदेश सरकार की उपलब्धि

शहीद के परिजनों से मिले मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात की। इधर, मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बस्तर संभाग के आदिवासी समाज मारिया, मुरिया, हल्बा, मुण्डा, भतरा, गोंड समाज के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं था। मुख्यमंत्री को अपने परिवार के मुखिया की तरह वे अपने सुख-दुःख पर चर्चा कर रहे थे।

राष्ट्रीय संगठन के साथ शाह ने कराया है विधानसभा की तरह सर्वे

फरवरी में प्रत्याशियों का ऐलान, कोरबा से सरोज संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की फरवरी में प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने की तैयारी है। विधानसभा की तरह लोकसभा में भी चौंकाने वाले फैसले सामने आ सकते हैं। इसी कड़ी में कोरबा से अचानक सरोज पांडेय का नाम चर्चा में आया है। कोरबा से वर्तमान में लोकसभा सांसद कांग्रेस से हैं। भाजपा ▶▶|शेष पेज 4 पर

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की तैयारी

नए चेहरों पर खेलेगी भाजपा दांव

इस बार भी लोकसभा के चुनाव में ज्यादातर सीटों पर नए चेहरों पर दांव खेलने की तैयारी है। एक या दो ही सीटों पर ही वर्तमान सांसदों को चुनाव लड़ाया जा सकता है, बाकी सीटों पर नए चेहरे होंगे। इनमें पहले भी सांसद रहे कुछ चहेरों को जरूर मैदान में उतारा जा सकता है। सर्वे रिपोर्ट में सभी सीटों के नाम भी दिल्ली तक पहुंच गए हैं।

- रायपुर में ब्राह्मण प्रत्याशी पर दांव संभव, दावेदारों की फौज भी यहीं

ये हैं दावेदार

रायपुर- सुनील सोनी, डॉ. विजय शंकर मिश्रा, केदार गुप्ता, संजय श्रीवास्तव, शिवरतन शर्मा, उज्जवल दीपक

दुर्ग- विजय बघेल, सरोज पांडेय

राजनांदगांव- संतोष पांडेय, मधुसुदन यादव अभिषेक सिंह, कोमल जंघेल

कोरबा- सरोज पांडेय, जोगेश लांबा, विकास महतो, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, अनुराग सिंहदेव

▶▶|शेष पेज 4 पर

बिहार में सियासत तेजी से बदल रही है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार एक बार फिर भाजपा नीत राजग में आ रहे हैं। एक बार फिर 'भतीजे' तेजस्वी यादव से 'चाचा' नीतीश का मोहभंग हो गया है। लालू प्रसाद यादव खुद को राजनीति का धुरंधर मानते हुए जिस तरह नीतीश को निपटा कर बेटे को बिहार का सीएम बनाने के फेर में थे, विपक्षी गठबंधन इंडिया की हालत देखते हुए नीतीश ने समय रहते लालू की संभावित राजनीति की हवा निकाल दी। पिछली बार राजद के कारण तो इस बार कांग्रेस के कारण नीतीश कुमार ने पाला बदला है और वापस राजग में जा रहे हैं। इंडिया में कांग्रेस ने अपने सभी सहयोगियों को यथोचित स्थान नहीं दिया, तो लोग छिटकने लगे। पहले ममता व मान ने एकला चलो की राह चुनी तो अब नीतीश भी अलग हो गए। इस पर आजकल का यह अंक...

बिहार की सियासत में फिर भूचाल

विश्लेषण

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

नीतीश कुमार 2022 में भाजपा से अलग हुए और अब फिरभाजपा के पाले में आ रहे हैं। दोनों ही बार जदयू में दलबदल और दोफाड़ की आशंकाओं और संभावनाओं ने काम किया। बेशक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का गठबंधन तैयार करने के सूत्रधार नीतीश ही थे। वह पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण विपक्ष के बड़े नेताओं से मिलते रहे, लेकिन 'इंडिया' नाम से एक बुनियादी प्लेटफॉर्म बना, तो उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के नेताओं ने उन्हें संयोजक तक बनने से रोका। नीतीश कुमार इस राजनीति से बहुत क्षुब्ध थे। यदि भाजपा के साथ उनका गठबंधन परवान चढ़ता है, तो सबसे अधिक विपक्ष का नुकसान यह होगा कि 'इंडिया' का बिखराव पुख्ता होने लगेगा।

बीते बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच करीब तीन घंटे की बैठक प्रधानमंत्री आवास पर हुई। यह असामान्य बैठक थी, क्योंकि किसी अति महत्वपूर्ण विषय पर ही प्रधानमंत्री इतना वक्त खर्च करते हैं। उनके सामने बिहार पर सर्वे की एक रपट भी थी, जो भाजपा ने ही कराया था। सर्वे का निष्कर्ष था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा, अपने घटक दलों समेत, अधिकतम 25 सीटें जीत सकती है। सर्वे अयोध्या राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले कराया गया था। सर्वे में यह भी सामने आया कि उसके प्रभाव से 5-7 सीट से अधिक बढ़ने के आसार नहीं हैं। 2019 में भाजपा ने जदयू के साथ 40 में से 39 सीटें जीती थीं। जाहिर है कि विमर्श का बिन्दु जदयू और नीतीश रहा होगा! भाजपा कुछ विशेष सूत्रों के जरिए नीतीश कुमार से संवाद कर रही थी। विमर्श में यह तय होने लगा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का सूत्रधार ही पाला बदल कर भाजपा से मिल जाए, तो चुनावी फायदा हो सकता है। कमोबेश 'अति पिछड़ा वर्ग' के सरप्लस वोट भी भाजपा के पक्ष में आ सकते हैं। लंबे विमर्श के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नए गठबंधन को 'ओके' कह दिया। उसके बाद तय-सा हुआ कि नीतीश एक बार फिर 'पलटी' मार कर भाजपा के खेमे में आ सकते हैं।

घटनाक्रम से मिले रहे संकेत

कुछ असामान्य संकेत भी गौरतलब हैं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने शुक्रवार को ही पांच बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फोन किया, लेकिन नीतीश ने फोन नहीं उठाया। राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात का वक्त मांगा। लालू उन्हें अपने दूत के तौर पर नीतीश के पास भेजना चाहते थे, लेकिन मुख्यमंत्री ने मिलने का वक्त ही नहीं दिया। नीतीश और शिवानंद पुराने वक्त के 'समाजवादी साथी' रहे हैं। 'राजभवन' में गणतंत्र दिवस पर चाय का आयोजन था, उसमें मुख्यमंत्री की कुर्सी की बगल में ही उपमुख्यमंत्री की कुर्सी चिह्नित थी। मुख्यमंत्री तो कार्यक्रम में गए, लेकिन उनके एक मंत्री अशोक चौधरी ने उपमुख्यमंत्री वाली पर्ची फाड़ कर उस कुर्सी पर बैठ गए। मुख्यमंत्री ने मंत्री को रोका-टोका तक नहीं। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके कुछ मंत्री भी उस कार्यक्रम में नहीं गए। यह एक किस्म की 'संवैधानिक अवज्ञा' थी। इस घटना से पहले मुख्यमंत्री नीतीश ने कैबिनेट बैठक बुलाई थी। उपमुख्यमंत्री करीब 2 घंटे की बैठक के दौरान खामोश ही रहे। सबसे महत्वपूर्ण संकेत यह है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत भाजपा के बड़े नेता, नीतीश के लिए, 'दरवाजा बंद' जैसी आक्रामक जुबान बोलते रहे थे। वह अचानक मुलायम हो गई। बिहार के उपमुख्यमंत्री रहे सुशील कुमार मोदी लगातार कहते रहे कि कोई भी दरवाजा हमेशा के लिए बंद नहीं होता। जब जरूरत पड़ती है, तो वह खुल भी जाता है। गिरिराज सिंह और अश्विनी चौबे सरीखे बड़बोले केंद्रीय मंत्री, नीतीश को, जिस भाषा में गरियाते थे, वे अचानक खामोश हो गए हैं। भाजपा के विधायकों ने नीतीश को मुख्यमंत्री के तौर पर 'स्वीकार' करने के बयान देने शुरू कर दिए हैं। क्या इतने संकेत नीतीश कुमार की 'नई पलटमारी' के लिए पर्याप्त नहीं हैं?

नई खिचड़ी पकनी तय

राजद, कांग्रेस, भाजपा में विधायकों की आपातकालीन बैठकें हो रही हैं। नीतीश और भाजपा ने रविवार, 28 जनवरी को महत्वपूर्ण बैठकें बुलाई हैं। कथित महागठबंधन के घटक मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांग रहे हैं कि अचानक सियासी उबाल इतना क्यों है? नीतीश के प्रवक्ता जवाब दे रहे हैं कि मुख्यमंत्री को स्पष्टीकरण देने की जरूरत नहीं है। वह किसी भी तरह के भ्रम में नहीं हैं। गौरतलब यह भी है कि मुख्यमंत्री ने अचानक अपने सभी कार्यक्रम रद कर दिए हैं। थोक में आईएएस, आईपीएस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, लेकिन इस आलेख के लिखे जाने तक नीतीश ने न तो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया है और न ही विधिवत रूप से गठबंधन से अलग हुए हैं, लेकिन उनका एक बार फिर 'पलटी' मार कर भाजपा के साथ जाना लगभग तय है। भाजपा में अमित शाह, जेपी नड्डा, संगठन महासचिव बीएल संतोष और बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े आदि के बीच लगातार बैठकें हुई हैं। बिहार के प्रमुख कार्यकर्ताओं, नेताओं, विधायकों को 'नए गठबंधन' को लेकर आश्वस्त किया जा रहा है कि भाजपा अपनी बुनियादी नीतियों को नहीं छोड़ेगी, लेकिन आम चुनाव के संदर्भ में यह गठबंधन फायदेमंद साबित होगा।

सब कुछ लगभग तय, ऐलान बाकी

इसी बीच भाजपा के सूत्रों ने खुलासा किया है कि कांग्रेस के 10 से अधिक विधायक उसके संपर्क में हैं। उनका एक अलग गुट बनवाया जा सकता है, जो भाजपा-नीतीश सरकार को समर्थन दे सकता है। कांग्रेस के कुल 19 विधायक हैं। भाजपा नेतृत्व ने अपनी बिहार इकाई को आश्वस्त किया है कि नीतीश दो उपमुख्यमंत्रियों पर सहमत हैं। उनमें से एक 'अति पिछड़ा वर्ग' का प्रतिनिधि होगा। सूत्र रेणु देवी का नाम बता रहे हैं, जो 2020 के जनादेश के बाद नीतीश सरकार में ही उपमुख्यमंत्री थीं। दूसरे उपमुख्यमंत्री को लेकर सुशील मोदी ही मुख्यमंत्री की पहली पसंद हैं। वह लंबे समय तक इस पद पर मुख्यमंत्री नीतीश के साथ काम कर चुके हैं। अलबत्ता मौजूदा नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के नामों की भी चर्चा है। भाजपा के एक बड़े नेता ने मुझे खुलासा किया है कि रविवार को भाजपा-जदयू विधायक दल की साझा बैठक में नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना जा सकता है। उसके बाद नई सरकार बनाने का दावा राज्यपाल के सामने पेश किया जा सकता है, लेकिन इससे पहले नीतीश को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना जरूरी है।

नीतीश की अलटी-पलटी राजनीति का सफर

जनता दल से अलग होकर 1994 में जॉर्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार ने समता पार्टी की शुरुआत की। 1996 के लोकसभा चुनावों में समता पार्टी ने भाजपा के साथ गठबंधन किया। 1998 में गठबंधन जारी रहा। मार्च 2000 में नीतीश पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। पर सदन में बहुमत साबित नहीं कर सके। सात दिन तक ही सीएम रहे। 2003 में नीतीश कुमार ने समता पार्टी से अलग जनता दल (यूनाइटेड) बनाया। भाजपा से गठबंधन किया। 2005 में बिहार में विधानसभा चुनाव में पहली बार भाजपा और जदयू को चुनावी सफलता हासिल की। नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने। 2009 के लोकसभा चुनाव में भी गठबंधन को बड़ी सफलता मिली। 2010 में भाजपा-जदयू ने एक बार फिर एक साथ चुनाव लड़ा और जबरदस्त सफलता हासिल की। नीतीश एक बार फिर मुख्यमंत्री बने।
2014 के लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार ने बिहार में भाजपा के साथ 17 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया। गठबंधन टूटने के बाद लोकसभा में जदयू को झटका लगा। नीतीश सीएम बने रहे। राजद और कांग्रेस ने बाहर से समर्थन दिया। 2015 में जदयू, राजद व कांग्रेस के महागठबंधन को सफलता मिली। नीतीश कुमार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बने। राजद से असंतुष्ट नीतीश 2017 में महागठबंधन से अलग हो गए। भाजपा के साथ आ गए। सीएम बने रहे। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी राजग ने बिहार की कुल 40 सीटों में से 39 सीटें जीत लीं। 2020 में एनडीए सरकार बनी, सीएम नीतीश ही रहे। वर्ष 2022 में नीतीश भाजपा का साथ छोड़कर फिर से महागठबंधन के साथ आ गए। सीएम बने रहे। राजद से तेजस्वी यादव राज्य के उप मुख्यमंत्री बने। वे दूसरी बार डिप्टी सीएम बने। अब वर्ष 2024 में एक बार फिर नीतीश कुमार पाला बदलने जा रहे हैं, वे महागठबंधन का साथ छोड़कर भाजपा के साथ राजग में आ रहे हैं। इस बार भी सीएम नीतीश ही बने रहेंगे। 19 साल से वे विधायक के चुनाव नहीं लड़े हैं।

नीतीश कुमार की 'पलटीमार' राजनीति

एक सवाल जनादेश, सरकार, पलटीमार राजनीति और लोकतंत्र को लेकर भी है। गौरतलब है कि 1995 से नीतीश ने विधायक का चुनाव ही नहीं लड़ा और न ही उनके दलों को बहुमत का जनादेश मिला है। फिर भी नीतीश कुमार 9वीं बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। नीतीश में ऐसा कौन-सा आकर्षण है कि राजद और भाजपा दोनों ही उन्हें 'पलटी' मारने को समर्थन देते रहे हैं और मुख्यमंत्री भी बनवाते रहे हैं। मौजूदा जनादेश 2020 में भाजपा-जदयू को मिला था, क्योंकि दोनों ने साझा चुनाव लड़ा था। नीतीश ने अगस्त, 2022 में अचानक पलटी मारी और लालू यादव के खेमे में चले गए और मुख्यमंत्री बने रहे। अब करीब डेढ़ साल बाद फिर उनका मोहभंग हुआ है और चल पलट कर भाजपा के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। हालांकि इस बार भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए ना-नुकर कर रही थी, लेकिन नीतीश की बुनियादी शर्त यही थी कि मुख्यमंत्री वह ही बने रहेंगे। बहरहाल नीतीश को एक बार फिर पलटी की ज़मीन दी जा रही है। यह कैसा लोकतंत्र है कि बहुमत का जनादेश पाए बिना ही एक राजनेता लगातार कई सालों से बिहार का मुख्यमंत्री बना हुआ है? बेशक इस स्थिति के लिए भाजपा और राजद ही बराबर की जिम्मेदार हैं, क्योंकि बहुमत उनके पक्ष में भी नहीं है। अलबत्ता वे सदन की सबसे बड़ी पार्टियां हैं। नतीजतन बिहार लगातार 'जुगाड़ की सरकार' के भरोसे चल रहा है।

बिहार की सियासत की दिशा

नीतीश कुमार 2022 में भाजपा से अलग हुए और अब राजद, कांग्रेस और वाममोर्चे का हाथ झटक कर भाजपा के पाले में आ रहे हैं। दोनों ही बार जदयू में दलबदल और दोफाड़ की आशंकाओं और संभावनाओं ने काम किया। इस बार लोकसभा चुनाव से पहले जदयू के कमोबेश 7 सांसद भाजपा के संपर्क में थे, उन्हें इस बार लोकसभा चुनाव जीतना संदिग्ध लग रहा था, क्योंकि 2019 की तरह सामाजिक समीकरण पक्ष में नहीं थे। 2019 में जदयू-भाजपा गठबंधन में जदयू के 16 सांसद जीते थे। इस बार संभावनाएं 5 सांसद जीतने की भी नहीं लग रही हैं, लिहाजा नीतीश कुमार पर लगातार दबाव रहा है कि वह पाला बदल कर भाजपा के साथ गठबंधन करें। उधर, कुछ विधायकों की लालू-तेजस्वी यादव के साथ गुप्त बैठक की भनक नीतीश को लगी, नतीजतन पार्टी अध्यक्ष ललन सिंह को बदल कर नेतृत्व अपने हाथ में लेना पड़ा। अब पार्टी अध्यक्ष के तौर पर नीतीश को लगा कि पार्टी में टूट-फूट संभव है, लिहाजा उन्होंने पाला बदलने की सोची। उन्हें पुख्ता ज़मीन तब मिली, जब प्रधानमंत्री मोदी ने 'जननायक' एवं पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को 'भारत-रत्न' का सम्मान देने की घोषणा की। कर्पूरी नीतीश और लालू के 'गुरु सम' नेता माने जाते रहे हैं। सामाजिक न्याय के नाम पर आज भी अति पिछड़ा वर्ग 'जननायक' को भूला नहीं है।

इंडि गठबंधन को धक्का

बेशक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का गठबंधन तैयार करने के सूत्रधार नीतीश ही थे। वह पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण विपक्ष के बड़े नेताओं से मिलते रहे, लेकिन 'इंडिया' नाम से एक बुनियादी प्लेटफॉर्म बना, तो उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के नेताओं ने उन्हें संयोजक तक बनने से रोका। नीतीश कुमार इस राजनीति से बहुत क्षुब्ध थे। यदि भाजपा के साथ उनका गठबंधन परवान चढ़ता है, तो सबसे अधिक विपक्ष का नुकसान यह होगा कि 'इंडिया' का बिखराव पुख्ता होने लगेगा। ममता और केजरीवाल पहले ही अलगाव के स्पष्ट संकेत दे चुके हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नीतीश कुमार का पक्ष लेते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। अन्य प्रतिक्रियाएं भी सामने आ सकती हैं। दूसरी तरफ जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, उपेन्द्र कुशवाहा सरीखे बिहारी नेताओं ने अमित शाह से मुलाकात कर एनडीए का ही घटक बने रहने की प्रतिबद्धता दिखाई है, लिहाजा, बिहार में नीतीश के आने के बाद निश्चित तौर पर एनडीए की स्थिति मजबूत होगी। इसका असर लोकसभा व विधानसभा में देखने को मिलेगा।

बदलते बिहार में क्या-क्या बदलेगा?

राजनीति

राज कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अक्सर कहा जाता है कि भारत में राजनीतिक बदलाव की हवा बिहार से चलती है। लोकनायक जय प्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति आंदोलन इस मान्यता का कारण हो सकता है, जिसने अजेय समझी जानेवाली और फिर आपातकाल में तानाशाह के रूप में देखी जाने वाली इंदिरा गांधी की सत्ता से बेदखली का मार्ग प्रशस्त किया। वैसे उसके बाद भी बिहार में बहुत कुछ हुआ, और उसके चलते भी कई धारणाएं-कहावतें बनी हैं। बिहार फिर बदलता दिख रहा है। क्रिकेट की तरह भारतीय राजनीति भी असीमित संभावनाओं, मगर अनिश्चितताओं का खेल है। कई बार आखिरी गेंद पर मैच पलट जाता है। ऐसे में जब बदलाव की बुनियाद ही किसी 'पलटीमार' पर टिकी हो, तब पटाक्षेप से पहले अंतिम निष्कर्ष जोखिमभरा भी हो सकता है। फिर भी पिछले कुछ दिनों का घटनाक्रम बता रहा है कि 'सुशासन बाबू' से 'पलटीमार' के संबोधन तक का सफर तय करने वाले नीतीश कुमार सत्ता के खेल में एक बार फिर जोड़ीदार बदल रहे हैं। संकेत है कि दूल्हा नहीं, सिर्फ बाराती बदलेंगे यानि मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही रहेंगे, बहुमत के लिए जरूरी बैसाखी की भूमिका में राजद-कांग्रेस-वाम की तिकड़ी की जगह फिर से भाजपा आ जाएगी।

सुविधा के संवाद

समाचार माध्यम बता रहे हैं कि अतीत में नीतीश कुमार राजद-कांग्रेस महागठबंधन में और भाजपा के साथ एनडीए में कब-कब सरकार चला चुके हैं। आप इसे नीतीश का राजयोग कह सकते हैं या फिर बिहार की विडंबना भी कि राज्य विधानसभा का संख्या गणित कुछ ऐसा बन गया है कि दोनों बड़े दलों के पास तीसरे नंबर के दल के नेता की पालकी उठाने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं है। सत्ता की पालकी पर सवार नीतीश कुमार भी सुविधानुसार सांप्रदायिकता विरोध अथवा फिर परिवारवाद-भ्रष्टाचार विरोध की राजनीति करने की कला में माहिर हैं। वैसे इस कला में अनाड़ी तो कोई भी दल या नेता नहीं रह गया है। बार-बार दगा के बावजूद महागठबंधन और एनडीए भी नीतीश कुमार को बिहार का नायक बताने के लिए संवाद गढ़ ही लेते हैं। हर बार ऐसे बदलाव के मूल में बिहार की सत्ता और उसके लिए नीतीश की चिर आकांक्षा ही रही है, लेकिन 2024 में होनेवाला बदलाव राज्य ही नहीं, राष्ट्र की राजनीति को भी प्रभावित करेगा।

आखिर नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा को दस साल बाद केंद्रीय सत्ता से बेदखल करने के वादे-इरादे के साथ बने दो दर्जन से भी ज्यादा विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के सूत्रधार माने जा रहे थे। जब ममता बनर्जी, के. चंद्रशेखर राव, अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव सरीखे क्षत्रप क्षेत्रीय दलों का तीसरा मोर्चा या संघीय मोर्चा बनाने की कवायद कर रहे थे, तब नीतीश ने सबसे पहले कहा था कि भाजपा के विरुद्ध तीसरा नहीं, एक ही मोर्चा बनना चाहिए, जो कांग्रेस को साथ लिए बिना कारगर नहीं हो सकता। कांग्रेस की सहमति से ही नीतीश ने राज्य-दर-राज्य घूमते हुए तमाम क्षत्रपों को

मनाया भी। विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक भी पटना में हुई। उसमें सूत्रधार की भूमिका में नीतीश ही दिखे, लेकिन उसके बाद कब स्टीयरिंग कांग्रेस के हाथ में चली गई, नीतीश को पता नहीं चला।

जरूरी भी, मजबूरी भी

खुला रहस्य है कि सबसे लंबे समय तक बिहार का मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश के लिए सत्ता ही साध्य है। साधन जो भी बनना चाहे, इसके बावजूद उन्हें विपक्षी गठबंधन का पीएम फेस तो दूर, संयोजक तक नहीं बनाना क्या बिहार में इस नए बदलाव का कारण है? इस स्वाभाविक सवाल का सही जवाब सिर्फ मोदी और नीतीश के पास हो सकता है। अंदर ही खबर रखने वाले बताते हैं कि यह बदलाव अचानक नहीं हुआ। जैसे-जैसे नीतीश को 'इंडिया' में केंद्रीय भूमिका न मिलने के संकेत पुष्ट होते गये, उन पर जनता दल यूनाइटेड में एक वर्ग का दबाव बढ़ता गया कि वह सम्मानजनक विकल्प तलाशें। यह भी कि ऐसा दबाव डालने वाला वर्ग दरअसल भाजपा के संपर्क में था, जो मोदी सरकार की 'हैट्रिक' की कोशिशों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। इस बार '400 पार' का नारा देनेवाली भाजपा पिछले लोकसभा चुनाव में 303 सीटें जीती थी, जिनमें से 17 बिहार से मिली थीं। तब नीतीश साथ थे और एनडीए ने 40 में से 39 सीटें जीतने का करिश्मा कर दिखाया था। शेष एक सीट पर कांग्रेस का दांव लग गया था, वरना अब विधानसभा में सबसे बड़े दल राजद का खाता तक नहीं खुल पाया था। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और पंजाब में शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने तथा कर्नाटक में सत्ता से बेदखली से वहां गड़बड़ाये चुनावी गणित से भाजपा पर दबाव बढ़ गया है कि वह बिहार में अपनी बिसात ठीक से बिछाये। जाहिर है, लालू प्रसाद यादव के राजद से दोस्ती असंभव है, जबकि लोजपा, हम और वीआईपी जैसे छोटे दलों की मदद से वह बिसात संभव नहीं। ऐसे में अगर अपेक्षित सम्मान न मिलने पर 'इंडिया' से किनारा नीतीश की मजबूरी बन गयी थी तो केंद्रीय सत्ता की 'हैट्रिक' के लिए उन्हें साथ लेना भाजपा की जरूरत भी। शायद, दिवंगत समाजवादी नायक कर्पूरी ठाकुर को 'भारत रत्न' ने उस 'मजबूरी' और 'जरूरत' के बीच सुविधानजक पुल बनाने का काम किया।

'इंडिया' बनाम एनडीए

अगर पुष्ट संकेतों के मुताबिक नीतीश एनडीए में लौटते हैं तो न सिर्फ बिहार में भाजपा गठबंधन सरकार में भागीदार होगी, बल्कि अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव में संभानाएं भी बेहतर हो जाएंगी। बेशक चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी असहज महसूस करेंगे, पर सत्ता की खातिर यह सब चलता रहता है। आखिर सत्ता की खातिर ही तो नीतीश कुमार ने उन लालू से दो-दो बार हाथ मिला लिया, जिनके राज को कभी 'जंगल राज' बताते थे और जिस भाजपा में जाने से मरना बेहतर बताते थे, उसके साथ भी दूसरी बार जा रहे हैं। हां, मोदी की भाजपा सरकार को केंद्रीय सत्ता से बेदखल करने के लिए बने 'इंडिया' गठबंधन के लिए यह बहुत बड़ा झटका है। ममता बनर्जी और भगवंत मान पहले ही क्रमशः पश्चिम बंगाल और पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। अब जबकि सूत्रधार नीतीश भी किनारा कर रहे हैं तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पिछले साल जुलाई में ही बना विपक्षी गठबंधन कहां, कितना और कब तक बचेगा।

दूर क्यों हुए?

बिहार की राजनीति में शुरू से जदयू भाजपा का बड़ा भाई बना रहा। समय के साथ जदयू की सीटें कम होती गईं। भाजपा की सीटों की संख्या बढ़ती गई। राजद के बाद दूसरे नंबर की पार्टी भाजपा हो गई। नीतीश कुमार सरकार के निर्माण में बीजेपी की शर्तों से असहज रहे। नीतीश डिप्टी सीएम रेनू देवी व तारकिशोर प्रसाद को लेकर सहज महसूस नहीं करते थे। उनके साथ 13 साल तक डिप्टी सीएम रहे सुशील कुमार मोदी की तरह इन लोगों से उनका तालमेल अच्छा नहीं रहा।

धर दीन्ही चदरिया

बिहार

प्रणय यादव
वरिष्ठ टीवी पत्रकार

नीतीश कुमार ने फिर वही किया जो अब तक करते आए हैं, लेकिन इस बार नीतीश कुमार ने जो पलटी मारी है। उसका असर सिर्फ बिहार पर नहीं होगा। देश की राजनीति पर होगा। लालू की लालटेन तो फूटी ही, इसके साथ साथ विपक्षी एकता भी तार तार हो गई। अब विरोधी दलों के खेमे में सन्नाटा है। कांग्रेस, आरजेडी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, एनसीपी जैसी तमाम पार्टियां नीतीश को नैतिकता का ज्ञान दे रही हैं, लेकिन नीतीश को इसकी परवाह नहीं है, क्योंकि वो जानते हैं कि राजनीति में नैतिकता की परिभाषा वक्त और मौके के हिसाब से बदलती रहती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस बार नीतीश ने सिर्फ लालू के नहीं तमाम नेताओं के सपनों को तोड़ा है। बीजेपी ने जो चाल चली है। उसमें बीजेपी का फायदा ही फायदा है। तीर नीतीश का है और इससे लहूलुहाने होने वाले उनके अपने पुराने साथी हैं।

नीतीश कुमार महात्वाकांक्षी हैं। राजनीति में सब महात्वकांक्षी होते हैं। सब आगे बढ़ना चाहते हैं। विधायक सांसद मंत्री मुख्यमंत्री बनना चाहते है। लेकिन सब बन नहीं पाते क्योंकि हर किसी में अवसर को पहचानने और हारते हुए पक्ष से जल्दी से जल्दी पीछा छुड़ा सकने की काबिलियत नहीं होती जो नीतीश में कुमार में हैं और पिछले तीस सालों में नीतीश कुमार ने ये बखूबी साबित किया है। वो छह बार चादर बदल चुके हैं। हर बार पुरानी चादर उतारते हैं। नई ओढ़ते हैं, लेकिन पुरानी वाली को फेंकते नहीं। रख लेते हैं। जरूरत पड़ने पर फिर ओढ़ लेते हैं। और इसी कला का नतीजा है कि नीतीश की पार्टी बिहार में हमेशा तीसरे नंबर की पार्टी रही, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश ही रहे।

नीतीश ने इस बार जो खेल किया है। उससे लालू की सारी प्लानिंग चौपट हो गई। लालू जानते थे कि बिहार में बीजेपी पावर में रहेगी तब तक उनकी पार्टी की वापसी संभव नहीं है। लालू को ये भी पता था कि नीतीश कुमार की नजर अब प्रधानमंत्री की कुर्सी पर है, क्योंकि 2012 में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाने के विरोध में ही नीतीश ने एनडीए छोड़ा था। लेकिन 2014 में लोकसभा चुनाव में सिर्फ दो सीटें मिलीं। नीतीश ने कसम खाई थी कि मर जाएंगे लेकिन बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे। लेकिन राजनीति में मरना जीना तो लगा रहता है। इसलिए नीतीश कुमार एक बार फिर मरकर जी उठे और फिर बीजेपी के साथ हैं।

असल में इस बार नीतीश ने दिखाया कि वो हिसाब किताब में लालू से ज्यादा माहिर हैं। लालू चाहते थे कि किसी तरह बेटे को बिहार की गद्दी पर बैठाया जाए। इसी चक्कर में लालू ने दांव खेला। सोचा था नीतीश को फंसा लेंगे, लेकिन उल्टा फंसा। नीतीश एक रास्ता बंद हो इससे पहले दूसरा खोल लेते हैं। अगर प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नहीं बनना है तो बिहार की कुर्सी क्यों छोड़ते। लालू का प्रेशर था। जब नीतीश ने बात नहीं मानी तो लालू ने नीतीश की पार्टी में सेंध लगाने की कोशिश शुरू की। नीतीश को भनक लग गई तो उन्होंने खेल खराब करने में देर नहीं की। नीतीश ने जो किया उससे जनता पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सरकार का चेहरा नहीं बदलेगा। सिर्फ चोला बदल जाएगा। लालटेन की जगह

अब एनईडी लाइट से सरकार जलेगी और विधानसभा में सिर्फ ट्रेजरी बेंचेज और अपोजीशन बेंचेज की अदला बदली होगी।

लेकिन नीतीश के इस पैंतरे से विपक्ष की मोदी को घेरने की सारी रणनीति छिन्न भिन्न हो गई। इसका सबसे पहला शिकार कांग्रेस होगी। कांग्रेस राहुल गांधी की न्याय यात्रा के जरिए माहौल बनाने की कोशिश कर रही थी। जिसे असम में हिमंता ने पलीता लगाया। बंगाल में घुसे तो ममता की पार्टी ने काले झंडे दिखा दिए। अब उम्मीद बिहार से थी। लेकिन वो भी टूट गई। जब राहुल बिहार में रैली करेंगे तो गठबंधन के फाउंडर नीतीश कुमार मोदी मोदी के नारे लगा रहे होंगे। इसलिए कांग्रेस के नेता निराश हैं। नीतीश के लिए दरवाजा बीजेपी ने भी मजबूरी में खोला है। लेकिन इसका सबसे बड़ा फायदा ये होगा कि तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के जो नेता जातिगत जनगणना के मुद्दे को उछालकर पिछड़ों अति पिछड़ो, दलितों और महादलितों के बीजेपी से दूर करना चाहते थे। अब वो मुद्दा ही हाथ से निकल गया क्योंकि जातिगत सर्वे कराने वाले नीतीश तो अब बीजेपी के साथ हैं।

बिहार की राजनीति के साथ साथ केन्द्र की राजनीति पर भी इसका जबरदस्त असर होगा। लोकसभा चुनाव सिर पर हैं। बीजेपी भी जानती है कि नीतीश की अपनी ताकत भले ही कम हो लेकिन उनका साथ जीत हार का फैसला करने में मददगार होता है। पिछले चुनाव में जब बीजेपी नीतीश के साथ थी तो एनडीए ने 40 में से 39 सीटें जीती थीं। अब नीतीश फिर साथ हैं तो इसका असर तो पड़ेगा। दूसरी बात नीतीश विरोधी दलों के गठबंधन की नींव की ईंट थे। नींव की ईंट अलग होने से बिल्डिंग का खड़े रहना मुश्किल है। राजनीति में मैसेजिंग का बड़ा महत्व होता है। नीतीश के जाने से मैसेज ये गया कि एंटी मोदी मोर्चे में सबसे अपने अपने हित हैं और सबसे बड़ा कॉमन फैक्टर है नरेन्द्र मोदी का डर। महाराष्ट्र में जब टूट हुई थी तो एकनाथ शिन्दे पर खोके का आरोप लगा। एजेंसियों के डर का इल्जाम लगा। लेकिन बिहार में विरोधी दलों के नेता न तो नीतीश पर भ्रष्टाचार का इल्जाम लगा सकते हैं। न परिवारवाद का। इसलिए नीतीश का जाना एंटी मोदी मोर्चे के लिए ताबूत में आखिरी कील हो गया। हालांकि बंगाला में ममता बनर्जी और पंजाब में केजरीवाल पहले ही अकेले चुनाव लड़ने का एलान कर चुके हैं। अखिलेश यादव ने यूपी में कांग्रेस को ज्यादा भाव देने को तैयार नहीं है। ये नेता तो विरोधी दलों के गठबंधन में कंगूरे की ईंटें थीं। जो एक एक करके गिर रही थी। नीतीश के टूटने से नींव हिली है। इसलिए अब बिल्डिंग का गिरना भी तय है। ये बीजेपी के लिए चुनाव से पहले बड़ी जीत है। अब बीजेपी के नेता ये कहेंगे कि नेता वही होता है जो वक्त पर हवा का रुख पहचान ले, नीतीश ने पहचान लिया है।

नीतीश कुमार ने बड़े अरमानों के साथ विपक्षी एकता की कवायद शुरू की थी। उन्हें इस गठबंधन में एक महत्वपूर्ण पद की उम्मीद थी। हुआ बिल्कुल उल्टा। इंडि गठबंधन अपनी-डफली और अपनी राग बजाने लगा। 2017 में महागठबंधन से अलग होने के बाद नीतीश ने राजद को इसका जिम्मेदार ठहराया था। इस बार कांग्रेस को इसके लिए जिम्मेदार बता रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस की ओर से अपनाया जा रहा अलग रास्ता भी विवाद का कारण बना है। राहुल गांधी द्वारा गठबंधन के बारे में बात करने के बजाय कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की गई है। ये यात्रा बिल्कुल कांग्रेस की अपनी और अलग यात्रा है। इसलिए जदयू को महागठबंधन में रहने का कोई कारण नजर नहीं आया। इंडिया एकजुट रहने और मोदी को जवाब देने में पूरी तरह विफल रहा। वैसे में नीतीश ने अपनी पार्टी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक व्यवहारिक निर्णय लिया, जिसका सियासी गलियारों में स्वागत भी हो रहा है। दूसरी तरफ जदयू ने अपना पिछला इतिहास देखा। जदयू 2019 में लोकसभा चुनावों में एनडीए के साथ लड़ी गई 17 सीटों में से 16 पर जीत हासिल की थी। इस बार नीतीश की पार्टी की राह मुश्किल लग रही थी।

नई दिल्ली में निकली छत्तीसगढ़ की झांकी, 'बस्तर की आदिम जनसंसद : मुरिया दरबार' ने मोहा दर्शकों का मन

यह झांकी जनजातीय समाज में आदि-काल से उपस्थित लोकतांत्रिक चेतना और परंपराओं को दर्शाती है, जो आजादी के 75 साल बाद भी छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग में जीवंत और प्रचलित है। जगदलपुर के 'मुरिया दरबार' और कोंडागांव जिले के बड़े डोंगर में स्थित 'लिमऊ-राजा' को दर्शाया गया था। झांकी के प्रदर्शन के दौरान कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने परब नृत्य भी प्रस्तुत किया।

गणतंत्र दिवस : कर्तव्य पथ की झलकियां

नारी सशक्तिकरण...

खबर संक्षेप

चिराग पासवान ने शाह और नड्डा से की मुलाकात

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा के साथ फिर से हाथ मिलाने की अटकलों के बीच लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।

बांग्लादेश से आई 97,500 रुपये की नकली मुद्रा जब्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता ने बांग्लादेश से लाकर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में कथित तौर पर जाली भारतीय मुद्रा की तस्करी करने के मामले में दो लोगों को शनिवार को वाराणसी से गिरफ्तार किया है और उनके पास से 97,500 रुपये की जाली मुद्रा भी बरामद की गई।

हेरोइन, पिस्तौल व कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर जिले में सीमा सुरक्षा बल और राज्य के विशेष कार्य बल के संयुक्त अभियान में दो लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 100 ग्राम हेरोइन, तीन पिस्टल और 32 बोर पिस्तौल की 13 गोली मिलीं। दोनों बलों की संयुक्त टीमों ने उप्पल गांव में एक घर पर भी छापेमारी की और हथियार बरामद किया गया।

लैंड फॉर जॉब केस को अदालत ने लिया संज्ञान में

लालू परिवार की बढ़ीं मुश्किलें राबड़ी, मीसा सहित 5 को समन

600 करोड़ के घोटाले का मामला

संघीय एजेंसी ने इस मामले में 600 करोड़ रुपए की अपराध आय का पता लगाने का दावा किया है, जिसमें दिल्ली में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी का एक बंगला भी शामिल है, जिसकी कीमत 150 करोड़ रुपए बताई जाती है। यह मामला 2004 और 2009 के बीच लालू प्रसाद के परिवार के लिए कथित तौर पर भूमि पार्सल के बदले में रेलवे में नियुक्तियों से संबंधित है, जब वह केंद्र में रेल मंत्री थे।

एजेंसी ▶▶| पटना

नौकरी के बदले रेलवे में नौकरी मामले में लालू परिवार की मुसीबत बढ़ती दिख रही है। रेलवे में जमीन लेकर नौकरी देने के मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी, उनकी बेटी मीसा भारती, हेमा यादव और अन्य आरोपियों को समन जारी किया है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को 9 फरवरी को अदालत में पेश होने को कहा है। अदालत ने व्यवसायी अमित कात्याल के लिए प्रोडक्शन वारंट भी जारी किया, जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने आदेश पारित करते हुए कहा- संज्ञान लेने के लिए पर्याप्त आधार हैं।

बिहार में राजनीतिक संग्राम के बीच लालू फैमिली की मुश्किलें बढ़ गई है. एक तरफ जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनसे दो-दो हाथ करने की तमाम तैयारी कर चुके हैं तो दूसरी तरफ घोटाला केस में परिवार के कई सदस्यों को समन भेजा गया है। जमीन के बदले जॉब केस में लालू यादव और बेटे तेजस्वी यादव को प्रवर्तन निदेशालय ने भी समन कर रखा है।

दिल्ली कोर्ट में 9 को हाजिर होने का निर्देश

कल लालू और 30 को तेजस्वी से पूछताछ

बताया जा रहा है कि लालू यादव को 29 जनवरी और तेजस्वी यादव को 30 जनवरी को एजेंसी की पटना ऑफिस में पेश होना है। ईडी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक आरोप पत्र भी दायर किया है। लालू यादव, पत्नी राबड़ी देवी और दो बेटियों मीसा और हेमा को भी आरोपी बनाया गया है।

एजेंसी ने जब्त की है 6 करोड़ की संपत्ति : *प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत लालू प्रसाद के परिवार और उनसे जुड़ी कंपनियों की 6 करोड़ रुपए की संपत्ति भी जब्त की है। जांच जारी है और मामले को आगे की कार्यवाही के लिए सूचीबद्ध किया गया है। फिलहाल बिहार में लालू यादव नीतीश कुमार द्वारा शुरू किए गए संग्राम का सामना कर रहे हैं।*

लालू-राबड़ी-तेजस्वी के खिलाफ भी आरोप पत्र

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने नौकरियों के बदले जमीन घोटाला मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के खिलाफ भी आरोप पत्र दायर किया है। आरोप पत्र में 14 अन्य शामिल हैं और यह नए सबूतों पर आधारित है जो पहली आरोप पत्र दायर किए जाने के बाद सामने आए।

इस मामले को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से भी जोड़ा

लैंड फॉर जॉब मामले को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से भी जोड़ा है। अपनी जांच के बाद ईडी ने इस मामले में पहली चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनकी बेटी एवं राज्यसभा सांसद मीसा भारती, दूसरी बेटी हेमा यादव सहित अन्य लोगों के नाम को चार्जशीट में शामिल किया था। इस केस में सुनवाई पूरी करने के बाद 18 जनवरी को कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद 20 जनवरी को फैसला आने वाला था, मगर उस दिन फैसला नहीं आया। फैसले के लिए 27 जनवरी की नई तारीख सामने आई थी।

आप के 7 विधायकों को पार्टी छोड़ने दिया 25-25 करोड़ का ऑफर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सात विधायकों को आम आदमी पार्टी छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपये और भाजपा का टिकट देने की पेशकश की गई है। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने भी आरोप लगाया कि बीजेपी ने 'ऑपरेशन लोटस 2.0' शुरू कर दिया है और दिल्ली में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई आप सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी सरकार को गिराने के लिए भारतीय जनता पार्टी पर प्रयास करने का आरोप लगाते हुए ने शनिवार को कहा कि पूर्व पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी में सात आप विधायकों को तोड़ने की कोशिश की, उन्हें 25 करोड़ रुपये की पेशकश की है साथ ही उन्हें भाजपा से चुनाव लड़वाने की भी पेशकश की गई है।

■ अरविंद केजरीवाल का भाजपा पर बड़ा आरोप

सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा काम : अरविंद

केजरीवाल ने कहा, "हाल ही में उन्होंने दिल्ली में हमारे 7 विधायकों से संपर्क किया और कहा कि हम कुछ दिनों के बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे। उसके बाद हम विधायकों को तोड़ेंगे और उसके बाद हम दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को गिरा देंगे। आप भी भाजपा में आ जाओ। 25 करोड़ रुपये देंगे और बीजेपी के टिकट भी।

केजरीवाल एक बार फिर झूठ बोल रहे- भाजपा

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और मंत्री आतिशी के बयान पर बीजेपी नेता कपिल मिश्रा ने कहा, "अरविंद केजरीवाल एक बार फिर झूठ बोल रहे हैं, जैसा कि वह पिछले सात बार से कर रहे हैं। वह एक बार भी नहीं बता पाए कि उनसे संपर्क करने के लिए किस फोन नंबर का इस्तेमाल किया गया, उन्हें किसने संपर्क किया और बैठक कहां हुई थी। वह सिर्फ बयान देते हैं और छिप जाते हैं।" भाजपा नेता ने कहा कि सीएम केजरीवाल के साथी जेल में हैं और वह बार-बार ईडी के समन से बच रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उनके पास ईडी के सवालों के जवाब नहीं हैं।"

एसएफआई ने गवर्नर आरिफ को दिखाए काले झंडे, गुस्से में बैठ गए धरने पर

एजेंसी ▶▶| कोल्लम

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ केरल में जमकर प्रदर्शन देखने को मिला। यहां उनको काले झंडे दिखाए गए हैं। वहीं प्रदर्शन से नाराज राज्यपाल आरिफ मोहम्मद भी अपनी गाड़ी से नीचे उतर गए और एक कुर्सी लेकर धरने पर बैठ गए। इस दौरान राज्यपाल काफी गुस्से में पुलिसकर्मियों को डांटते हुए दिखे। वहीं उन्होंने कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि मैं यहां से नहीं जाउंगा, पुलिस इन प्रदर्शनकारियों को संरक्षण दे रही है। बता दें कि छात्र संगठन एसएफआई के सदस्य पिछले काफी दिनों से राज्यपाल से नाराज चल रहे हैं।

■ पुलिस पर लगाया संरक्षण देने का आरोप, कार्रवाई की मांग की

कई दिनों से चल रही तकरार

बता दें कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और वामपंथी सरकार के बीच राज्य के विश्वविद्यालयों के कामकाज और विधानसभा द्वारा पारित कुछ विधेयकों पर राज्यपाल के हस्ताक्षर न करने समेत कई मामलों को लेकर तनातनी की स्थिति है। इसी तनाव के चलते राज्यपाल ने गुरुवार को विधानसभा में अपना अभिभाषण केवल अंतिम पैराग्राफ पढ़कर समाप्त कर दिया था और इस तरह उन्होंने सरकार से अपनी नाराजगी का संकेत दिया था।

छत्तीसगढ़ की बेटी को राष्ट्रपति पुरस्कार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व डीजीपी विजय शंकर चौबे की बेटी श्वेता चौबे को राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। फिलहाल श्वेता उत्तराखंड के पौड़ी जिले में बतौर एसएसपी पदस्थ हैं। उनका नाम सराहनीय पुलिस सेवा के दृष्टिकोण से राष्ट्रपति मेडल के लिए चयनित हुआ है। श्वेता चौबे को उनकी पुलिसिंग के लिए पूरे उत्तराखंड में उत्तराखंड की शेरनी के नाम से जाना जाता है। उनके पिता विजय शंकर चौबे को यह पुरस्कार सन 1987 में दुर्ग में पदस्थ रहते हुए मिला था। इसके बाद वे सन 2000 में विशिष्ट पुलिसिंग सेवा के लिए भी राष्ट्रपति पुरस्कार से नवाजे गए थे। बता दें कि श्वेता चौबे का पूरा बचपन छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में ही बीता है और उनका दादिहाल सारंगढ़ है। श्वेता ने सन 2005 में बतौर डीएसपी राज्य पुलिस सेवा में अपने करियर की शुरुआत की थी।

फर्जी प्रमाण पत्र घोटाला मामला: सुप्रीम कोर्ट ने लगाई कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में फर्जी प्रमाण पत्र घोटाला मामले की सीबीआई जांच के संबंध में कलकत्ता हाईकोर्ट की दो पीठों से पारित आदेशों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। अब इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार 29 जनवरी को होगी। इस मामले में अदालत ने याचिकाकर्ता और पश्चिम बंगाल सरकार को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है।

पांच जजों की पीठ ने की सुनवाई

दरअसल, पश्चिम बंगाल फर्जी प्रमाणपत्र घोटाला मामले की सीबीआई जांच को लेकर हाईकोर्ट की दो पीठ ने अलग-अलग फैसले सुनाए थे। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की स्पेशल पीठ ने शनिवार को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए सोमवार तक सुनवाई टाल दी है।

क्या है मामला : *बता दें कि फर्जी जाति प्रमाणपत्र जारी किए जाने के घोटाले की सीबीआई जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की गई थी। हाईकोर्ट जज जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने 24 जनवरी बुधवार को सुबह एक आदेश पारित कर पश्चिम बंगाल पुलिस से मामले से संबंधित दस्तावेज सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया था, लेकिन हाईकोर्ट की दो जजों की खंडपीठ बेंच ने उसी दिन जस्टिस गंगोपाध्याय के आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं, रोक के बावजूद जस्टिस गंगोपाध्याय की एकल-पीठ ने अगले दिन 25 जनवरी को फिर से आदेश सुनाते हुए मामले के कागजात सीबीआई को सौंपने की अनुमति दे दी थी।*

राम मंदिर में उमड़ रहा आस्था का सैलाब ट्रस्ट को बढ़ाना पड़ा दर्शन करने का समय

■ हर दिन पहुंच रहे लाखों श्रद्धालु, ज्यादा से ज्यादा लोग कर सकेंगे दर्शन व पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अयोध्या

रामनगरी में भगवान रामलला के दर्शनों के लिए आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अयोध्या में बड़ी संख्या में रामभक्त भगवान के दर्शन-पूजन करने पहुंच रहे हैं। ऐसे में गणतंत्र दिवस के दिन 3 लाख से अधिक की संख्या में भक्तों ने रामलला के दर्शन किये।

अयोध्या में बड़ी संख्या में जनसैलाब उमड़ने की वजह से राम मंदिर ट्रस्ट ने दर्शन अवधि में वृद्धि कर दी है। रामलला का दर्शन सुबह 7:00 से रात 10:00 बजे तक चल रहा है। इस दरमियान 15-15 मिनट के लिए भगवान के भोग और आरती के लिए परदा लगाया जाएगा। भक्त रामलला के मंदिर में प्रवेश करते रहेंगे।

दर्शन की नई समय सारिणी

- मंगला आरती : सुबह 4.30 बजे
- श्रृंगार आरती (उत्थान आरती) : सुबह 6.30 बजे
- भक्तों के लिए दर्शन :सुबह 7 बजे से
- भोग आरती : दोपहर 12 बजे
- संध्या आरती : शाम 7.30 बजे
- रात्रि भोग आरती : रात 9 बजे
- शयन आरती : रात 10 बजे

श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखा जा रहा ख्याल

रामलला की प्राण की प्रतिष्ठा के बाद से लाखों की तादाद में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी सतर्कता बरत रहा है। श्रद्धालुओं को किसी तरह की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े, इसका ख्याल रखा जा रहा है। श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए एक घंटे का समय अतिरिक्त मिलेगा।

दर्शन का समय एक घंटे बढ़ाया गया

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से समय में बदलाव से अब राम भक्तों को प्रभु रामलला के दर्शन के लिए 1 घंटे का अतिरिक्त समय मिल सकेगा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। बता दें कि इस समय राम नगरी अयोध्या प्रभु श्रीराम के उद्घोष से गूंज रहा है और लाखों की संख्या में रोज श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है।

तरकश

-संजय के. दीक्षित

अफसरों का ड्रेस कोड

राजस्थान के चीफ सिकरेट्री ड्रेस को लेकर बेहद सख्त हैं। एक बार जिंस पहनकर मीटिंग में आने वाले तीन अफसरों को उन्होंने पैंट बदलने घर भेज दिया था। इस वाकये से प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी की याद आ गई। सरकार बनने के दो ही महीने हुए थे कि पुराने मंत्रालय की एक बैठक में प्रमुख सचिव स्तर के एक आईएएस फुल टीशर्ट नुमा कुछ पहनकर आ गए थे। जोगी जी इस पर बेहद नाराज हुए। उन्होंने उस अफसर को मीटिंग से उठाया तो नहीं मगर यह कहते हुए क्लास जमकर ली थी कि ऑल इंडिया सर्विस के अफसरों को पहनावे का ध्यान रखना चाहिए। छत्तीसगढ़ में कुछ सालों से ठीक इसका उलट हो रहा है। मुख्यमंत्री की बैठकों में कोई हाफ शर्ट पहनकर पहुंच जाता है तो कोई आस्तिन चढ़ाकर। पहले के अफसर ड्रेस को लेकर बड़ा संजीदा रहते थे। खासकर सीएम की जिस दिन मीटिंग है, उस दिन हाफ शर्ट बिल्कुल नहीं। पहनावा भी गरिमापूर्ण। एक तरह से ये सिस्टम और सीएम का सम्मान होता है। राजभवन के कार्यक्रमों में भी आज कल लोग ड्रेस का ध्यान नहीं रख रहे। चीफ सिकरेट्री को इसके लिए अपने अधिकारियों को ताकीद करना चाहिए...कम-से-कम सीएम की मीटिंग और राजभवन के कार्यक्रमों में ड्रेस की मर्यादा का ध्यान रखा जाए।

मीटिंग से GO...GO

चूकि बात मीटिंग से अफसरों को उठाने और अजीत जोगी की निकली है तो एक पुराना वाकया याद हो आया। 2001 की बात होगी। यही धान खरीदी का कोई समय था। नवंबर या दिसंबर का। तब बारदाना का शार्टेज हो गया था, किसान हलाकान थे। जोगी जी ने पुराने मंत्रालय में फूड, नॉन, और मार्कफेड के अफसरों की बैठक बुलाई। अब जोगी जी जोगी जी थे, उन्हें कोई मिसगाइड कहां कर सकता था। अफसरों ने यह कहते हुए उन्हें भटकाने की कोशिश की कोलकाता की कंपनी बारदाना भेज नहीं रही है...इस पर वे बिगड़ उठे।

उन्होंने दो आईएएस को भरी मीटिंग से उठा दिया। बोले...अभी कोलकाता जाओ। अफसर इसे समझ नहीं पाए। लगा कि जाने को बोल रहे तो कल चल देंगे। पुराने लोगों को याद होगा, जोगीजी को जब गुस्सा आता था तो वे कांपने लगते थे। ऐसा ही कुछ उस मीटिंग में हुआ। बोले...उठ क्यों नहीं रहे हो, चलो अभी जाओ...गो...गो। जोगीजी के चेहरे की भाव भंगिमा देख दोनों अफसर तुरंत मीटिंग छोड़ कोलकाता भागे। उस समय फ्लाइट नहीं थी और न सरकार के पास इतने पैसे होते थे कि अफसर यहां से दिल्ली जाए और वहां से फिर कोलकाता। रामचंद सिंहदेव जैसे सख्त वित्त मंत्री थे। किसी सप्लायर या ठेकेदार से टिकिट करा लें, ऐसा भी उस समय नहीं होता था। लिहाजा, दोनों आईएएस अफसरों ने शाम की मुंबई-हावड़ा मेल में इमरजेंसी कोटे से दो बर्थ कराया और कोलकाता रवाना हुए।

वक्त की दोहरी मार

ब्यूरोक्रेसी में हमेशा दिन एक बराबर नहीं होते। वैसे भी नौकरशाही में माना जाता है, आईएएस की लगभग 30 साल की सर्विस में 20 साल कमाल के होते हैं तो पांच साल मीडियम और पांच साल मुश्किल के। छत्तीसगढ़ में भी सरकार बदलने के बाद कुछ अफसरों का अच्छा नहीं चल रहा। खासकर, सात आईएएस अधिकारियों पर वक्त की दोहरी मार बोल सकते हैं। कुछ कलेक्टरों को चुनाव आयोग ने आचार संहिता लगते ही हटा दिया था, और कुछ को नई सरकार ने। इसके बाद सरकार ने सात अफसरों को मिड टर्म ट्रेनिंग के लिए महीने भर के लिए मसूरी भेज दिया। अब बेचारे छत्तीसगढ़ के आईएएस, मसूरी के एक डिग्री टेम्परेचर में कैसे रह रहे होंगे, आप समझ सकते हैं। रात में हीटर ऑन करते हैं तो बेचैनी होती है और न जलाएं तो डबल रजाई भी असर नहीं कर रहा। उसमें भी सुबह उठ जाना...मुंह से भाप निकलते कभी देखा नहीं। सात में एक माताजी भी हैं। सातों आईएएस देवों के देव विष्णुदेव से प्रार्थना कर रहे...भगवान तकलीफ दे रहे हो तो मसूरी से लौटने के बाद कुछ काम धाम भी दे देना।

छुट्टियों में याद रखना

पिछली सरकार ने डीए, एचआर देने में भले ही विलंब किया मगर छुट्टियां इतनी दे डाली कि छत्तीसगढ़ के कर्मचारी मौज काट रहे हैं। साल में कई हफ्ते ऐसे निकल जा रहे कि दो-एक दिन की अर्जी लगा दिए तो दसेक दिन का सैर-सपाटा। हालांकि, एक पहलू यह भी है कि कर्मचारियों, अधिकारियों के घरों में पति-पत्नी के बीच झगड़े बढ़े हैं। पहले हफ्ता में एकाध दिन छुट्टी होती थी तो उसका बड़ा चार्म होता था। अब तीन-तीन, चार-चार दिन घर में रहेंगे तो दिक्कतें तो होंगी ही। बहरहाल, तीज-त्यौहारों की छुट्टियां इतनी ज्यादा हो गई है कि छुट्टी घोषित करने वाला जीएडी भी कंफ्यूज्ड हो जा रहा। पिछली सरकार ने 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया हुआ है, जीएडी ने इसी दिन नागपंचमी का लोकल अवकाश दे दिया। जीएडी भी आखिर क्या करें...इतनी छुट्टियों से भ्रमित होना स्वाभाविक है। फिर भी, छुट्टियों को लेकर शिक्षक और कर्मचारी पिछली सरकार को जरूर याद रखेंगे।

मगर वोट नहीं...

2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान एक रिटायर चीफ सिकरेट्री शिक्षाकर्मियों का संविलियन न करने पर अड़ गए थे। जबकि, तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह इस पक्ष में थे कि पुराना वादा है, इसे पूरा कर दिया जाए। फिर सवाल चौथी बार सरकार बनाने का भी था। रिटायर सीएस तब एक कमीशन में पोस्टेड थे और अघोषित तौर पर सरकार के सलाहकार का काम भी देख रहे थे। वे इस बात से काफी नाराज थे कि शिक्षाकर्मी मर्यादा को ताक पर रखकर रायपुर के बूढ़ापारा तालाब में अधनंगे प्रर्दशन कर दिए थे। उनका ये भी तर्क था कि बिना किसी भर्ती प्रक्रिया के लोकल लेवल पर चुने गए इन शिक्षकों से छत्तीसगढ़ का ह्यूमन रिसोर्स चरमरा जाएगा। मगर रमन सिंह उनकी दलीलों को न मानते हुए शिक्षाकर्मियों को रेगुलर करने का फैसला ले लिया।

बावजूद इसके शिक्षकों के वोट एकतरफा कांग्रेस को पड़े। उसके बाद आई कांग्रेस सरकार ने रमन सरकार की शर्तों को शिथिल करते हुए सबको एकमुश्त संविलियन कर दिया। इसके बाद छुट्टियों की मौज। फिर भी शिक्षकों और कर्मचारियों का वोट कांग्रेस को नहीं मिला। ऐसे में, पीसी सेठी की चर्चा यहां मौजूं लगता है। मध्यप्रदेश के एक पुराने मुख्यमंत्री थे प्रकाशचंद सेठी...बेहद सख्त और अनुशासन के पक्के...ब्यूरोक्रेसी से लेकर कर्मचारी संगठन उनसे घबराता था। वे अक्सर कहा करते थे, सरकार की प्राथमिकता आम आदमी होना चाहिए, कर्मचारी, अधिकारी नहीं। बाद में वे इंदिरा गांधी मंत्रिमंडल में देश के गृह मंत्री बनाए गए थे।

मजबूत आईएएस?

एसीएस फॉरेस्ट मनोज पिंगुआ के पास पहले तीन हैंड थे। सिकरेट्री बसव राजू, स्पेशल सिकरेट्री देवेंद्र भारद्वाज और ज्वाइंट सिकरेट्री पुष्पा साहू। सरकार ने पहले बसव को वहां से सीएम सचिवालय भेजा, फिर देवेंद्र और पुष्पा को भी शिफ्ट कर दिया। वन विभाग में अब वन मैन आर्मी वाली स्थिति है। याने पिंगुआ ही सब कुछ। उनके पास गृह विभाग है और माध्यमिक शिक्षा मंडल के साथ व्यापम चेयरमैन का चार्ज भी। उपर से ठीक परीक्षा के टाईम माशिमं सचिव को खो कर दिया गया। चलिये, पिंगुआ आईएएस एसोसियेशन के प्रेसिडेंट भी हैं...भारत सरकार में काम भी किए हैं। जाहिर है, उनका कंधा मजबूत तो होगा ही।

बड़ी चूक?

तीन दिन पहले पुराने पुलिस मुख्यालय में सड़क सुरक्षा का कार्यक्रम था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उसके चीफ गेस्ट थे। बताते हैं, पीएचक्यू के एक बड़े अफसर को इसकी जानकारी नहीं दी गई। वे रुटीन में नए पीएचक्यू पहुंच गए। वहां पता चला कि सीएम साहब ओल्ड पीएचक्यू में आए हुए हैं। वे भागते हुए वहां पहुंचे तब तक काफी लेट हो चुका था। खबर है, उन्होंने अफसरों की जमकर क्लास ली। खैर जो भी है, सिस्टम के लिए ये ठीक नहीं।

अंत में दो सवाल आपसे

1. इसमें कितनी सत्यता है कि विष्णुदेव सरकार के दो मंत्रियों को पार्टी लोकसभा चुनाव लड़ाने पर विचार कर रही है?

2. क्या ये सही है कि पुराने मंत्री अपने विभागों से खुश नहीं हैं तो कुछ नए मंत्रियों पर सत्ता का अहंकार हॉवी होने लगा है?

जैकेट के शेष

अयोध्या में होगा यात्रियों का स्वागत...

करेंगे। स्वागत के बाद उन्हें उस स्थान पर पहुंचाएंगे, जहां उनके ठहरने की व्यवस्था की गई है। बस से दर्शन कराएंगे और वापस अयोध्या रेलवे स्टेशन में छोड़ेंगे। इसके बाद वह वापसी करेंगे।

पेज एक के शेष

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान...

कर्मचारी एवं आसपास के ग्रामीण युवा शामिल होंगे। मगरमच्छ पानी का जीव है उसे भोजन भी वहीं मिलता है। उद्यान से सटे गांवों के ग्रामीण युवा मगरमच्छ को संरक्षित करने में जुटे हुए हैं, जो मगरमच्छ के अंडे आदि को संरक्षित करने में जुटे हुए हैं। युवाओं ने बताया कि मगरमच्छ पानी में 35 किलोमीटर प्रति घंटा और जमीन पर 17 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से आगे बढ़ता है।

एसीबी में पूर्व मंत्री-पूर्व...

विस्तृत ब्यौरा दिया है। इसके अनुसार अनिल टूटेजा ने अनवर ढेबर और अरुणपति त्रिपाठी के साथ सिंडिकेट के रुप में काम किया। अनवर ढेबर के सहयोगी विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू, अरविंद सिंह, संजय दीवान, देसी शराब डिस्टलर और विभिन्न जिलों में पदस्थ आबकारी अधिकारियों के साथ मिलकर राज्य में शराब की बिक्री में अवैध कमीशन की वसूली और बगैर हिसाब के शराब, शराब की सरकारी दुकानों के जरिए सप्लाई की गई। जिससे 2161 करोड़ की कमाई हुई, जो सीधे राज्य को क्षति है।

ईडी ने कहा- कोयला घोटाला 25 रुपए प्रति टन की लेवी

दईडी ने कोयला घोटाले को लेकर कहा है कि रायगढ़, कोरबा, सूरजपुर जैसे कोयला कहुमूल्य क्षेत्रों में जिला खनिज अधिकारियों के द्वारा खनिज निदेशालय से जारी उक्त मैनुअल डीओ एवं परमिट से संबंधित आदेश को आधार बनाकर कोयला ट्रांसपोर्टरों से अवैध वसूली की गई। सूर्यकांत के लिए रायपुर क्षेत्र में रौशन कुमार सिंह एवं निखिल चंद्राकर सूरजपुर जिले में राहुल सिंह एवं विरेंद्र जायसवाल, बिलासपुर जिले में पारेख कुर्रे एवं चंद्रप्रकाया जायसवाल, रायपुगढ़ में नवनीत तिवारी तथा कोरबा में मोईनुद्दीन कुरैशी ट्रांसपोर्टरों से अवैध वसूली का कार्य खनिज अधिकारियों के माध्यम से किया जाता था, इसमें 542 करोड़ रुपए की अवेध लेवी वसूली की गई।

यह है शराब...

की अनुमति मिल सके। एफएल-10ए लाइसेंस धारकों से कमीशन, जिन्हें विदेशी शराब खंड में भी पेश किया गया था। इन सब को मिलाकर ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ में 2161 करोड़ से ज्यादा का घोटाला हुआ है।

भूपेश ने...

से एफआईआर दर्ज करने को कहा है। उन्होंने भाजपा पर कांग्रेस नेताओं को बदनाम करने की साजिश बताते हुए कहा, इससे स्पष्ट है कि लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के नेताओं को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है।

शराब घोटाले पर...

- अरविंद कुमार पटले (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
- प्रमोद कुमार नेताम (तत्कालीन सहायक कमिशनर आबकारी)
- रामकृष्ण मिश्रा (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
- विकास कुमार गोस्वामी (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
- इकबाल खान (तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी)
- नीतिन खंडुजा (तत्कालीन सहायक जिला आबकारी अधिकारी)
- नवीन प्रताप सिंग तोमर (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
- मंजु कसेर (तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी)
- सौरभ बख्शी (तत्कालीन सहायक आयुक्त)
- दिनकर वासनिक (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
- आशीष वास्तव (तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त आबकारी)
- अशोक कुमार सिंह (तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी)
- मोहित कुमार जायसवाल (जिला आबकारी अधिकारी)
- नीतू नोतानी (उपायुक्त) ■ रविश तिवारी (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी) ■ गरीबपाल दर्दी (आबकारी अधिकारी)
- नोहर सिंह ठाकुर (आबकारी अधिकारी)
- सोनल नेताम (सहायक आयुक्त आबकारी विभाग)
- अरविंद सिंह ■ अनुराग द्विवेदी (मेसर्स अनुराग ट्रेडर्स)
- अमित सिंह (मेसर्स अदीप एग्रोटेक प्राईवेट लिमिटेड)
- नवनीत गुप्ता ■ पिंकी सिंह (प्रोप्राईटर अदिप एम्पायर्स)
- विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू ■त्रिलोक सिंह, ढिल्लन (मेसर्स ढिल्लन सिटी मॉल प्राईवेट लिमीटेड) ■ यश टुटेजा (निवासी कटोरा तालाब रायपुर)
- नितेश पुरोहित, गिरीराज होटल, रायपुर ■ यश पुरोहित, गिरीराज होटल, रायपुर ■अभिषेक सिंह, डायरेक्टर मेसर्स नेक्सजेन पॉवर इंजीटेक प्राईवेट लिमीटेड
- मनीष मिश्रा, मेसर्स नेक्सजेन पॉवर इंजीटेक प्राईवेट लिमीटेड
- संजय कुमार मिश्रा, सी.ए. मेसर्स नेक्सजेन पॉवर इंजीटेक प्राईवेट लिमीटेड
- अतुल कुमार सिंह श्री ओम साईं, बेवरेजेस प्राईवेट लिमीटेड
- मुकेश मनचंदा, श्री ओम साई बेवरेजेस प्राईवेट लिमीटेड
- विजय भाटिया, भिलाई ■ अशीष सौरभ केडिया, मेसर्स दिशिता वेंचर्स प्राईवेट लिमीटेड ■ मेसर्स छ.ग. डिस्टलरीस प्राईवेट लिमीटेड
- मेसर्स भाटिया वाईन एवं मर्चेंटस प्राईवेट लिमीटेड
- मेसर्स वेलकम डिस्टलरीस
- सिद्धार्थ सिंघानिया, मेसर्स सुमीत फैसलिटीस लिमीटेड एवं टॉप सिक्योरिटीस फैसलिटीस मैनेजमेंट ■ बच्चा राज लोहिया मेसर्स इगल हंटर सॉल्युशन लिमीटेड एवं पार्टनर
- मेसर्स अलर्ट कमाण्डों प्राईवेट लिमीटेड एवं पार्टनर
- अमित मित्तल, मेसर्स ए टू जेड प्राईवेट लिमिटेड ■ उदयराव मेसर्स ए टू जेड प्राईवेट लिमीटेड का मैनेजर ■ मेसर्स प्राईम वन वर्क फोर्स
- लक्ष्मीनारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल निवासी भिलाई
- विधु गुप्ता, प्रीज्म होलोग्राफी एवं सिक्योरिटीस प्राई लिमी.
- दीपक ढुआरी ■ दिपेन चावडा ■ मेसर्स प्राईम डेव्हलपर्स
- मेसर्स ए ढेबर बिल्डकॉन ■ मेसर्स ए. जे. एस. एग्रोट्रेड प्राईवेट लिमीटेड
- सफायर इस्पात के मालिक श्री उमेर ढेबर एवं श्री जुनैद ढेबर
- अख्तर ढेबर ■ अशोक सिंह ■ सुमीत मलो
- रवि बजाज ■ विवेक ढांढ, निवासी जी. ई. रोड रायपुर
- अज्ञात कांग्रेस के पदाधिकारीगण ■अन्य आबकारी अधिकारीगण, विकास अग्रवाल के साथीगण के अज्ञात नाम भी शामिल हैं।

नीतीश फिर पलटे, लालू को छोड़ एनडीए...

विधायक दल की एक पारंपरिक बैठक करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अपेक्षित व्यस्त गतिविधि के मद्देनजर सचिवालय जैसे सरकारी कार्यालयों को रविवार को दिन के दौरान खुले रहने के लिए कहा गया है ताकि भाजपा के समर्थन से नयी सरकार का गठन हो सके। इस बीच भाजपा की राज्य इकाई के प्रभारी विनोद तावड़े ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जद (यू) के अलग होने की संभावना के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है।

भूपेश का लोकसभा चुनाव...

दो दिनों तक चली कांग्रेस की इस बैठक में प्रत्याशी चयन से लेकर चुनाव किस तरह से लड़ना है इस पर मंथन हुआ। बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष रजनी पाटिल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज और अन्य सदस्य मौजूद थे। कांग्रेस की लोकसभावार बैठक में लोसकभा चुनाव लड़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसमें भूपेश बघेल को राजनांदगांव, ताम्रध्वज साहू को महासमुंद से लड़ाने का प्रस्ताव रखा गया। कांकेर से मोहन मरकाम, जांजगीर से शिव डहरिया को लड़ाने का सुझाव दिया गया। वहीं कोरबा से ज्योत्सना महंत, बस्तर से दीपक बैज का नाम सुझाया गया है। हालांकि भूपेश बघेल ने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है.

कई लोकसभा में एक से अधिक नाम : रजनी पाटिल ने कहा, कई लोकसभा क्षेत्र में एक से अधिक उम्मीदवार है। सभी को अलग-अलग मापदंड के आधार पर आंका जाएगा। कांग्रेस का सर्वे रिपोर्ट भी 30 तारीख तक आ जाएगी। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ही पता चलेगा कि किस प्रत्याशी की क्या स्थिति है? आगे जो होगा वह संगठन की बैठक के बाद ही निर्णय होगा।

पायलट बोले-जीतने वालों पर दांव : प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा, कांग्रेस अच्छे साफ-सुथरे लोकप्रिय उम्मीदवार को मैदान में उतारेंगे। हम यह चुनाव बड़ी गंभीरता से लड़ने वाले हैं। लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी का चयन अगले हफ्ते दिल्ली में होने वाली मीटिंग में किया जाएगा। पार्टी लिस्ट पहले जारी करने वाली हैं, ताकि उम्मीदवार को समय ज्यादा मिले और वह पूरे लोकसभा क्षेत्र में अपना प्रचार कर सके। 11 लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों से चर्चा हो चुकी है। कांग्रेस का मापदंड इस बार चुनाव जीतना ही है और जीतने वाले उम्मीदवार पर ही कांग्रेस दाँव लगाएगी। चेहरे नए और पुराने दोनों हो सकते हैं सभी विषयों पर मंथन किया जा रहा है।

न्याय यात्राः जनता के सामने लाने का प्रयास : भारत न्याय योजना को लेकर सचिन पायलट ने कहा, छत्तीसगढ़ के सात जिलों से भी यह यात्रा गुजरेगी। आज भारतीय जनता पार्टी के जुमले जनता पहचान चुकी है। महंगाई, बेरोजगारी और 2 करोड़ रोजगार देने का वादा मोदी की गारंटी के फलस्वरुप 2014 में था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ है। आज जनता परेशान है और हम न्याय यात्रा के तहत इन सभी क्षेत्रीय मुद्दों को जनता के बीच में लाने का प्रयास करेंगे।

लोकसभा चुनाव को लेकर जिन पूर्व मंत्रियों के नाम की चर्चा है उनमें-

राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल
बिलासपुर से पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव
दुर्ग और महासमुंद से ताम्रध्वज साहू
रायपुर और महासमुंद से धनेंद्र साहू
सरगुजा से डॉ. प्रेम साय सिंह टेकाम, खेल साय सिंह
कांकेर से मोहन मरकाम, अनिला भेंड़िया
जांजगीर से डॉ शिवकुमार डहरिया
रायगढ़ से धरमजयगढ़ विधायक लालजीत सिंह राठिया
दोनों सांसद के नाम
बस्तर से दीपक बैज, कोरबा से ज्योत्सना महंत

सीएम विष्णुदेव ने ...

के प्रतीक रंगीन गुब्बारे आसमान में छोड़े और प्रदेश के निरंतर विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों, नीतियों, योजनाओं पर केन्द्रित जनता के नाम संदेश का वाचन किया। बस्तर जिले में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई और विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं से संबंधित झांकियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

हजार लोग घर ...

साथ ही भगवान की आरती करवाई गई। मूल धर्म को अपनाने के लिए कोई सालभर का तो कोई 8 महीने से इंतजार कर रहे थे। सभी लोग रायगढ़, जशपुर, कोरबा, सक्ति व धमतरी जिले के रहने वाले हैं। इस दौरान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने वापसी करने वालों को भगवा गमछा पहनाकर आशीर्वाद दिया। इस दौरान भाजपा नेता व मंतातरित लोगों की घर वापसी के अभियान में लगे प्रबल प्रताप सिंह जूदेव भी मौजूद रहे। जूदेव ने कहा कि जब तक जीवित रहूंगा तब तक घर वापसी का अभियान चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि अब तक 17 हजार से ज्यादा लोगों की मूल धर्म में वापसी है।

धर्मातांतरण को रोकने हिंदुओं को जागरूक करें : बीते दिनों पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा था कि जिन लोगों ने बहकावे में आकर अपना धर्म छोड़ दिया है, यदि वे पुनः घर वापसी करना चाहते हैं, तो समाज के लोग उन्हें स्वीकार करें, हृदय से अपनाएं। केवल घर वापसी कराना ही उद्देश्य नहीं होना चाहिए। मतांतरण को रोकने के लिए हिंदुओं को जागरूक करें। धर्म वापसी के बाद पं. शास्त्री ने कहा कि मतांतरण को रोकने के लिए हिंदुओं को जागरूक होना पड़ेगा। इसके लिए वे स्वयं जशपुर से लेकर बस्तर के कोने-कोने तक श्रीराम कथा के जरिए हिंदुओं को जागरूक करेंगे। हिंदू राष्ट्र का असली अर्थ सनातन धर्म के मूल्यों पर चलना है।

अमीन अहमद भी बने हिंदू : 251 परिवार के एक हजार लोग मूल धर्म में लौटे है। ज्यादातर लोग परिवार के साथ आए हुई है। सनातन धर्म अपनाने वाले अमीन अहमद ने बताया कि हिंदू धर्म और संस्कृति से जुड़ाव पहले से रहा है। धीरेंद्र शास्त्री की कथा ने पत्नी और मुझे काफी प्रभावित किया। हम तीन बार कथा में शामिल हुए हमने अपने भीतर बदलाव महसूस हुआ। घर वापसी के लिए सालभर का इंतजार करना पड़ा। मूल धर्म में लौटने से पहले सालभर घर में हिंदू देवी देवता की पूजा करते थे। इस फैसले में परिवार भी खुश है।

पूर्व तट रेलवे
शुद्धिपत्र
निविदा सं. CPMGSU/WATENGG/2023012; दिनांक : 30.12.2023 का
मानक तकनीकी मापदंड : RFP दस्तावेज अनुच्छेद 2.2.2.1 और अनुसूची-ई आइटम 1.2(x) के संबंध में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। प्री-बिड मीटिंग संबंधी प्रश्नों पर रेलवे की टिप्पणियां भी वेबसाइट पर अपलोड की गई हैं।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
मुख्य परियोजना प्रबंधक (GSU), वाल्टेयर
PR-1028/O/23-24

गुपचुप धर्मांतरण, आधा...

की गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में से 1 महिला और 1 व्यक्ति इसके पूर्व भी धर्मांतरण के मामले में शामिल रहे हैं। जानकारी के मुताबिक मामला जूट मिल थाना क्षेत्र अंतर्गत सावित्री नगर का है। जहां एक बिल्डिंग को कुछ लोगों ने किराए पर ले रखा था और वहां एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था।

भाजपा कर सकती है...

इसे जीतने की हरसंभव कोशिश में जुटी है। हालांकि सरोज पांडेय का नाम दुर्ग लोकसभा से विजय बघेल के साथ दावेदारों में शामिल है। वहीं रायपुर से ब्राह्मण प्रत्याशी को टिकट देने की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार भाजपा की टिकट का फैसला विधानसभा चुनाव की तरह ही सर्वे रिपोर्ट के आधार पर होगा। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के अलावा केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भी अलग से सर्वे करवाया है। इसी के साथ प्रदेश के खुफिया विभाग से भी दावेदारों की पूरी रिपोर्ट ली गई है। छत्तीसगढ़ के साथ ही पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद से ही भाजपा ने लोकसभा को लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी है। नए साल से ही यह तैयारी तेजी से चल रही है। भाजपा ने सभी लोकसभा सीटों को 146 कलस्टरों में बांटकर तैयारी तेज की है। दिल्ली में कलस्टर के प्रभारियों की बैठक हो चुकी है। कई राज्यों में चुनाव के प्रभारी और सहप्रभारी भी तय हो गए हैं। जहां तक छत्तीसगढ़ का सवाल है तो यहां पर पहले से ही प्रदेश प्रभारी ओम माथुर जहां विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रभारी थे, वहीं केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया को सह चुनाव प्रभारी बनाया गया था। लोकसभा के चुनाव के लिए चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी बदले जाने की संभावना नहीं है।

इन सीटों पर अगले माह हो सकते हैं प्रत्याशी घोषित : विधानसभा चुनाव की तर्क पर लोकसभा चुनाव में भी आचार संहिता लगने से पहले प्रत्याशी घोषित करने की तैयारी है। पहले तो 30 जनवरी को प्रत्याशी घोषित करने की तैयारी थी, लेकिन बिहार में चल रही राजनीतिक उठा पटक के कारण अब फरवरी में कभी भी करीब डेढ़ सौ सीटों पर प्रत्याशी घोषित हो सकते हैं। इनमें छत्तीसगढ़ की बस्तर, कांकेर, कोरबा, जांजगीर चांपा, सरगुजा और रायगढ़ की सीट के प्रत्याशियों का ऐलान हो सकता है।

कई सांसदों का कट सकता है पत्ता : सूत्रों का कहना है कि विधानसभा की तरह भारतीय जनता पार्टी चौंकाने वाले नाम लोकसभा में ला सकती है। वर्तमान सांसदों में से कई का पत्ता कट सकता है। जहां कांग्रेस के साथ कांटे का मुकाबला हो सकता है वहां कई स्तरों पर सर्वे किया गया है। वरिष्ठ नेताओं से भी सलाह ली जा रही है। संगठन फूंक फूंककर कदम रख रहा है। भाजपा की रणनीति इस बार पूरी 11 सीटों पर जीत की है।

ये हैं दावेदार...

बिलासपुर- लखन लाल साहू, भूपेंद्र सवन्नी, अमर अग्रवाल
जांजगीर चांपा- गुहाराम अजगले, निर्मल सिंहा, कमला देवी पाटले, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी
महासमुंद- चुन्नीलाल साहू, चंदूलाल साहू, अजय चंद्राकर, श्वेता शर्मा
बस्तर- दिनेश कश्यप, लच्छु राम कश्यप, सुभाऊ कश्यप
कांकेर- मोहन मंडावी, विकास मरकाम, राधेलाल नाग
सरगुजा- चिंतामणी महाराज, रामसेवक पैकरा, कमलभान मरावी, चंपा देवी पावले
रायगढ़- गेंद बिहारी सिंह, रोहित साय, गणेश राम भगत, रवि भगत।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-18

आम सूचना

जारी दिनांक 15.01.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती गीता पिता लक्ष्मण राठौर निवासी नवधा चौक अयोध्या पुरी कोरणा रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदित ग्राम धनेली-2 पटवारी हल्का नंबर 81 राजस्व निरीक्षक मण्डल- 18, रायपुर में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 5/56 कुल रकबा 0.0140 हे.का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 26.12.2023 के परिपालन में दिनांक 08.02.2024 को समय 3:00 PM बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि मे पटवारी हल्का नंबर .... के बोरियाकला मे स्थित कार्यालय मे मय दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकतें है। नियत तिथि के पश्चात् मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नही है।।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर - 18

समक्ष न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

:: राजस्व मामले में नोटिस ::

मामले का विषय - ऑनलाईन अभिलेख सुधार बाबत।

मामला क्रमांक 202303211000002 / अ-6 अ, वर्ष 2022-23

पक्षकार मायाबाई पति राजेन्द्र प्रसाद सोनी विरुद्ध विष्णु वर्मा, अवधराम सोनी, माखन सोनी निवासी नेवधा

दावा

1. विष्णु पिता साधूराम वर्मा
2. अवधराम पिता बिसेसर सोनी
3. माखन पिता बिसेसर सोनी

सभी निवासी ग्राम नेवधा तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है उपर्युक्त मामले की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 31/01/2024 को नियत है। जिसमें आपकी उपस्थिति आवश्यक है।

अतः उक्त तिथि को न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा में उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं। आपके अनुपस्थित रहने पर आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही जावेगी, जिसके लिए आप स्वतः जिम्मेदार होंगे।

आज दिनांक 10/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा

STATE BANK OF INDIA, **ANNEXURE-12**

Publication of Notice regarding possession of property u/s 13(4) of SARFAESI Act 2002

Kumhari Branch
Address:-Main Road Kumhari

Notice is hereby given under the Securitization and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (54 of 2002) and in exercise of powers conferred under section 13(12) read with rule 9 of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002, a demand notice was issued on the dates mentioned against each account and stated herein after calling upon them to repay the amount withing 60 days from the date of receipt of said notice.

The Borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the Borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of power conferred on him/her under secrtion 13(4) of the said Act read with Rule 9 of the said Act on the dates mentioned against each account.

The Borrower in particular and the public in general is hereby cautioned not to deal with the property and any dealings with the property will be subject to the charge of the **STATE BANK OF INDIA** for an amount and interest thereon.

Name of account/Borrower & Address	Name of Proprietor/Partners/Guarant ors/Owner of property etc.	Description of the property mortgaged/charged	Date of Demand Notice	Date of Possession	Amount Outstanding
HL 39024952669	1. Mrs. Monica Lowrence W/o Vijay Lowrence 2. Mr Vijay Lowrence S/o Philimomn Lowrence	KhNo 278/1,278/2,278/5 & 279/21,House No 21,Situated at Mouja "Shriji Dwarika", Puraina, Rani Durgawati Ward No 45,Ph No 113, Mahavir Nagar, Behind of Maruti Residency Tahsil & district Raipur (C.G.)	18.10.2023	17.01.2024	Rs. 2141360.45/-
Home Top Up 39178419420	1. Mrs. Monica Lowrence W/o Vijay Lowrence 2. Mr Vijay Lowrence S/o Philimomn Lowrence	KhNo 278/1,278/2,278/5 & 279/21,House No 21,Situated at Mouja "Shriji Dwarika", Puraina, Rani Durgawati Ward No 45,Ph No 113, Mahavir Nagar, Behind of Maruti Residency Tahsil & district Raipur (C.G.)	18.10.2023	17.01.2024	Rs. 1067065.89/-

Date : 25.01.2024
Place : Kumhari

Autohrised Officer
State Bank of India
Kumhari Branch

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूँटी

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई- निविदा सूचना संख्या - RDD/SD/KHUNTI/14/2023-24

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	खूँटी जिला अन्तर्गत तोरपा प्रखण्ड के चाकर टोली से गुड़गुड़ चुवाँ पथ में बुढ़ी पतरा नाला पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण। पुल निर्माण।	4,39,09,200/-	8,80,000/-	10,000/-	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि - 05.02.2024
3. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय-दिनांक 05.02.2024 से दिनांक 15.02.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई-निविदा खोलने का स्थान - कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, खूँटी
5. ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय -17.02.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूँटी
7. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० - 6201188328 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूँटी

PR 317083 Rural Development(23-24)#D

शब्द पहेली - 5407

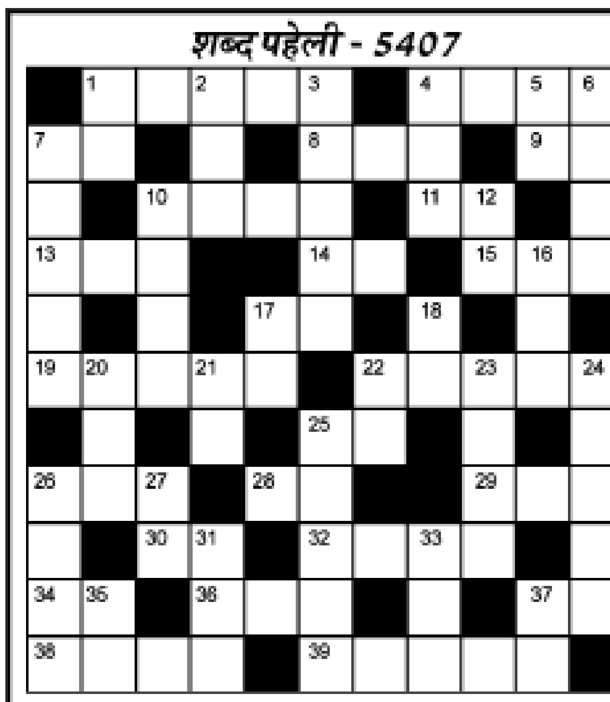

बाएं से दाएं
1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.सौगात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फूट-2
36.सवेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे
1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.याचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली- 5406 का हल

सूडोकु नवताल - 5417

***** हरिभूमि

सूडोकु नवताल - 5416 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

वैसे तो जीवन में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत और लगन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। लेकिन इसके साथ ही कुछ व्यक्तिगत गुण और आदतें भी बहुत मायने रखती हैं। इनके बारे में कई विद्वानों और मनोवैज्ञानिकों ने अपनी किताबों में जिक्र किया है। इनमें से कुछ बेस्ट सेलर किताबों और उसमें छिपे सक्सेस सीक्रेट के बारे में जानिए।

ये किताबें बताती हैं सक्सेस के ईजी सीक्रेट

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

कहा जाता है कि किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। हताशा के क्षणों में किताबें उम्मीद जगाती हैं, सफल होने की राह सुझाती हैं। हम आपको यहां दुनिया की कुछ ऐसी प्रसिद्ध किताबों के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने अनेक लोगों के जीवन को बदल दिया और उन्हें सफल बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।

समस्याओं का खोजें रचनात्मक हल

मनोवैज्ञानिक डेनियल काह्नमैन लिखित 2011 में प्रकाशित 'थिंकिंग, फास्ट एंड स्लो' एक लोकप्रिय प्रेरक पुस्तक है। इस किताब के मुताबिक अगर आप अकसर किसी भी समस्या के सामने आते ही बेहद चिंतित हो जाते हैं तो आपको यह समझ लेना चाहिए कि समस्या के एक ही हिस्से पर आपका नियंत्रण होता है, वह है आपकी प्रतिक्रिया। समस्याएं हमारे भीतर के सर्वश्रेष्ठ गुणों को बाहर निकालती हैं, क्योंकि मुसीबत में ही हम अपनी क्षमताओं के बारे में सही ढंग से चिंतन कर पाते हैं। इसलिए जब आप चिंतित होने की बजाय किसी समस्या को रचनात्मक तरीके से हल करने की कोशिश करेंगे, तो ज्यादा प्रभावशाली बनेंगे। परिणामस्वरूप आप खुद को पहले से ज्यादा बड़ी और कहीं ज्यादा समस्याएं हल करने के लायक बना लेंगे।

स्वतंत्रता में निहित हो आत्मसंयम

स्वामी चिन्मयानंद द्वारा लिखित किताब 'किंडल लाइफ' के अनुसार मनुष्य का मूल स्वभाव पूर्ण स्वतंत्रता है। लेकिन उसकी स्वतंत्रता अनिवार्य रूप से बुद्धिमत्तापूर्ण, आत्मसंयम और अनुशासनयुक्त होनी चाहिए। यह आप पर निर्भर करता है कि आप सीमा में रहकर अपनी क्षमता से जीवन को उत्कृष्ट बनाएं या उसकी उपेक्षा करके अपने लिए दुख आमंत्रित करें। स्वच्छंदता वास्तव में स्वतंत्रता नहीं है। इसका परिणाम है, विनाश। प्रकृति के नियम के अंतर्गत रहकर जीने से ही व्यक्ति सफल हो सकता है।

सफलता में सहायक अच्छी आदतें

जेम्स क्लियर की प्रसिद्ध किताब 'एटॉमिक हैबिट्स' बताती है कि सभी बड़ी चीजों की शुरुआत छोटे प्रयासों से होती है। एक छोटा निर्णय ही आदत का वह बीज होता है, जो आपको आगे बढ़ाता है। जब आप एक सही निर्णय को बार-बार दोहराते हैं तो आदत के रूप में वह ज्यादा शक्तिशाली बनने लगता है। क्या आप आमदनी से कम खर्च करते हैं? क्या आप नियमित जिम जाते हैं या एक्सरसाइज करते हैं? क्या आप रोज पुस्तक पढ़ते हैं? क्या आप रोज कोई नई चीज सीखते हैं? ये ऐसी छोटी-छोटी बातें हैं, जो आपकी सफलता और असफलता के बीच के अंतर को प्रभावित करती हैं। अच्छी आदतों के महत्व को समझें, आपकी सफलता की पहली सीढ़ी यही है।

प्रगति के लिए दूर करें डर

किताब 'करेज एंड कॉन्फिडेंस' को एक अमेरिकी प्रोटेस्टेंट पादरी और लेखक नॉर्मन विंसेंट पील ने लिखा था। उनकी किताब के अनुसार डर लोगों को शारीरिक रूप से बेहद कमजोर बना देता है। जब आप बोलना चाहते हैं तो डर आपको बोलने नहीं देता। कुछ करना चाहते हैं तो ये आपको कुछ करने नहीं देता। देखा जाए तो किसी ना किसी रूप में डर लोगों को वह हासिल करने से रोकता है, जो वे जीवन में वाकई हासिल करना चाहते हैं। इसलिए डर का असली कारण क्या है, यह पता करें। देखें कि आप किस चीज से डर रहे हैं, फिर अपने काम व मेहनत से इस डर को दूर करें।

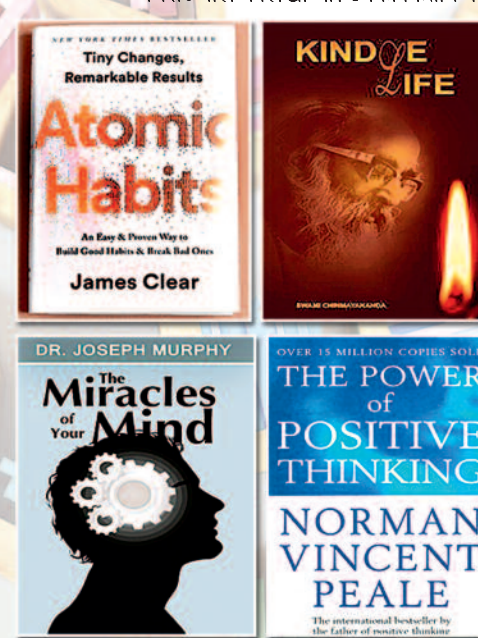

पॉजिटिव थिंकिंग की पावर समझें-अपनाएं

नॉर्मन विंसेंट पील की प्रसिद्ध किताब 'द पॉवर ऑफ पॉजिटिव थिंकिंग' भी सफलता के उपाय बताती है। किताब के मुताबिक अगर आपके मन में यह विश्वास है कि आप कोई भी काम कर सकते हैं तो आपके लिए रचनात्मक समाधानों का रास्ता खुल जाता है। जबकि यह विश्वास या शंका कि कोई काम नहीं किया जा सकता है, आपकी कमजोर सोच को दर्शाता है। यह सोच आपको असफलता की ओर ले जाती है। वहीं अगर आपको विश्वास है कि आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का हल ढूंढ़ सकते हैं और खुद पर विश्वास करेंगे, तो आप रचनात्मक रूप से सोचना शुरू करेंगे और सफलता की राह पर चल पड़ेंगे।

चमत्कारी होती हैं मन की शक्तियां

आयरिश लेखक जोसेफ मर्फी की किताब 'द मिरेकल्स ऑफ योर माइंड' बताती है कि हमारे मन के दो पहलू होते हैं। चेतन मन बाहरी चीजों की जानकारी रखता है, जबकि अवचेतन मन आंतरिक चीजों की। मानव जीवन में अवचेतन मन का महत्व सबसे ज्यादा होता है। अवचेतन मन मिट्टी की तरह होता है। आप इसमें जो भी बीज डालेंगे, यह उसे स्वीकार कर लेगा। चाहे, बीज अच्छा हो या बुरा। आप जिस भी चीज को सच मानते हैं और जिसमें विश्वास करते हैं, उसे आपका अवचेतन मन स्वीकार कर लेगा। अवचेतन शक्तियों के सदुपयोग की योग्यता से ही सारे महान वैज्ञानिक और शोधकर्ता सफल हुए हैं। अपने भीतर अवचेतन शक्तियों के उपयोग से आप भी सफल हो सकते हैं।

इस तरह ये मोटिवेशनल किताबें आपको सक्सेसफुल बनाने में बहुत मददगार हो सकती हैं, बशर्ते आप इनमें बताए गए सूत्रों को अपने जीवन में अपना लें। *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

बेहतर, सुकून भरी और ऊर्जावान जिंदगी के लिए आपके व्यक्तित्व में कुछ गुणों का होना जरूरी है। ये सभी गुण आपके ई क्यू, आई क्यू और एस क्यू से निर्धारित होते हैं। इनके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

ई क्यू+आई क्यू+एस क्यू बढ़ाए कॉन्फिडेंस-एनर्जी

जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, चाहे वो आर्थिक हो या सामाजिक, पारिवारिक हो या फिर मानसिक-शारीरिक सेहत से संबंधित, अगर आप अपने भीतर ईक्यू, आईक्यू और एसक्यू की त्रिशक्ति को जागृत कर लें और इनका संतुलन साध लें तो आपमें एनर्जी और कॉन्फिडेंस की कमी नहीं रहेगी। इस तरह आपका हर क्षेत्र में कामयाब होना तय हो जाएगा। यहां हम जिस त्रिशक्ति की बात कर रहे हैं, वे भावनाओं, बौद्धिकता और आध्यात्मिक जागृति की शक्तियां हैं। इनका संतुलन आपको अद्भुत आत्मविश्वास, ऊर्जा और क्षमता की शक्ति दे सकता है। जाहिर है, इनकी वजह से आपकी कहीं हार नहीं होगी, ना ही कभी हताशा और निराशा का सामना करना पड़ेगा।

ई क्यू यानी इमोशनल कोशेंट : लोगों से संपर्क करना हो या रोजमर्रा के जीवन से जुड़ा छोटा-बड़ा कोई निर्णय लेना हो, हमारा आचरण और हमारी कोई भी एक्टिविटी, इमोशंस यानी भावनाओं से ही नियंत्रित होती है। इमोशनल कोशेंट बहुआयामी होता है। इसके तहत समानुभूति यानी दूसरों की संवेदनाओं और उनके मन को समझना, सामाजिक कौशल यानी किस वक्त, किसी व्यक्ति से कैसा व्यवहार करना चाहिए, स्व-नियंत्रण यानी अपनी अच्छी-बुरी भावनाओं को काबू में रखना, आत्म जागरूकता यानी अपनी क्षमताओं की सही-सही जानकारी और स्वप्रेरणा यानी कभी भी हतोत्साहित या निराश ना होना और खुद को सदैव ऊर्जावान रखना आदि गुण समाहित होते हैं। इन गुणों को बढ़ाने के साथ-साथ बुरी या कहें नकारात्मक भावनाओं जैसे-क्रोध, भय, ईर्ष्या आदि से दूरी रखने से ई क्यू बढ़ती है।

आई क्यू यानी इंटेलिजेंस कोशेंट : यह बात जग जाहिर है कि बौद्धिक क्षमता का अच्छा स्तर हमें किसी भी कार्य को सही तरीके से करने की युक्ति सुझा सकता है। बुद्धिमत्ता यानी अच्छी बौद्धिक क्षमता का यह मतलब कतई नहीं कि आप दुनिया की हर स्किल को सीख लें या हर फील्ड, भाषा या तकनीक आदि पर आपकी पकड़ मजबूत हो जाए। इसका सीधा अर्थ यह है कि आप में प्रेजेंस आफ माइंड होना चाहिए। आपको यह मालूम होना चाहिए कि किस काम के लिए आप किसे हायर कर सकते हैं या किसकी मदद ले सकते हैं? किस व्यक्ति को कैसे अपने फेवर में लाया जा सकता है या अपने प्रस्ताव को मनवाया जा सकता है? कहां आपको बोलना चाहिए और कहां चुप रहना चाहिए? अपने अच्छे बौद्धिक स्तर से आप अपने लिए अच्छे-बुरे का निर्णय ले सकते हैं। नेगेटिव लोगों से दूरी बना सकते हैं और अनावश्यक कामों और व्यवधानों से बच सकते हैं। जाहिर है, ये सारे गुण आगे बढ़ाने और सफलता पाने में मदद करेंगे।

एस क्यू यानी स्पिरिचुअल कोशेंट : आध्यात्मिक शक्ति की मदद से आप अपनी क्षमताओं को सर्वोच्च स्तर पर ले जा सकते हैं। इसकी मदद से आप मन को शांत रख सकते हैं। साथ ही मस्तिष्क को ऊर्जावान और सकारात्मक रूप से सक्रिय भी रख सकते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि इस विशेषता की वजह से आप सबके प्रिय बनेंगे और प्रगतिपथ पर अग्रसर रहेंगे।

तीनों का है गहरा संबंध : यहां जिक्र किए गए तीनों गुणों के बारे में यह समझना जरूरी है कि ई क्यू और आई क्यू का परस्पर गहरा संबंध है। आपका कमजोर इमोशनल कोशेंट आपके इंटेलिजेंस कोशेंट का लेवल कम कर सकता है। इसी प्रकार कमजोर इंटेलिजेंट कोशेंट, आपके इमोशनल कोशेंट का लेवल कमजोर कर सकता है। इन दोनों को संतुलित रखने और इनका स्तर ऊंचा रखने में आपकी मदद करता है एस क्यू। आध्यात्मिक गतिविधियों का अभ्यास और इसका सहारा आपको मूल्य आधारित, ईमानदार, सात्विक, निष्ठावान और सच्चा जीवन जीने की प्रेरणा देता है। जाहिर है, इससे आपके मन को शांति-सुकून तो मिलता ही है, सामाजिक और व्यापारिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ती है। *

एडवाइस
दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

बोर्ड एग्जाम के नाम से ही कुछ छात्रों के मन में तनाव होने लगता है। इस डर से वे अच्छी तैयारी भी नहीं कर पाते हैं। इससे बचने के लिए क्या करें, छात्रों के लिए यूजफुल सजेशंस।

बिना डरे करें एग्जाम की तैयारी

फरवरी से सीबीएसई सहित कई अन्य बोर्डों की परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। बोर्ड परीक्षा के नाम से ही किशोर छात्रों में तनाव पैदा होना नई बात नहीं है। घबराहट और बेचैनी से रात की नींद और दिन का चैन गायब हो जाता है। इस मनोदशा के लिए एग्जाम फीवर और एग्जामिनोफोविया जैसे शब्द प्रचलन में हैं। जबकि चिकित्सकीय शब्दकोश में इन दोनों शब्दों का नामों निशान नहीं है। बहरहाल, परीक्षा के तनाव को नियंत्रित किया जाना जरूरी है, समय रहते इस पर काबू ना पाया गया तो कभी-कभी छात्र अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आजकल किशोरों में अवसाद की स्थिति आत्महत्या का कारण तक बनने लगी है, जोकि अत्यंत चिंताजनक बात है।

पैरेंट्स से करते रहें बातचीत: एग्जाम के तनाव से बचने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्टूडेंट्स अपने पैरेंट्स से संवाद बनाए रखें। खुलकर बात करें। अपनी रुचि-अभिरुचि से उन्हें अवगत कराएं। यहा तक कि अपने कमजोर पक्षों को भी पैरेंट से शेयर करनें में ना झिझकें। बोर्ड की परीक्षाएं डरावनी लगें, तनाव का कारण बन रही हों तो स्वयं अपने भीतर उन कारणों को खोजें, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। निश्चित रूप से इसकी मूल वजह मिल जाएगी। पैरेंट्स की बड़ी अपेक्षाएं, अपने को औरों की तुलना में कमतर आंकना, आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, मित्रों-अभिभावकों से अपनी समस्या शेयर ना करना और टीनएज मानसिकता जैसे कुछ कारण इस समस्या के लिए उत्तरदायी होते हैं। इसके लिए पैरेंट्स भी अपने बच्चों से बातचीत करके उनकी मदद कर सकते हैं।

समस्या का खोजें समाधान: जब समस्या का पता चल जाए तो समाधान खोजना मुश्किल नहीं होगा। अगर आपकी चिंता और तनाव का कारण माता-पिता की लंबी-चौड़ी उम्मीदें हैं तो उनसे बात करें। बेझिझक अपनी स्थिति से उन्हें अवगत कराएं। वे सहानुभूति के साथ आपको जरूर समझेंगे और समाधान तलाशने का रास्ता भी दिखाएंगे। बच्चों के जीवन में पैरेंट से महत्वपूर्ण भूमिका किसी और की नहीं होती है। किसी भी दशा में समस्या को अपने अंदर पालकर घुटन का कारण ना बनने दें।

तुलना करने से बचें: कभी-कभी बच्चे अपने उन क्लासमेट्स से अपनी पढ़ाई-लिखाई की तुलना करने लगते हैं, जो विद्यालय में अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं। यह तुलना ठीक नहीं है। हर बच्चे की अपनी क्षमता और लर्निंग स्टाइल होती है। इसलिए दूसरे से अपनी तुलना करके अनावश्यक तनाव को नहीं बढ़ाना चाहिए।

आत्मविश्वास बनाए रखें : किसी भी परीक्षा में अच्छे अंक लाने और परीक्षा पास कराने का सबसे सफल सूत्र है कि आत्मविश्वास बनाए रखें। पढ़ाई के समय मन को तनाव, बेचैनी और दुश्चिंता से बचाएं। एकाग्र होकर पढ़ें। फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ के साथ हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान सब्जेंट्स भी पढ़ते रहें, उन्हें इग्नोर ना करें। अच्छा स्कोर लाने में सभी सब्जेक्ट्स के नंबर्स जुड़ते हैं।

इनका भी रखें ध्यान: एग्जाम के डर से हमेशा पढ़ते रहना अच्छी बात नहीं है। परीक्षा की तैयारी के दिनों में भी पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है। तली-भुनी चीजों और फास्ट फूड से परहेज रखें, इससे आलस महसूस होती है। एक बार में ज्यादा ना खाएं, इससे भी नींद और आलस्य बढ़ता है। लेकिन भूखे रहकर भी ना पढ़ते रहें। थोड़ा-थोड़ा तीन-चार बार में खाएं। कुछ समय खेलकूद और मनोरंजन के लिए भी निकालना अच्छा रहता है। जब पढ़ाई से थकान आ जाए तो कुछ देर घूम-टहल लें। यहां बताई गई बातों के अलावा परीक्षा के परिणाम के बारे में अभी से सोचना शुरू ना कर दें। इससे अनावश्यक तनाव होगा। फिलहाल केवल तैयारी पर ही फोकस करें। *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

नेम प्लेट

सोमदत्त जी ने अपने दोनों बेटों में अपनी संपत्ति का बंटवारा बराबर-बराबर कर दिया था। दोनों बेटे और बहुएं बहुत खुश थे।

एक दिन सोमदत्त जी सुबह की सैर करके घर लौटे तो बड़े हैरान रह गए। उन्होंने घर में प्रवेश करते ही बड़े बेटे से पूछा, 'अरे बड़के, तुमने घर की नेम प्लेट कब बदल दी और क्यों बदली?' 'वो क्या है बाबू जी... जब यह घर आपने हमारे नाम कर दिया है तो नेम प्लेट इन्होंने खुद के नाम की लगवा ली...।' बड़का कुछ जवाब देता उससे पहले ही बहू बोल पड़ी।

'क्या मेरी नेम प्लेट लगी रहने से तुम्हारा घर नहीं रहता यह?' सोमदत्त जी ने दुखी स्वर में पूछा। 'बाबूजी... कोई दूसरे का नाम थोड़ी लिखा है नेम प्लेट पर, है तो आपके बेटे का ही नाम...।' बहू ने पलट कर जवाब दिया। 'तो इससे पहले भी तो किसी दूसरे का नाम थोड़ी लिखा था नेम प्लेट पर...। लिखा था तो पापा के पिताजी जी का ही ना..।' सोमदत्त जी के इकलौते पोते ने तपाक से अपनी मम्मी से कहा।

यह सुन सोमदत्त जी ने पोते को सीने से लगा लिया। उनकी आंखों में आंसू आ गए। *

व्यंग्य
केदार शर्मा 'निरीह'

जमाना बहुत बदल चुका है, अब अधिकांश लड़कियां जॉब में हैं, वे अपने पति का चयन बहुत जांच-पड़ताल के बाद कर रही हैं। मिस मलिका की जैसे ही सरकारी नौकरी लगी, उन्होंने अपना पति चुनने के लिए साक्षात्कार लेना शुरू किया, साक्षात्कार में जो प्रश्न पूछे, आप जरूर जानिए।

पति चुनने के लिए एक साक्षात्कार

भारतीय संस्कृति में स्त्री के जीवन में पति का स्थान अधिक संवेदनशील और उसके भाग्य का निर्णायक माना जाता है। अगर वह जी का जंजाल मिल गया तो फिर ऊपर वाला ही मालिक है। अगर वह बेरोजगार है तो पत्नी की जिंदगी एक आफत सी हो जाती है। केवल पत्नी नौकरी में हो तो उस बेचारी की और आफत हो जाती है। पहले जॉब में दिन भर खटो, फिर घर आकर घरेलू कामों में जुटो। अगर वह नौकरी वाले से विवाह करती है तो भी दो पाटन (घर और ऑफिस) के बीच में पति-पत्नी संग बच्चे भी पिसते हैं। इसीलिए मिस मलिका की ज्यों ही सरकारी नौकरी लगी, उसने उसी समय तय कर लिया कि जब पति इतना महत्वपूर्ण जीव होता है तो वह ऐसे जीव का चयन साक्षात्कार के माध्यम से ठोक-बजाकर ही करेगी। वह दो पाटों के बीच नहीं फंसेगी। अगर वह कमाएगी तो उस पति नामक जीव को घर संभालना ही होगा। साक्षात्कार में कई बेरोजगार युवकों ने भाग लिया। यह एक तरह से स्वयंवर का ही आधुनिक वर्जन था। जिस बंदे का पति के रूप में मिस मलिका ने चयन किया, उसका साक्षात्कार इच्छुक बेरोजगारों के लिए जनहित में प्रस्तुत किया जा रहा है।

मिस मलिका : मि. चरणदास आप हाउस हसबैंड ही क्यों बनना चाहते हैं?

चरणदास : जी, पहले तो केवल हसबैंड ही बनने का सपना था, पर इस कमबख्त बेरोजगारी ने ऐसा बैंड बजाया कि शादी के बैंड के बजने की नौबत ही नहीं आ रही है। कई परीक्षाओं की तैयारी के बाद भी सफलता नहीं मिली और जब अब स्वयंवर की तर्ज पर साक्षात्कार के माध्यम से पति चुने जाने लगे हैं तो अब आशा बंधती है कि हो सकता है ईश्वर ने मुझे इस काम के लिए ही पैदा किया हो?

मिस मलिका : आपको कोई हीन भावना तो अनुभव नहीं होगी, कुछ लोग आपको 'जोरू का गुलाम' जैसे तमगों से सम्मानित भी कर सकते हैं।

चरणदास: जब मैं बेरोजगार हूं तब भी लोग निखट्टू, रोडपति, निकम्मा जैसी पदवियों से नवाजते रहते हैं। हाउस हसबैंड कोई बुरा काम नहीं है। एक तो लाइफ टाइम है, दूसरी बात कमाने का झंझट खत्म। जीने के लिए कोई न कोई काम तो करना ही था। जब महिलाएं हाउस वाइफ के साथ-साथ परंपरागत रूप से पुरुषों के माने-जाने काम भी कर रही हैं तो पुरुष हाउस हसबैंड का काम क्यों नहीं कर सकता है?

मिस मलिका : इस पद के जॉब चार्ट के मुताबिक खाना बनाने और स्पेशल डाइट के लिए तरह-तरह के व्यंजन बनाने में निपुण होना अनिवार्य है। क्या आप यह सब कर लेंगे?

चरणदास : जी, एक बार पिताजी ने डांट पिलाई थी तो नाराज होकर शहर चला गया था, जहां एक होटल के मेस में ही काम सीख-सीख कर शेफ तक का काम कर चुका हूं। ये लीजिए अनुभव प्रमाण-पत्र। (सौंपता है और मिस मलिका अवलोकन करती हैं)

मिस मलिका : फर्श पर पोंछा लगाना, जाले साफ करना, घर में पूरी तरह साफ-सफाई रखना दूसरा महत्वपूर्ण काम है। इस बारे में आपका क्या अनुभव है?

चरणदास : जी, कभी किया तो नहीं पर पोंछा लगाती हुई, सफाई करती हुई महिलाओं के काम का अवलोकन बचपन से करते आए हैं, सोचा भी न था कि उस सूक्ष्म निरीक्षण का यह अनुभव भी कभी जीवन में काम आ सकता है।

मिस मलिका : वाशिंग मशीन चलाना और कपड़ों पर प्रेस करने का काम भी आता है या नहीं?

चरणदास: जी, मैं शीघ्र ही सीख लूंगा, बस यही काम सीखने से रह गया था। यह लीजिए, भविष्य में सीख लेने का अग्रिम शपथपत्र। (सौंपता है)

मिस मलिका : यदि आपका हाउस हसबैंड के लिए चयन हो जाता है तो आापकी कोई विशेष अपेक्षा?

चरणदास : जी, यदि कोई काम गलती से गलत हो जाए तो प्यार से समझा दीजिएगा, बस।

मिस मलिका : (मुस्कराकर) अरे! इतना भी डरने की जरूरत नहीं है। वैसे डरने वाला पति ही मेरी पहली पसंद है, लेकिन याद रखना सबके सामने डर जाहिर नहीं होना चाहिए। दिखने में हसबैंड जैसे नहीं लगे तो तीन नोटिस देकर बर्खास्त करने का अधिकार भी मेरे पास सुरक्षित रहेगा। वैसे आप स्मार्ट तो लगते हैं वो बात अलग है, पर ज्यादा स्मार्ट बनने की कोशिश मत करिएगा। आखिरकार आप एक हसबैंड बनने जा रहे हैं, हसबैंड प्लस हाउस हसबैंड! *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

लोकसभा चुनावः भाजपा ने नियुक्त किए चुनाव प्रभारी, छग की लता उसेंडी ओडिशा की सहप्रभारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

■ भाजापा अध्यक्ष नड्डा ने इन नेताओं को दी बड़े राज्यों की जिम्मेदारी

भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने चुनाव प्रभारियों और सह-प्रभारियों की सूची जारी की है। नड्डा द्वारा की गईं नियुक्तियों में उत्तर प्रदेश से पार्टी के राज्यसभा सदस्य विजयपाल सिंह तोमर को ओडिशा का चुनाव प्रभारी बनाया गया है, जबकि छत्तीसगढ़ की विधायक लता उसेंडी ओडिशा में सह-प्रभारी होंगी। भाजपा ने बैजयंत जय पांडा को उत्तर प्रदेश और विनोद तावड़े को बिहार का लोकसभा चुनाव प्रभारी बनाया है।

ज्ञानवापी जब तक हिंदुओं को नहीं मिलती, नहीं खाऊंगा अन्न

■ जितेंद्रानंद सरस्वती ने खाई कसम

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर को लेकर एएसआई की रिपोर्ट आ चुकी है जिसमें दावा किया गया है कि मौजूद मस्जिद जहां बनी है, वहां पहले हिंदू मंदिर होता था। ज्ञानवापी के सर्वे के दौरान 32 ऐसे सबूत मिले हैं जिनसे इस बात की पुष्टि होती है कि मंदिर के अवशेष ज्ञानवापी परिसर में हैं। इस बीच, खबर है कि अखिल भारतीय संघ समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने ज्ञानवापी को लेकर एक कसम खाई है और खाना छोड़ दिया है।

घाटी में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, हथियारों का जखीरा जब्त

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में शनिवार को सुरक्षा बलों ने एक जाइंट ऑपरेशन चलाया और नियंत्रण रेखा पर एक क्रॉस बॉर्डर आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। इस दौरान लश्कर के 6 सहयोगियों को पकड़ा गया। इनके पास से हथियारों का जखीरा भी जब्त किया। बीएसएफ कश्मीर ने बताया कि एक खुफिया इनपुट के आधार पर यह ऑपरेशन चलाया गया।

HMS साइटिका तेल
शिव सायटिका — सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
सीला मलहम
HMS देहाकर खरीदें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE — छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाईं, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर — 36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर
Makeover — मो. 9827000035, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रोंकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर, मो. 7999450384, 7042974029

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेंट्रल एवेन्यू चौबे कॉलोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोनः 0771-4044551, समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग, नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मो. 9977247553

उपलब्ध विशेषताएं
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre, Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756, 6263818152

Appointment आवश्यकता

आवश्यकता है- ग्लोबल' इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड में तत्काल परमानेंट भर्ती लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन कार्यानुसार 7300+ 9500+ 11000+ 13500 + 15000 बाहर के लोगों को रहना+ खाना मेडिकल फ्री मार्कशीट की फोटो कॉपी+ 2 फोटो+ बायोडाटा के साथ। संपर्क करें:- भिलाई पावर हाउस, ओवर ब्रिज के पास लक्ष्मी मेडिकल के बाजू में (छ.ग.) मो.- 91097-99525. (RO-6501)

गोडाउन/कम्प्यूटर

आवश्यकता है- डाबर की एजेंसी के गोडाउन एवं कम्पुटर पर कार्य करने हेतु लड़के एवम टाटा एस चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें किसन मार्केटिंग, महेश कालोनी, श्रीनगर रोड गुढ़ियारी, रायपुर फोन 4092158.(RO-meet)

टीचर

आवश्यकता है- ठाकुर अनिरुद्ध सिंह मेमोरियल हाई स्कूल एवं सनराइज इंग्लिश स्कूल आदर्श नगर कुशालपुर रायपुर में ऑफिशियल वर्क और टीचिंग के लिए शिक्षिकाओं की संपर्क करें:- संचालक सचिव मनोज सिंह ठाकुर 9425203728.(RO-2450)

छोटा विज्ञापन

सुरक्षाऑफिसर/गार्ड

आवश्यकता है- इंडो चैन प्रा. लि. भनपुरी में सिक्योरिटी ऑफिसर / सिक्योरिटी इंस्पेक्टर की आवश्यकता है। रहने, बिजली व मोबाइल की सुविधा दी जायेगी। खाने व बाइक का इंतजाम स्वयं करना होगा। सैलरी 25000 से 35000 प्रतिमाह। भूतपूर्व सैनिकों को प्राथमिकता। जो वर्तमान में सिक्योरिटी ऑफिसर या सिक्योरिटी इंस्पेक्टर है ये पोस्ट सिर्फ उनके लिए है सिक्योरिटी गार्ड संपर्क ना करें।न्यूनतम आयु 40 वर्ष व न्यूनतम 10 वर्ष का इसी कार्य का अनुभव अनिवार्य। संपर्क समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक 6232941921. (RO-61)

आवश्यकता है- फैक्ट्री हेतु सुरक्षागार्ड, सुपरवाईजर-10, वेतन 14-20 हजार तक गार्ड 12-18 तक (PF+ ESIC + Bonus, खाना + आवास की सुविधा) 10वीं से स्नातक तक नोट:- वेतन प्रतिमाह 7 तारीख को संपर्क- शिव सेक्युरिटी शॉप नं. 28 कमला सुपर बाजार, तेलघानी नाका, रेलवे स्टेशन, रायपुर (छ.ग.) फोन 0771-4036689, 8806770891, 7052408688 (RO-1084)

हरिभूमि क्लासीफाईड — छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

एकाउन्टेंट

आवश्यकता है- एक असिस्टेंट एकाउन्टेंट की जो कि Tally ERP एंव MS Office की जानकारी रखता हो। संपर्क करें- जैन ट्रेडर्स आकृति विहार अमलीडीह रायपुर फोन 0771-4075490, 7987927854, 7469980000 (RO-1093)

ड्रायवर

आवश्यकता है- तेलीबांधा रायपुर के पास कार चलाने हेतु अनुभवी ड्रायवर की आवश्यकता है। जिसे आटोमेटिक कार चलाना भी आता हो। संपर्क करें। 97541-60228.(RO-3205)

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। ड्राइवर का शादीशुदा होना व 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00। इंटरव्यू के लिए आते वक्त अपना आधार कार्ड, बिजली बिल, व ड्राइविंग लाइसेंस अवश्य लाये। सैलरी 18000/- प्रतिमाह। (किसी भी तरह की अन्य सुविधा जैसे रहना, खाना,पेट्रोल नहीं दिया जायेगा) पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक :- 9340730994. (RO-62)

आवश्यकता है- स्कूल बस/कार हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है, 1 पद आवेदन 07 दिवस के भीतर अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल कुरुद रोड कोहका भिलाई में जमा करें। संपर्क- 89595-93949 (आरो न.-399)

कुक

आवश्यकता है- रायपुर AIIMS के पास रेस्टोरेंट हेतु किचन - महिला कुक वेटर- महिला या पुरुष, डिलीवरी बवाय संपर्क - 9926197172, 8225048516. (RO-1044)

सेल्सगर्ल/सेल्समैन

आवश्यकता है- सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है। ओम ज्वेलर्स शॉप-64b इंदिरा मार्केट दुर्ग (आरो न.-5580)

आवश्यकता है- साड़ी दुकान हेतु साड़ी बेचने के लिए सेल्समैन- सेल्सगर्ल एवं दुकान हेतु लड़के- लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोलबाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.(RO-2452)

आवश्यकता है- अनुभवी और स्मार्ट सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है संपर्क करें:- KOOL BEB'S अग्रसेन चौक नेहरूनगर भिलाई। सिंधु भवन के सामने स्टेशन रोड दुर्ग। मो.- 9827490990, 07884010051. (आरो न.-400)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित वर्कशॉप में कार्य हेतु वेल्डर और हेल्पर की आवश्यकता है संपर्क पता- चौधरी इंडस्ट्रीज सिलतरा, रायपुर वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 8821004002. (RO-2448)

घरेलू कार्य

आवश्यकता है- सिविल लाइंस, रायपुर में घरेलू कार्य जैसे कपड़े आयरन,कपड़े धोना, कमरों की साफ सफाई आदि हेतु 35 वर्ष से अधिक उम्र के महिला की आवश्यकता है। कार्य करने का समय सुबह 9 से रात 11 बजे तक। रहने हेतु रूम(रूम केवल कर्मचारी हेतु रहेगा परिवार के रहने की व्यवस्था नहीं दी जाएगी) बिजली व तीन टाइम का खाना दिया जाएगा सैलरी 12000-15000 प्रतिमाह। मिलने आते वक्त अपना आधार कार्ड, बिजली बिल, व दोनो डोज वैक्सीन सर्टिफिकेट अवश्य लाये। संपर्क समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक 9340730994. (RO-62)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है वेतन 8000/- महिना कार्य का समय सुबह 10.45 से शाम 6.30 बजे तक संपर्क करें वायर हाऊस जवाहर नगर एम.जी.रोड रायपुर (RO-1204)

आवश्यकता है- मार्बल दुकान में काम करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। क्वालिटी मार्बल एंड ग्रेनाइट पुलिस थाना रोड चंद्र नगर सुपेला भिलाई। 78281-04888.(आरो न.-6315)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु उम्मीदवार की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपने समस्त बायोडाटा सहित संपर्क करें- डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर (RO-428)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- कटनी में रहकर ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के 10वीं, 12वीं पास अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र सम्पर्क करें- 6264375417, 8965876358. (RO-52658)

छोटा विज्ञापन

अकाउंटेंट/मैनेजर

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित ज्वेलरी फर्म के लिए अकाउंटेंट, सोशल मीडिया मैनेजर, कंप्यूटर ऑपरेटर, इलेक्ट्रीशियन, ऑफिस बॉय, ऑफिसगर्ल, मिलने का समय 11 से 1 बजे संपर्क करें 07714031884. (RO-63)

सेल्समैन/मैनेजर

आवश्यकता है- होलसेल कपड़ा व्यवसाय के मार्केटिंग कार्य हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता। कार्य क्षेत्र- भिलाई-दुर्ग-रायपुर संपर्क- 89595-44444. (आरो न.-398)

आवश्यकता है- पंडरी स्थित मेंस वेयर शोरूम के लिए एक स्टोर मैनेजर, एथेनिक (कस्टमाइजेशन) के लिए सेल्समैन और हेल्पर की। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।- 9827113615.(RO-3902)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- एक्सपर्ट कंप्यूटर ऑपरेटर, जेम ऑनलाइन, हिंदी, इंग्लिश टाइपिंग पी एफ ई एस आई, जी एस टी वर्क करने हेतु कर्मचारी चाहिए सैलरी कार्य वेतन 10000/- सुरक्षा गार्ड चाहिए 10 वेतन 10000/-तुरंत संपर्क करें 78692-84963, 93292-80863. (आरो न.-395)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- कोड़िया स्थित राईस मिल में सुपरवाइजर हेतु 3 लड़कों की आवश्यकता है। उम्र 22 से 30 वर्ष(रहने की सुविधा चांवल सिलेंडर चूल्हा सहित) और तीन टन का बॉयलर पैनल मोटर चिमनी के साथ बेचना है। संपर्क मो. 93033-09932,79870-85401 (आरो न.-401)

अन्य

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लड़किया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घरबैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL / SMS / WHATSAPP करें :- 8340144798. (RO - 1306)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 4G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम(SMS जॉब)करके लड़के लड़कियां गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9199166461.(RO-6803)

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD OFFICE) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) तुरंत ट्रेनिंग शुरू अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) सैलरी (32900- 81770) सुपरवाइजर, ग्राउंड स्टाफ, चेकर, कंप्यूटर ऑपरेटर, हेल्पर, गार्ड, ड्राइवर (सभी फ्री सुविधाएं) रायपुर 08929328091. (RO-2441)

आवश्यकता है- फ्रॉड कॉल से सावधान Reliance Jio 5G कंपनी में घर बैठे Sms Job करके लड़के/ लड़कियां,गृहणियां,स्टूडेंट, कमाए (21,500-67,500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नाम पता Whatsapp करें- 9241650814. (RO-6776)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर 9993444253, 8359913999, रायगढ़- 7869755871.(RO-2447)

Property प्रापर्टी

मकान बेचना है- भाठागांव अंतर राज्य बस स्टैंड के पास रावतपुरा कॉलोनी फेस -1, स्ट्रीट नंबर 5, मोहन भवन प्लॉट एरिया 15x60 टोटल 900sqf में निर्मित डबल मंजिला मकान बेचना है प्रथम तल में दो बेडरूम हाल किचन दो लेटबाथ द्वितीय तल भी एक सामान है संपर्क:- 7000439483. (RO-1086)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- भिलाई-दुर्ग के प्राइम लोकेशन में प्लॉट्स,"पक्की सड़क, नाली, बिजली, गार्डन, ओपनजिम, स्विमिंगपूल" सुविधा के साथ, आवासीय डायवर्टेड प्लॉट्स उपलब्ध। संपर्क कॉल या व्हाट्सएप करे 88210-18666.(आरो न.-396)

For Rent किराया

किराये से उपलब्ध है- 1. आर के मॉल के सामने मोवा बाजार में 4000 वर्गफीट निर्मित + 2000 वर्गफीट शेड तथा 2.6600 + में निर्मित ऑफिस/ शोरूम दोनों ऑटोमोबाइल व शोरूम, ऑफिस आदि के लिए उपयुक्त हैं सभी सुविधाओं व अनुकूल के साथ संपर्क - 98271-13615, 98274-72643. (RO-3901)

विज्ञापन बुकिंग टाइम — सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर...
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन एक साथ प्रकाशित किया जायेगा।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें- 7987119756, 6263818152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

एजूकेशन स्पेशल
ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट
छत्तीसगढ़ में एकमात्र केन्द्र
सेनेटरी इंस्पेक्टर — स्वच्छता निरीक्षक डिप्लोमा कोर्स
(न्यूनतम योग्यता -12वीं पास) एक वर्षीय कोर्स
हॉलिडे बैच की सुविधा उपलब्ध
रोजगार के अवसर
ऑनलाईन एवं ऑफलाईन प्रवेश की सुविधा
स्वच्छता योद्धा बने प्रवेश हेतु संपर्क करें- 7987637627, 9977337777, 0771-4915511
Website: www.aiilsg.org

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- 43 वर्ष वर के लिए, जाति ठाकुर, वधु चाहिए जाति बंधन नहीं है रायपुर में घर एवं कृषि जमीन सम्पन्न परिवार संपर्क करे मो. 9300982497 (58)

वर चाहिए

वर चाहिए — जाति महरा उम्र 25 वर्ष बिलासपुर छ.ग. बंधवापारा शिक्षा बी. कॉम एम. कॉम कन्या हेतु वर चाहिए
छत्तीसगढ़ निवासी को प्राथमिकता
सम्पर्क करें 9179368254

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
सब कुछ है यहां — पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

Healthcare
ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद
• गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन।
• शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना।
• लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी।
• उम्र से आयी हुई सेक्स में कमी।
• आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
• चर्मरोग व बात रोग का ईलाज किया जाता है।
• निःसंतान दम्पति आज ही मिलें।
आज ही संपर्क करें — श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबूटी भण्डार, दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
9174440077, 9009330088

टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर — परखनली शिशु केन्द्र — 1994 से आपकी सेवा में
उपलब्ध सुविधाएं: आई.व्ही.एफ., इक्सी, आई.यू.आई., लेप्रोस्कोपी, हिस्ट्रोस्कोपी
संपर्क डॉ. विजया वाकोडकर
वाकोडकर नर्सिंग होम, नेहरू नगर वेस्ट भिलाई, फोन : 9329029731

सोरियासिस (Psoriasis)
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच.सी. अग्रवाल, डॉ. वी.के. अग्रवाल, निशांत अग्रवाल

दूसरे दिन फाइटर की कमाई में भारी उछाल साउथ में ऋतिक की फिल्म का बोलबाला

मुंबई। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म फाइटर रिलीज के बाद बड़े पर्दे पर धूम मचा रही है। पहले दिन अच्छी कमाई करने के बाद अब फाइटर का दूसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 24.60 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दूसरे दिन फाइटर ने बॉक्स ऑफिस 41.20 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 65.80 करोड़ रुपए हो गया है।

बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड सिंगर टेलर हुईं डीपफेक का शिकार, मचा बवाल

लॉस एंजेलिस। मशहूर पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट अब डीपफेक का शिकार हुई है, जिसके बाद बवाल मचा हुआ है। दरअसल एक्स हैंडल पर मशहूर पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट की डीपफेक फोटोज शेयर की गई। इसके बाद इस अकाउंट को सस्पेंड कर दिया गया। जैसे ही सिंगर के एआई जेनरेटेड फोटोज सामने आए तो सोशल मीडिया पर बवाल हो गया और सभी ने इसका विरोध किया। यूजर्स ने कहा कि वो एक नेक इंसान है और उनके साथ इस तरह की हरकत करना बेहद शर्मनाक है।

मुंबई पहुंचे जोनस ब्रदर्स, इंडिया में पहली बार करेंगे परफॉर्म

मुंबई। अमेरिकी पॉप रॉक बैंड जोनस ब्रदर्स शनिवार को मुंबई पहुंचे। वह एक कॉन्सर्ट के लिए इंडिया आए हैं। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे और पैपराजी के लिए पोज दिए। वीडियो में निक को बेज रंग की शर्ट और पैंट पहने देखा जा सकता है। उन्होंने वाइट स्नीकर्स, कैप और एक बैग के साथ अपने लुक को पूरा किया। केविन ने ऑलिव ग्रीन टी.शर्ट, काली पैंट और जूते पहने थे। जो ने ब्लू शर्ट और ऑरेंज टी शर्ट पहनी हुई थी।

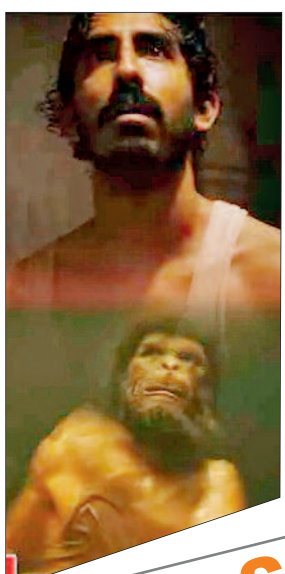

फिल्म मंकी मैन का धमाकेदार ट्रेलर जारी

मुंबई। ऑस्कर के लिए पूर्व में नॉमिनेट हो चुके स्लमडॉग मिलेनियर फेम एक्टर देव पटेल की अगली फिल्म मंकी मैन को लेकर फैंस में काफी क्रेज है। अब मचअवेटेड फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया, जो एक्शन से भरपूर है। इस फिल्म के जरिए देव डायरेक्टर के रूप में डेब्यू करने वाले हैं। साथ ही इस फिल्म से एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। शोभिता साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों में धमाल मचा चुकी हैं। ट्रेलर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

लाइफ Style

कृति

यूएई गोल्डन वीजा से सम्मानित

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कृति सेनन बॉलीवुड की मोस्ट टैलेंटेड एक्ट्रेस में से एक हैं। कृति ने अपने अब तक के करियर में कई शानदार फिल्में दी हैं और अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। पिछले साल कृति को उनकी फिल्म मिमी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

इन सबके बीच एक्ट्रेस ने अब एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। दरअसल आदिपुरुष एक्ट्रेस कृति सेनन को आइकॉनिक यूएई गोल्डन वीजा से सम्मानित किया गया है। इससे पहले शाहरुख खान, रणवीर सिंह और कई फेमस भारतीय फिल्म हस्तियों को ये सम्मान मिल चुका है। इसी के साथ कृति भी इस रैंक में शामिल हो गई हैं। कृति को ईसीएच डिजिटल सीईओ इकबाल मार्कोनी से गोल्डन वीजा मिला। अपना ग्रेटिट्यूड जाहिर करते हुए एक्टर ने कमेंट किया, यूएई गोल्डन वीज़ा प्राप्त करना सम्मान की बात है। दुबई की मेरे दिल में एक स्पेशल जगह है और मैं इसके वाइब्रेंट कल्चरल लैंडस्केप का हिस्सा बनने के लिए एक्साइटेड हूं। संयुक्त अरब अमीरात में गोल्डन वीज़ा की शुरुआत 2019 में हुई थी। गोल्डन वीज़ा सिस्टम लॉन्ग टर्म रेजिडेंस की सुविधा देती है। इस वीजा के मिलने के बाद विदेशियों को नेशनल स्पॉन्सर के बिना और उनके 100 प्रतिशत स्वामित्व के साथ यूएई में रहने, काम करने और स्टडी करने की सुविधा मिलती है। कृति सेनन से पहले शाहरुख खान एंड फैमिली, संजय दत्त, सानिया मिर्जा, बोनी कपूर और अर्जुन कपूर, जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर और अंशुला कपूर, संजय कपूर, वरुण धवन, रणवीर सिंह, कमल हासन, मोहनलाल, ममूटी सहित कई हस्तियों को ये वीजा दिया जा चुका है।

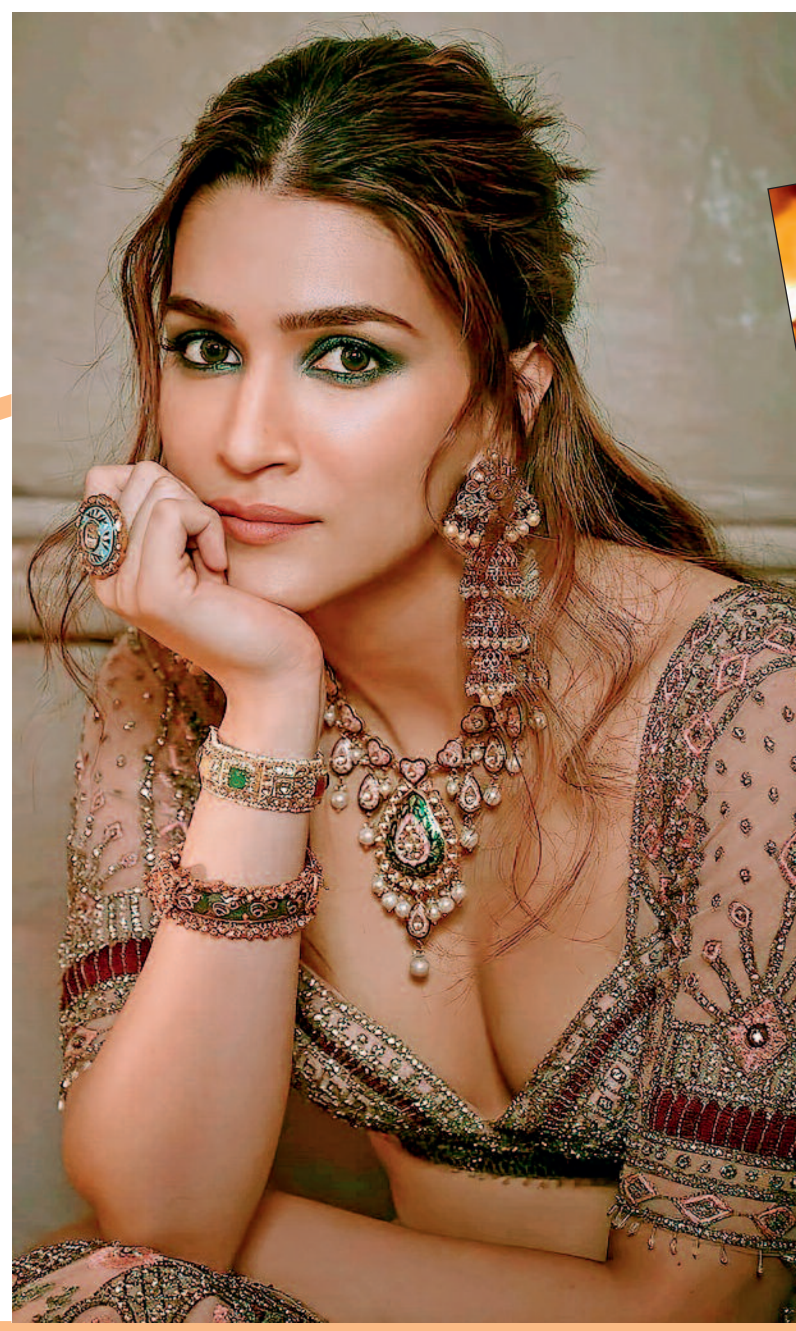

हॉलीवुड मसाला

कड़ाके की ठंड में बोल्ड अंदाज

लॉस एंजेलिस। केंडल जेनर हॉलीवुड इंडस्ट्री की बोल्ड एंड ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह अक्सर अपने लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में केंडल की कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं। केंडल स्पेन, कोलोराडो में डिनर डेट के दौरान स्पॉट हुईं। इस दौरान कड़ाके की ठंड में वह बेहद ही बोल्ड लुक कैरी किए नजर आए। स्नो फॉल के बीच केंडल जेनर का ये अंदाज देख हर कोई हैरान है। लुक की बात करें तो केंडल जेनर ग्रे कलर माइक्रो मिनी ड्रेस में नजर आईं हैं।

किम ने उठाया स्की का लुत्फ...

लॉस एंजेलिस। किम कार्दशियन अपने बिजी शेड्यूल के बीच खुद के लिए टाइम निकालना भी अच्छे से जानती हैं। वह इन दिनों एस्पेन में बटरमिल्क पहाड़ों की वादियों में खूब एंजॉय कर रही हैं, जहां से उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। फैंस भी किम की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि किम कार्दशियन एस्पेन की ठंड में पूरी तरह पैक होकर बर्फीली वादियों में स्की का आनंद ले रही हैं। इस दौरान वह ब्लैक टॉप के ऊपर लैदर जैकेट और मैचिंग पैंट के साथ स्कैटिंग शूज पहने नजर आ रही हैं। बालों पर उन्होंने ब्लैक शेड्स भी लगाए हुए है और हाथों में गल्वस पहन रखे हैं। वह जमकर बर्फीली वादियों का लुत्फ उठा रही हैं।

'कांगुवा' से जारी हुआ बॉबी का पहला लुक ...

मुंबई। फिल्म कांगुवा के निर्माताओं ने बॉबी देओल का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर कर फैंस को सरप्राइज दिया है। बॉबी का क्रूर और खतरनाक लुक दिख रहा है। कांगुवा में बॉबी एनिमल के बाद एक बार फिर विलेन के रोल में धमाका करेंगे। बॉबी शक्तिशाली उधीरन की भूमिका निभाने वाले हैं। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है, निर्दयी, ताकतवर, अविस्मरणीय। मेकर्स ने पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर

किया है। फिल्म में खलनायक बने बॉबी का पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। लॉर्ड बॉबी का ये अब तक का सबसे खूंखार रूप है, जिसे देख हर कोई डर जाएगा। पोस्टर में बॉबी भीड़ से घिरे हुए हैं। शरीर पर खून लगा हुआ है, बिखरे हुए बाल और हड्डियों का हार पहने दिख रहे हैं। फिल्म में बॉबी के अलावा सूर्या, दिशा पाटनी, जगपति बाबू, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, केएस रविकुमार भी हैं।

हिना ने शेयर की नोफिल्टर सेल्फी

मुंबई। एक्ट्रेस हिना खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नो फिल्टर सेल्फी शेयर की, जिसमें उनकी आंखों के नीचे रेड रैशेज और होठों पर छाले दिखाई दे रहे हैं। शनिवार को उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नो फ़िल्टर सेल्फी शेयर की, जिसमें उन्होंने वाइट टी शर्ट पहनी हुई है और अपने बालों को खुला रखा है। तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा नो फिल्टर सेल्फी, मेरी आंखों के नीचे रेड रैशेज, होठों पर छाले, जुकाम सब बुखार की वजह से। बता दें कि हिना ने 28 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती होने की सूचना दी थी। उन्होंने बताया था कि उन्हें तेज बुखार है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में एक चैलेंजर के रूप में देखा गया था।

चांदनी चौक की गलियों में मंगेतर संग स्पॉट हुईं सुरभि

मुंबई। एक्ट्रेस सुरभि चंदना जल्द दुल्हन बनने जा रही हैं। 13 साल की डेटिंग के बाद अब सुरभि ने कुछ दिन पहले बॉयफ्रेंड बिजनसमैन करण शर्मा संग अपनी शादी की घोषणा की थी। वहीं अब सुरभि ने पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक में मंगेतर संग खूबसूरत प्री वेडिंग फोटोशूट करवाया है। इस खूबसूरत फोटोशूट की तस्वीरें सुरभि ने इंस्टा अकाउंट पर शेयर की हैं। लुक की बात करें तो सुरभि पर्पल रेड वेलवेट प्लाजो सूट में खूबसूरत लग रही हैं। मिनिमल मेकअप, नथ, मांग टीका और चोकर नेकलेस सुरभि के लुक को चार चांद लगा रहे हैं। तस्वीरों में कपल खाऊ गली के लजीज फूड्स के मजे लेते हुए देखा जा सकता है। इसके अलावा कपल पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक की गलियों में एकदूजे की आंखों में खोए हुए दिख रहे हैं।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

क्र. 52 / विकास / 2024 रायपुर, दिनांक 24 /01 /2024

|| निविदा सूचना ||

// विश्वविद्यालय के उपयोग हेतु स्टेशनरी सामग्री क्रय हेतु निविदा //

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के उपयोग हेतु स्टेशनरी सामग्री क्रय हेतु निर्माताओं तथा उनके अधिकृत विक्रेताओं से स्पीड पोस्ट / रजिस्टर डॉक के माध्यम से सीलबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। विश्वविद्यालय के विकास विभाग में आवेदन के साथ निविदा फार्म की राशि रू. 1000.00 का भुगतान कर कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त कर सकते हैं। वेबसाइट से प्राप्त निविदा प्रपत्र रू. 1000.00 का बैंक ड्राफ्ट **Registrar, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** के नाम से संलग्न करने पर ही मान्य होगा। निविदा का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.prsu.ac.in में उपलब्ध है

1. निविदा विक्रय की अंतिम तिथि - 26/02/2024 समय अपरान्ह 05:00 बजे तक
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 27/02/2024 समय अपरान्ह 03:00 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि - 27/02/2024 समय 04:00 बजे
4. निविदा खुलने का स्थान - कुलपति सचिवालय सभागार, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

टीप :- उपरोक्त निविदा में फर्मों द्वारा जिस कार्य हेतु निविदा भरा जा रहा है उस कार्य का निविदा लिफाफे के ऊपर स्पष्ट उल्लेख करें

S- 39475/1 **कुलसचिव**

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर

"प्रपत्र - ब" प्रथम निविदा ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (निर्माण प्रकोष्ठ) Website www.cgmsc.gov.in
Main portal - http://eproc.cgstate.gov.in क्रं/ 13364 /निर्माण/2024 दिनांक 24.01.2024

स. क्र.	नि.आ. सू.क्र.	कार्य का नाम	राशि (रू. लाख)
1	9543	शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय रायपुर के 05 क्लास रूम को स्मार्ट क्लास के रूप में उपन्नयन कार्य।	24.07
		निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर दिनांक 30.01.2024 से देखी जा सकती है। उपरोक्त कार्यों की निविदा लो.नि.वि (2015) की दर से आमंत्रण की जा रही है, जिसकी अंतिम तिथि दिनांक 20.02.2024 तक है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि, निविदा प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा संबंधित सभी दस्तावेज आनलाईन स्वीकार की जावेगी।	

S-39470/2 **अधीक्षण अभियंता**

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

आम सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल दीपका क्षेत्रांतर्गत दीपका विस्तार परियोजना हेतु ग्राम मलगांव के निम्नलिखित प्रभावित भू-विस्थापित एवं उनके द्वारा नामित आश्रित उम्मीदवार को एसईसीएल मे रोजगार उपलब्ध कराने हेतु मुख्यालय बिलासपुर से स्वीकृति बाबत प्रस्ताव प्रेषित किया जाना है। प्रस्ताव मे प्रभावित खातेदार /नामित आश्रित द्वारा संलग्न भूमि एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजो मे भिन्नता पाई गयी है। विवरण निम्नानुसार है –

क्र.	भूमि दस्तावेज़ के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम						नामांतरण पंजी/ फ़ौती नामांतरण	खाता नं./ अर्जित खसरा नं.	कुल अर्जित भूमि		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम पिता का नाम एवं जन्मतिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार नामित व्यक्ति का नाम एवं पिता का नाम एवं जन्मतिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेज़ों मे खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) (आधार कार्ड के अनुसार)
	पत्रक V व VI के अनुसार	बी1 (2003-04) के अनुसार	पी - II के (2000-2001) के अनुसार	बी1 (2021-22) के अनुसार	पी - II के (2021-22) के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रशीद के अनुसार			हे. मे.	एकड़ मे			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	साखाराम पिता घासीराम, सुवन सिंह, भुवन सिंह, त्रिभुवन सिंह पिता आशाराम, घसनीन बेवा आशाराम	साखाराम पिता घासीराम, सुवन सिंह, भुवन सिंह, त्रिभुवन सिंह पिता आशाराम, घसनीन बेवा आशाराम	साखाराम पिता घासीराम, सुवन सिंह, भुवन सिंह, त्रिभुवन सिंह पिता आशाराम, घसनीन बेवा आशाराम	मनहरण सिंह पिता साखाराम, धनमत बाई बेवा साखाराम, सुवन सिंह पिता आशाराम, भुवन सिंह पिता आशाराम, त्रिभुवन सिंह आशाराम, घसनीन बाई बेवा आशाराम	मनहरण सिंह पिता साखाराम, धनमत बाई बेवा साखाराम, सुवन सिंह पिता आशाराम, भुवन सिंह पिता आशाराम, त्रिभुवन सिंह आशाराम, घसनीन बाई बेवा आशाराम	मनहरण पिता साखाराम	मनहरण सिंह पिता साखाराम, धनमत बाई बेवा साखाराम, सुवन सिंह पिता आशाराम, भुवन सिंह पिता आशाराम, त्रिभुवन सिंह आशाराम, घसनीन बाई बेवा आशाराम	खाता नं. – 190 खसरा नं. – 166/2,171,182/2,183,198/2,259/2,259/4,536/1,544/2	1.722	4.26	1. आधार कार्ड -मनीष कुमार पिता मनहरण सिंह 2. निवास प्रमाण पत्र – मनीष कुमार पिता मनहरण सिंह 3. जाति प्रमाण पत्र – मनीष कुमार पिता मनहरण सिंह 4. वंशवृक्ष मनीष कुमार पिता मनहरण सिंह 5. 8 वीं अंक सूची - मनीष कुमार पिता मनहरण सिंह	मनीष कुमार पिता मनहरण सिंह जन्मतिथि – 01/04/1997 (8 वीं अंक सूची के अनुसार)	मनीष कुमार पिता मनहरण सिंह

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम मनहरण सिंह पिता साखाराम, धनमत बाई बेवा साखाराम, सुवन सिंह पिता आशाराम, भुवन सिंह पिता आशाराम, त्रिभुवन सिंह आशाराम, घसनीन बाई बेवा आशाराम तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम **मनीष कुमार पिता मनहरण सिंह** पढ़ा एवं समझा जावे। अतः किसी भी संबन्धित व्यक्ति को उक्त व्यक्तियों के पहचान पर कोई आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम, हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजो प्रमाणो के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर प्रस्तुत करे। अन्यथा समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति अमान्य होगी।

सही/-
महाप्रबंधक,एसईसीएल दीपका क्षेत्र

लार्ज कैप पर भी कर सकते हैं फोकस, दे रहा अच्छा रिटर्न

जानकारी | बिजनेस डेस्क

नए साल के पहले महीने में शेयर बाजार में खूब उलट-फेर हो रहे हैं। बड़े-बड़े खिलाड़ी एक्शन में वापस आ गए हैं। साल भर ज्यादातर समय डगआउट में बिताने के बाद, लार्ज कैप म्यूचुअल फंड एक बार फिर से मैदान में जलवे बिखेरने लगे हैं। सिर्फ वापसी ही नहीं, शानदार प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि निफ्टी 50 ने बीते दिसंबर में जुलाई 2022 के बाद से अपना सबसे अच्छा महीना देखा। इस महीने एनएसई स्मॉल कैप इंडेक्स के 6.4 प्रतिशत की बढ़त की तुलना में लगभग 8 प्रतिशत का रिटर्न मिला। यह साफ दर्शाता है कि स्मॉल कैप के लिए हनीमून खत्म हो गया है, लेकिन कहानी कुछ और ही है। लार्ज कैप म्यूचुअल फंड के प्रति लोगों के उन्माद को बढ़ावा देने वाला फैक्ट यह है कि ये कंपनियां बीएसई 500 कंपनियों के मुनाफे में 68% और मार्केट कैप में 63% का योगदान देती हैं, जो भारत के बाजार पूंजीकरण के एक तिहाई के करीब है। इसके अलावा, इन कंपनियों ने पिछले 25 वर्षों में 14 प्रतिशत से अधिक का चक्रवृद्धि रिटर्न दिया है और इन कंपनियों के आकार को देखते हुए, वे अन्य इक्विटी एसेट क्लास की तुलना में सबसे कम अस्थिर हैं।

लार्ज कैप के पीछे ये कारक

लार्ज कैप म्यूचुअल फंडों के मजबूत रिटर्न को बड़े पैमाने पर वैश्विक फंडों से खरीदारी, अच्छे वैल्यूएशन और घरेलू राजनीतिक स्थिरता से बढ़ावा मिला है, जिसने लार्ज कैप में खरीदारी को बढ़ावा दिया है। इनके परफॉरमेंस पर नजर डालें तो निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड लगातार आगे रहा है, जिसने पिछले एक साल में 35% का शानदार रिटर्न दिया है। यह फंड पिछले 16 वर्षों से नंबर 1 स्थान पर है। बैंक ऑफ इंडिया, क्वांट, इनवेस्को और जेएम फाइनेंशियल के लार्ज कैप म्यूचुअल फंड ने भी इस दौरान अच्छा फायदा दिया है।

यह हमेशा रिटर्न देता है

म्यूचुअल फंड के शीर्ष जानकारों का तर्क है कि लार्ज कैप में निवेश लगभग हमेशा अच्छा रिटर्न देता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये कंपनियां छोटी मोटी चुनौतियों का प्रबंधन करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं और चूंकि वे वर्तमान में छोटे और मिड-कैप शेयरों की तुलना में उचित मूल्यांकन प्रदान करते हैं, इसलिए इनका रिस्क-रिवार्ड बैलेंस कहीं बेहतर है। दिलचस्प बात यह है कि विश्व स्तर पर टॉप-100 कंपनियों की सूची में केवल तीन भारत से हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज 36वें, टीसीएस 65वें और एचडीएफसी बैंक 91 वें स्थान पर है। एपल, सऊदी अरामको और माइक्रोसॉफ्ट इस लिस्ट में शीर्ष तीन में हैं। इसलिए, अधिक भारतीय लार्ज कैप के मेगा कैप बनने और विशिष्ट क्लब में प्रवेश करने की संभावना है। ये फ़ैक्टर्स वास्तव में लार्ज कैप म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए एक बेहतरीन अवसर बनाते हैं।

आखिर क्या हैं लार्जकैप फंड

लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड एक ऐसा फंड है जो अपनी संपत्ति का 80% लार्ज-कैप शेयरों में निवेश करता है, जिनकी मार्केट कैप कम से कम 20,000 करोड़ रुपये है और जो स्टॉक एक्सचेंज पर 1 से 100 तक रैंक करते हैं। लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड की विशेषताएं कम जोखिम, स्थिर रिटर्न, उच्च तरलता, पोर्टफोलियो विविधीकरण, कम एनएवी उतार-चढ़ाव आदि हैं। इंडेक्स फंड और लार्ज-कैप फंड के बीच अंतर यह है कि इंडेक्स फंड अपनी संपत्ति का 95% एक विशेष इंडेक्स में निवेश करते हैं, जबकि लार्ज-कैप फंड अपनी संपत्ति का 80% लार्ज-कैप शेयरों में निवेश करते हैं। इंडेक्स फंड निष्क्रिय रूप से प्रबंधित होते हैं, और लार्ज-कैप फंड सक्रिय रूप से प्रबंधित होते हैं। 2023 में निवेश करने के लिए सबसे अच्छे लार्ज-कैप फंड हैं केनरा रोबेको ब्लूचिप इक्विटी फंड, कोटक ब्लूचिप फंड, बड़ौदा बीएनपी पारिबा लार्ज कैप फंड, आदि।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- पोर्टफोलियो में अचानक बदलाव जोखिम बढ़ाएगा
- बाजार में गिरावट का दौरा आए तो घराएं नहीं, अलर्ट हो जाएं
- नुकसान में शेयर बेचने से बचें, लॉन्ग टर्म में मिलेगी रिकवरी और आप पा लेंगे बेहतर रिटर्न

निवेश के लिए सही रणनीति बनाकर कर सकते हैं कमाई, बाजार की लाल-हरी कैंडल देखकर विचलित न हों

संयम बरतें, बाजार के उतार-चढ़ाव में भी कमा सकते हैं बढ़िया मुनाफा

अक्सर देखने में आता है कि पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। ज्यादा बड़ा दलाव कई बार नुकसान कर जाता है।

इस समय शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में निवेश के मन में लगातार डर बना रहता है कि वे क्या करें। कैसे अपने मुनाफे को बचाएं और बाजार के उतार-चढ़ाव के दौर में निवेश की कैसी रणनीति अपनाएं कि उन्हें अच्छा मुनाफा हो सके। इस गिरावट से निवेशकों में डर का माहौल बन गया है। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में भी शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इसलए निवेशकों को चाहिए कि वे संयम बरतें और धैर्य के साथ निवेश करते जाएं। बाजार की लाल और हरी कैंडल को देखकर विचलित नहीं हों। निवेश के लिए अच्छी रणनीति बनाकर संयपूर्वक निवेश करेंगे तो बाजार के उतार-चढ़ाव वाले दौर में भी बढ़िया मुनाफा कमा लेंगे और अपनी पूंजी को भी सुरक्षित रख सकेंगे। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि इस गिरावट में सही स्ट्रैटजी आपको अच्छा पैसा कमा के दे सकती है। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप बाजार की गिरावट में पैसा कमा सकते हैं। अक्सर देखने में आता है कि पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। ज्यादा बड़ा दलाव कई बार नुकसान कर जाता है। इसलिए अनुशासन में रहना बेहद जरूरी है।

एसआईपी के जरिए करें निवेश

शेयर बाजार अपने ऊपरी स्तरों से काफी गिर गया है, लेकिन फिर भी यदि निवेशक अभी निवेश करना चाह रहे हों तो उन्हें एक मुश्त निवेश करने की बजाय किस्तों में यानी एसआईपी में करना चाहिए। इससे शेयर बाजार से संबंधित उतार चढ़ाव का जोखिम थोड़ा कम हो जाता है। आप थोड़ा संयम रखकर गिरते बाजार में भी फायदा कमा सकते हैं। इसलिए कोशिश करें कि निवेश एसआईपी में करें। इससे रिस्क कम होता है और अच्छा मुनाफा भी मिलता है।

घबराहट में निर्णय न लें

निवेक को हमेशा याद रखनी चाहिए अर्थव्यवस्था और बाजार का मिजाज चक्रीय होता है। जिस तरह तेजी का दौर आता है, वैसा ही गिरावट का दौर भी बन सकता है। जाहिर है, गिरावट वाले दौर में घबराकर बिकवाली करना अच्छी रणनीति नहीं होगी। अच्छे शेयर अक्सर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देते हैं। इसलिए जब बाजार में गिरावट का दौरा आए तो घराएं नहीं, वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है।

निवेश को ट्रैक करते रहें

जब आप कई तरह के एसेट में निवेश करते हैं, तो हो सकता है कि सभी निवेश को नियमित रूप से ट्रैक नहीं कर रहे हों। ऐसे में बाजार का रुझान बदलने पर सटीक प्रतिक्रिया देना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए यदि आप अपने निवेश को ट्रैक नहीं कर पा रहें तो एक विश्वसनीय वित्तीय सलाहकार की मदद लें। इसके बाद अपने निवेश को ट्रैक करते जाएं। नुकसान का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा।

नुकसान में न बेचें शेयर

उतार चढ़ाव शेयर बाजार का एक अभिन्न स्वभाव है। निवेशकों को शेयर बाजार में आई गिरावट से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उस समय कछुए कि भांति सिर छुपाकर बैठ जाना चाहिए। अगर आपने शेयर बाजार में पैसा लगा रखा है और इसमें आपको अभी नुकसान हुआ है तो भी आपको नुकसान में अपने शेयर बेचने से बचना चाहिए। क्योंकि लॉन्ग टर्म में मार्केट में रिकवरी की उम्मीद है। ऐसे में अगर आप अपने शेयर्स को लम्बे समय के लिए होल्ड करते हैं तो आपको नुकसान होने की उम्मीद कम हो जाएगी और आपको मुनाफा मिलेगा। जब बाजार में बढ़ोतरी हो आप शेयर बेचकर मुनाफा कमा सकते हैं।

स्टॉक बास्केट रहेगी सही

बाजार में आजकल स्टॉक बास्केट का कॉन्सेप्ट भी चल रहा है। इसके तहत आप शेयर्स का एक बास्केट बनाते हैं और अपने सभी शेयर्स में निवेश करते हैं। यानी अगर आप इस 5 शेयर्स में कुल 25 हजार निवेश करना चाहते हैं तो सभी में 5-5 हजार रुपये लगा सकते हैं। इससे जोखिम कम हो जाता है और आपको मुनाफा मिलने के चांस ज्यादा हो जाते हैं।

रिस्क क्षमता जांचें

वैसे भी बाजार में जब भी निवेश करने उतरें अपनी रिस्क क्षमता को जांच लें। जिस कंपनी में निवेश करने जा रहे हैं उसे एक बार जांच परख लें। कुछ वित्तीय सलाहकारों की भी मदद ली जा सकती है। इससे आपको निवेश में घाटा नहीं होगा। निवेश करने के लिए संयम और धैर्य रखना बेहद जरूरी है। इसके बाद मुनाफे से कोई नहीं रोक सकता।

- फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह ही सुरक्षित रहेगा पैसा
- 7.75 फीसदी तक मिल रहा इस पर सालाना ब्याज
- 6 माह से 10 साल तक का मैच्योरिटी पीरियड

रिकरिंग डिपॉजिट में छोटे निवेश से बनाएं बड़ा फंड

जानकारी | बिजनेस डेस्क

- कम इनकम वाले लोगों के लिए भी अच्छा ऑप्शन है आरडी
- आरडी में निवेशक 100 रुपये से भी शुरू किया जा सकता हैं निवेश

अगर आप हर महीने एक स्मॉल अमाउंट इन्वेस्ट कर बड़ा फंड बनाना चाहते हैं, तो रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। रिकरिंग डिपॉजिट, फिक्स डिपॉजिट की तरह ही एक सुरक्षित निवेश योजना है। रिकरिंग डिपॉजिट खाते को आप किसी भी बैंक और डाकघर में ओपन कर सकते हैं। इसमें आप 6 महीने से लेकर 10 साल तक के लिए निवेश कर सकते हैं। जिसके लिए आपको अलग-अलग अवधि के लिए अलग-अलग रेट्स पर निश्चित ब्याज मिलेगा।

हर महीने निवेश की सुविधा

कम इनकम वाले लोगों के लिए आरडी एक अच्छा निवेश ऑप्शन है, क्योंकि इसमें फिक्स्ड डिपॉडिट (एफडी) की तरह एक बार में एकमुश्त राशि निवेश नहीं करना पड़ता है। इसमें डिपॉजिट की जाने वाली राशि पहले से तय होती है। आरडी में निवेश की गई पूरी राशि सुरक्षित रहती है और टेन्योर की समाप्ति के बाद आखिर में ब्याज सहित वापस मिल जाती है। आरडी में पहले से ही इंटरेस्ट रेट तय होता है, इसलिए मार्केट के उतार चढ़ाव से आपके राशि पर कोई असर नहीं पड़ता है। इसलिए आरडी निवेश का बेहतरीन विकल्प हो सकती है।

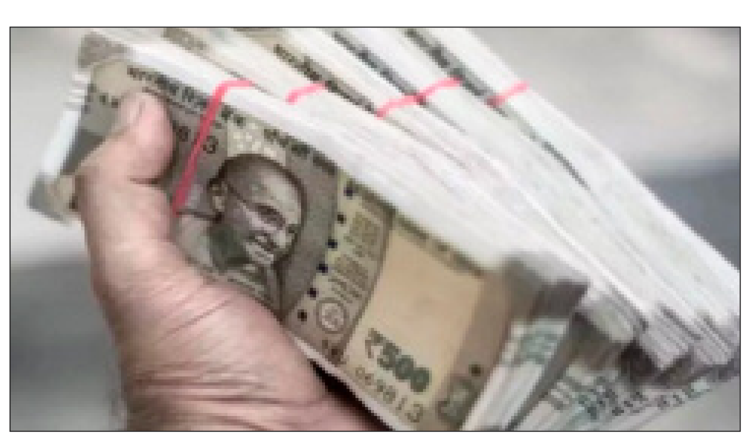

कहां ओपन कर सकते हैं आरडी अकाउंट

आरडी एक तरह की स्मॉल सेविंग्स स्कीम है। कोई भी व्यक्ति बैंक या पोस्ट ऑफिस में अपना आरडी अकाउंट ओपन कर सकता है। आप जिस बैंक में अपनी आरडी करना चाहते हैं, उसमें आपका बैंक अकाउंट होना जरूरी है। इसके लिए नए सिरे से अकाउंट ओपन करने की जरूरत नहीं होती है।

कितने रुपये से शुरू करें निवेश

आरडी स्कीम में आप 100 रुपये की कम राशि से भी निवेश शुरू कर सकते हैं। इससे ज्यादा आप 10 के मल्टिपल यानी 500, 1000, 2000, 5000 या 10,000 रुपये का कोई भी निवेश कर सकते हैं। इसमें अधिकतम अमाउंट की कोई लिमिट नहीं हैं। इससमें आपको अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

कितने साल तक करना होगा निवेश

आरडी में आमतौर पर 6 महीने से लेकर 10 साल तक का मैच्योरिटी पीरियड होता है। हालांकि, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में आपको कम से कम 1 साल के लिए निवेश करना होगा। कोई भी व्यक्ति आरडी अकाउंट खोल सकता है। इसमें आप एक या एक से ज्यादा अकाउंट भी खोल सकते है। छोटे बच्चों के नाम पर भी यह अकाउंट खोला जा सकता है। 10 साल या उससे अधिक उम्र होने पर आप इसे खुद ऑपरेट कर सकते हैं। 3 लोग मिलकर जॉइंट अकाउंट भी खोल सकते हैं।

आरडी पर ज्यादा ब्याज देने वाले बैंक

बैंक	1-3 वर्ष	3-5 वर्ष	5-10 वर्ष
एसबीआई	7.00%	6.50%	6.50%
यस बैंक	7.75%	7.25%	7.00%
केनरा बैंक	7.03%	6.98%	6.87%
पीएनबी	7.25%	6.50%	6.50%
एचडीएफसी	7.00%	7.00%	7.00%
आईसीआईसीआई	7.10%	7.00%	6.90%

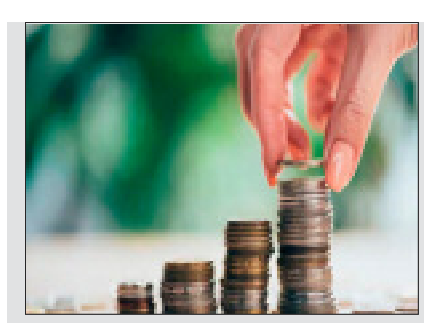

टैक्स-छूट और बेहतर रिटर्न के लिए ईएलएसएस में करें निवेश

बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2023-24 खत्म होने में महज कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में अगर आपने अभी तक टैक्स सेविंग्स प्लानिंग नहीं की है तो अभी भी इसके लिए निवेश कर सकते हैं। अगर आप टैक्स बचाने के साथ निवेश पर अच्छा रिटर्न चाहते हैं तो इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) म्यूचुअल फंड आपके लिए सही विकल्प साबित हो सकते हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार, ईएलएसएस कैटेगिरी के म्यूचुअल फंड ने बीते एक साल में 44.30% तक का रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट के जरीये जानते हैं सबसे पहले ईएलएसएस फंड के बारे में जानते हैं और उसके बाद पिछले एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले टॉप-10 ईएलएसएस म्यूचुअल फंड के बारे में।

क्या है ईएलएसएस म्यूचुअल फंड

ईएलएसएस यानी इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम ऐसे म्यूचुअल फंड होते हैं, जिनमें 3 साल के लिए इन्वेस्टर्स का पैसा ब्लॉक हो जाता है। म्यूचुअल फंड की इस कैटेगरी में आईटी एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये तक निवेश पर टैक्स छूट मिलती है। हालांकि, शेयर मार्केट लिंक्ड होने के चलते इसमें एफडी या एनएससी जैसी स्माल सेविंग्स की तुलना में इसमें ज्यादा जोखिम होता है।

कुछ म्यूचुअल फंड स्कीम ने तीन साल में तीन गुना कर दिया पैसा

सुझाव | बिजनेस डेस्क

यदि आप भी म्यूचुअल फंड इक्विटी में निवेश कर मालामाल होना चाहते है तो आपक भी थोड़ा धैर्य के साथ कुछ म्यूचुअल फंड स्कीमों में निवेश करना पड़ेगा। हासल की दिनों में देखा गया है कि कुछ म्यूचुअल फंड ने तीन साल में ही रकम को तीन गुना तक कर दिया है। निवेशकों को 215 फीसदी तक मुनाफा मिला है। म्यूचुअल फंड निवेश करने का विकल्प है। इक्विटी म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश कर आप इसमें स्टॉक मार्केट की तरह रिटर्न हासिल कर सकते हैं। हाई रिटर्न देने की हिस्ट्री देखकर ही यह निवेशकों में दिन प्रति दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इंडस्ट्री का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट दिसंबर 2023 में पहली बार 50 लाख करोड़ के पार चला गया है। अगर आप म्यूचुअल फंड में सही इक्विटी स्कीम का चुनाव करते हैं तो आप बेहतद कम समय में अपनी दौलत को कई गुना बढ़ा सकते हैं। हाल फिलहाल के रिटर्न पर नजर डालें तो कई स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने महज 3 साल में 3 गुना रिटर्न दिया है। हमने इस रिपोर्ट के जरीये ऐसी कुछ स्कीम की जानकारी दी है, जिनमें 3 साल में 176 से 215 फीसदी रिटर्न मिला है।

म्यूचुअल फंड इक्विटी में निवेश करने का सुरक्षित तरीका

क्वांट स्माल कैप
- 3 साल का सालाना रिटर्न: 46.48%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 214.60%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 3,14,293 रुपये
- फंड साइज: 13002 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.77%

एबीएसएल पीएसयू इक्विटी
- 3 साल का सालाना रिटर्न: 43.97%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 198.72%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,98,412 रुपये
- फंड साइज: 1937 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.68%

आईसीआईसीआई प्रू इंफ्रा
- 3 साल का सालाना रिटर्न: 41%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 180.85%
- 3 एसाल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,80,322 रुपये
- फंड साइज: 4148 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.30%

निप्पोन इंडिया स्मॉल कैप
- 3 साल का सालाना रिटर्न: 40.40%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 177%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,76,759 रुपये
- फंड साइज: 43816 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.67%

आईसीआईसीआई प्रू बीआरटी 22 एफओएफ
- 3 साल का सालाना रिटर्न: 40.28%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 176.30%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,76,050
- फंड साइज: 567 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.08%

एसबीआई पीएसयू
- 3 साल का सालाना रिटर्न: 40.23%
- 3 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न: 176%
- 3 साल में 1 लाख निवेश की वैल्यू: 2,75,755 रुपये
- फंड साइज: 1159 करोड़ रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 1.1%

बिजनेस साइट

श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल में हुआ सफल किडनी ट्रांसप्लांट

रायपुर। न्यू राजेन्द्र नगर स्थित श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल ने एक और नया कीर्तिमान हासिल किया है। अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग से मान्यता मिलने के बाद किडनी ट्रांसप्लांट हुआ है। 23 वर्ष तुसार दास को उसकी मां देवकी दास ने किडनी दिया। तुसार दास पिछले 1.5 साल से डायलिसिस में था बेटे के तकलीफ को देखते हुए उसके परिवार ने किडनी ट्रांसप्लांट कराने का निर्णय लिया। उसके पश्चात डॉ करण सराफ से मिलें। डॉ करण सराफ ने किडनी ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दिया। मरीज और डोनर की पूरी जांचे सही आने और अनुमति मिलने के बाद 16 जनवरी 2024 को सफल किडनी ट्रांसप्लांट हुआ और उसके पश्चात अभी मरीज एवं डोनर पूरी तरह से स्वस्थ्य है और छुट्टी भी कर दी गयी है और डॉ करण सराफ के नियमित फालोअप में रहने की सलाह दी गई है।

हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सुशील शर्मा और डॉ. राजेश जैन ने संयुक्त रूप से

जानकारी देते हुए बताया कि ये हमारे लिए गर्व का विषय है की हमारे अस्पताल में पहला किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक हुआ है हॉस्पिटल के स्टाफ ने पूरी लगन से काम करते हुए इस सर्जरी को सफल बनाया है। जिसके बाद पेशेंट व डोनर पूरी तरह स्वस्थ है अब दोनो को डिस्चार्ज कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि यह सर्जरी बहुत महंगी थी व मरीज गरीब परिवार से था तो उड़ीसा सरकार की बीजू कार्ड योजना कि मदद से इस सर्जरी को निःशुल्क किया गया। डॉ. करण सराफ (नेफ्रोलॉजीस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ) ने बताया कि किडनी फेलियर पेशेंट जब डायलिसिस पे आ जाये तब उनके लिए डायलिसिस जीने का जरिया नही होता है उन्हें हमेशा किडनी ट्रांसप्लांट का सोचना चाहिए जिसके बाद जीवन-यापन सरल हो जाता है।

डॉक्टरों की टीम

डॉ. करण सराफ, डॉ. राहुल कपूर, डॉ. अजय परासर, डॉ. प्रशांत भागवत, डॉ. सुफल कुमार, डॉ. सुप्रिती शर्मा, डॉ. असित नायक, डॉ. रवि गोयल, डॉ. सर्वजित, डॉ. रजा खान, ट्रांसप्लांट कॉर्डिनेटर तमन्ना खान एवं समस्त नर्सिंग स्टाफ।

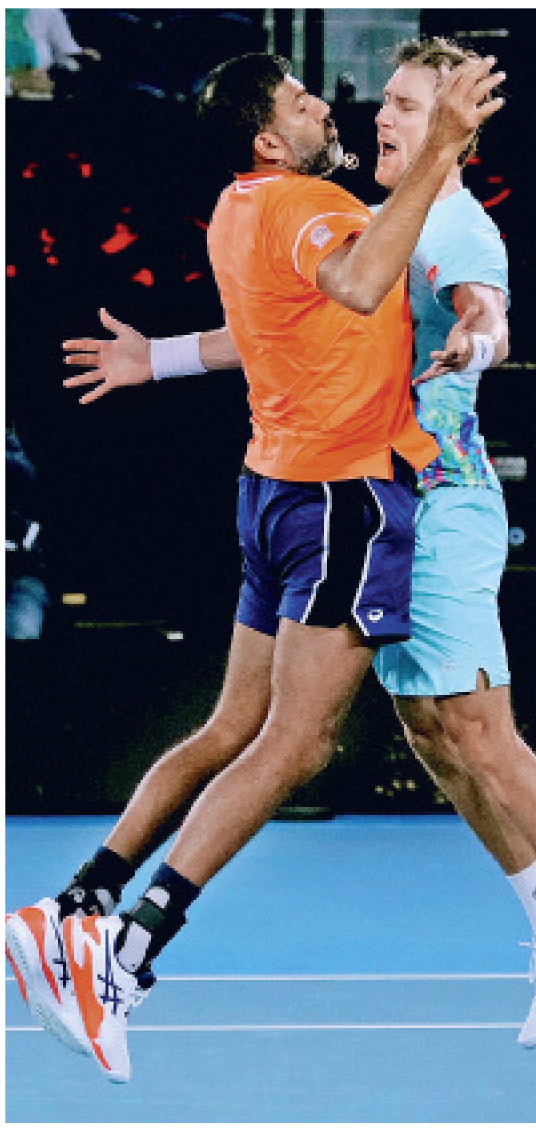

रोहन बोपन्ना ने जीता दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब, एबडेन के साथ बने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन, सबालेंका को एकल ट्रॉफी

एजेंसी ▸▸ मेलबर्न

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने 43 साल की उम्र में दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल में बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने शनिवार को फाइनल में इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावसोरी की जोड़ी को सीधे सेटों में हराया। भारत के बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के एब्डेन की जोड़ी ने पहली बार इस खिताब को जीता है। बोपन्ना और एब्डेन ने 7-6 (7-0), 7-5 से मैच को अपने नाम किया। दोनों ने टाइब्रेकर तक चले पहले सेट को 7-6 (7-0) से जीता था। इसके बाद दूसरा सेट 7-5 के अंतर से जीत लिया। 43 साल के बोपन्ना हाल ही में पुरुष युगल की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचे हैं। उन्हें प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार के लिए भी चुना गया। बोपन्ना ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। वह 43 साल और 329 दिन की आयु में चैंपियन बने हैं।

बोपन्ना और एबडेन का सफर

राउंड	जोड़ी को हराया	जीत का अंतर
पहला	जेम्स डकवर्थ-मार्क पोल्मैन्स	7-6(5), 4-6, 7-6(2)
दूसरा	जॉन मिलमैन-एडवर्ड विंटर	6-2, 6-4
तीसरा	वेस्ली कोहलॉफ-निकोला मेक्टिक	7-6(8), 7-6(4)
क्वार्टर फाइनल	मैक्सिमो गोंजालेज-आंद्रेस मोलटेनी	6-4, 7-6(5)
सेमी फाइनल	तोमास माचाक- झिझेन झांग	6-3, 3-6, 7-6(7)
फाइनल	सिमोन बोलेली- एंड्रिया वावसोरी	7-6 (7), 7-5

राजीव राम के रिकॉर्ड को तोड़ा

रोहन बोपन्ना का ग्रैंड स्लैम के पुरुष युगल स्पर्धा में यह 61वां मैच था। वह 19 अलग-अलग साथियों के साथ मैच खेल चुके हैं। बोपन्ना ने अमेरिका के राजीव राम के एक अनोखे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बोपन्ना पहला पुरुष युगल खिताब जीतने से पहले इस स्पर्धा में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। राजीव राम को पहला पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम जीतने में 58 मैच लग गए थे। बोपन्ना 61वें मैच में यह खिताब अपने नाम कर लिया।

बोपन्ना का तीसरा फाइनल मुकाबला

देखा जाए तो रोहन बोपन्ना का ये पहला ग्रैंड स्लैम मेंस डबल्स खिताब है। इससे पहले मेन्स डबल्स में बोपन्ना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साल 2010 और 2023 में रहा था, तब उन्होंने यूएस ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी। इसके अलावा बोपन्ना फ्रेंच ओपन (2022) और विंबलडन (2013, 2015, 2023) में सेमीफाइनल तक का सफर तय कर चुके हैं।

फ्रेंच ओपन जीत चुके रोहन

रोहन बोपन्ना मिक्स्ड डबल्स के तहत 2017 में फ्रेंच ओपन का खतिाब जीत चुके हैं। तब बोपन्ना ने गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ मिलकर अन्ना-लेना ग्रोनफेल्ड और रॉबर्ट फराह को 2-6, 6-2, (12-10) से हराया था।

बोपन्ना वर्ल्ड नंबर-1

बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के अंत तक नंबर 1 स्थान पक्का कर लिया है। वहीं, बोपन्ना के सबसे सफल पार्टनर्स में से एक मैथ्यू एब्डेन का मेन्स डब्ल्स रैंकिंग में नंबर 2 स्थान पर पहुंचना तय हो गया है। मैथ्यू एब्डेन ऑस्ट्रेलियाई खलिाड़ी हैं।

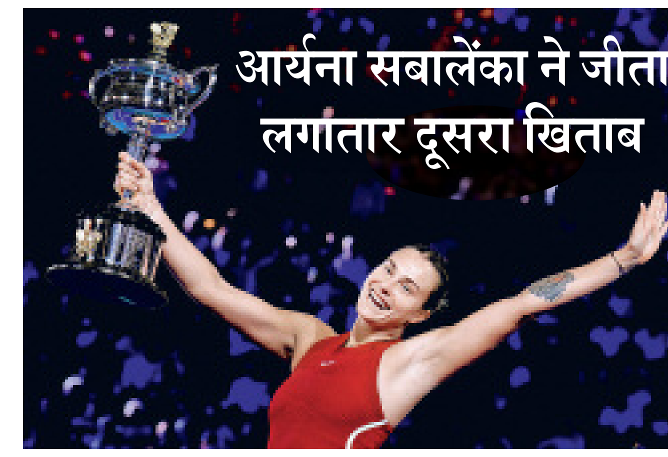

आर्यना सबालेंका ने महिलाओं के एकतरफा फाइनल में झेंग क्विनवेन पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब का बचाव किया। पिछले 13 महीने में 25 साल की यह खिलाड़ी अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल रही थी। इसमें से वह दो में जीत दर्ज करने में सफल रही। उन्होंने पिछले साल इस टूर्नामेंट के फाइनल में एलिना रायबकिना को हराया था। सबालेंका 2012 और 2013 में विक्टोरिया अजारेंका के बाद लगातार ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला हैं। वह 2000 के बाद बिना कोई सेट गंवाए यहां चैंपियनशिप जीतने वाली पांचवीं महिला हैं।

सबसे बड़ा उलटफेर, वर्ल्ड नंबर-1 नोवाक जोकोविच हारकर बाहर

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के सेमीफाइनल मुकाबले में हार गए हैं। वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच को सेमीफाइनल में चौथी सीड इटली के यानिक सिनर के हाथों 1-6, 2-6, 7-6 (8-6), 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों के बीच शुक्रवार को मेलबर्न पार्क में खेला गया यह सेमीफाइनल मुकाबला 3 घंटा और 23 मिनट तक चला। पहली बार नोवाक जोकोविच को ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में हार मिली है।

टेस्ट : ओली 148 पर नाबाद, इंग्लैंड ने 6 विकेट पर बनाए 316 रन

पोप के शतक से संभला इंग्लैंड भारत पर बनाई 126 की बढ़त

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

इग्लैंड ने ओली पोप (नाबाद 148 रन) के संयम से खेले गए शतक से शनिवार को यहां पहले टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में छह विकेट पर 316 रन बनाकर भारत की उन्हें जल्दी समेटने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इंग्लैंड ने इस तरह भारत पर 126 रन की बढ़त हासिल कर मैच को रोमांचक स्थिति में पहुंचाने की ओर कदम बढ़ाए। हालांकि उसके पास चार विकेट बचे हैं। पोप के साथ रेहान अहमद 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

भारत ने इग्लैंड के पहली पारी के 246 रन के जवाब में 436 रन बनाकर 190 रन की बढ़त हासिल की थी। पोप ने यहां 'आरजीआई स्टेडियम' में गजब का संयम दिखाया और तकनीकी निपुर्णता से बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों की सारी कोशिश नाकाम कर दीं जिन्हें उम्मीद थी कि वे तीसरे दिन ही इंग्लैंड की पारी खत्म कर देंगे जबकि इंग्लैंड ने 163 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। लेकिन पोप और बेन फोक्स (34 रन) ने छठे विकेट के लिए 104 रन की भागीदारी निभाकर भारतीय गेंदबाजों को निराश किया। इससे मैच चौथे दिन तक खिंच गया। पोप ने स्वीप और रिवर्स स्वीप से काफी रन जुटाए। उन्होंने इंग्लैंड की पारी संभालते हुए 156 गेंद में भारत के खिलाफ अपना पहला और कॅरियर का पांचवां टेस्ट शतक पूरा किया।

पंड्या ने दमखम से शुरू किया गेंदबाजी अभ्यास

वडोदरा। भारत के अनुभवी हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने अपने टखने की चोट से उबरने के बाद पूरी लय में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र के लिए तैयार हैं जहां वह मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे। पिछले साल टखने की चोट के कारण विश्व कप से बाहर होने वाले पंड्या को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो फुटेज में गेंदबाजी करते देखा गया। हार्दिक ने कहा, 'खेल में वापसी करके मुझे अच्छा लग रहा है। मेरी यात्रा 17 साल पहले इसी मैदान पर शुरू हुई थी।'

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
क्राउले का शर्मा बो अश्विन	31	33	4	1
बेन डकेट बो बुमराह	47	52	7	0
ओली पोप खेल रहे हैं	148	208	17	0
जो रूट पगबाधा बो बुमराह	02	06	0	0
जॉनी बेयरस्टो बो जडेजा	10	24	1	0
बेन स्टोक्स बो अश्विन	06	33	0	0
बेन फोक्स बो पटेल	34	81	2	0
रेहान अहमद खेल रहे हैं	16	31	2	0

अतिरिक्त : 22 कुल : 77 ओवर में 316/6
गेंदबाजी : बुमराह 12-3-29-2, अश्विन 21-3-93-2, अक्षर 15-2-69-1, जडेजा 26-1-101-1, सिराज 3-0-8-0.

अंडर-19 विश्व कप

भारत अंतिम ग्रुप मैच में आज अमेरिका से भिड़ेगा

ब्लोमफोंटेन। पहले ही 'सुपर सिक्स' में जगह पक्की करने वाली रिकॉर्ड पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम के रविवार को यहां अंडर-19 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप मैच में अमेरिका पर आराम से जीत दर्ज करने की उम्मीद है। भारत ने अपने पहले दो मैच में बांग्लादेश और आयरलैंड को हराया है। भारतीय मूल के खिलाड़ियों से भरी अमेरिका टीम के खिलाफ जीत हासिल करते ही भारत ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच जाएगा। अमेरिकी को अपने शुरुआती मैच में आयरलैंड और बांग्लादेश से हार झेलनी पड़ी है। बांग्लादेश ने जहां भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ा दबाव में रखा, वहीं उदय सहारन की अगुवाई वाली टीम ने आयरलैंड के खिलाड़ियों के खिलाफ जरा भी गलती नहीं की।

रिदम-उज्जवल ने वर्ल्ड कप में जीता स्वर्ण

एजेंसी ▸▸ काहिरा

रिदम सांगवान और उज्जवल की जोड़ी ने शनिवार को यहां 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में एलमिरा कारापेयन और बेनिक खलघाटयान की अर्मेनियाई जोड़ी को 17-7 से हराकर भारत को आईएसएसएफ विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इससे पहले अर्जुन बबुता और सोनम उत्तम मस्कर की जोड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया।

भारतीय निशानेबाजों ने अभी तक एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीत लिए हैं। पदार्पण कर रही निशानेबाज अनुराधा देवी ने रियो ओलंपिक चैंपियन अन्ना कोराकाक्की को पछाड़ते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला। रिदम का यह लगातार दूसरा विश्व कप मिश्रित टीम स्वर्ण पदक है। अनुराधा की इस उपलब्धि ने भारत को ओलंपिक वर्ष के पहले आईएसएसएफ विश्व

कप चरण में पहला पदक दिलाया। फाइनल में उन्होंने कजाखस्तान की इरिना युनुस्मेतोवा को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। अनुराधा 239.9 के स्कोर से कोराकाक्की से 1.2 अंक पीछे रहीं।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से दी शिकस्त

एजेंसी ▸▸ केपटाउन

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अजेय सिलसिला जारी रखते हुए मेजबान पर 3-0 से आसान जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार रात हुए मुकाबले में दूसरे मिनट में, अभिषेक ने 13वें मिनट में और सुमित ने 30वें मिनट में गोल दागे।

भारत ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया जिसे हरमनप्रीत ने ताकतवर ड्रैगफ्लिक से गोल में बदलकर बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर में दो ही मिनट बचे थे कि अभिषेक ने

फुर्तीला शॉट लगाकर दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर को पछाड़ दिया और भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। हाफ टाइम से तुरंत पहले सुमित मैदानी गोल करने में सफल रहे और भारत 3-0 से आगे हो गया। चौथे क्वार्टर में दोनों टीम के खिलाड़ियों ने काफी प्रयास किए लेकिन कोई गोल नहीं हो सका।

तन्मय ने ठोका 147 गेंद में सबसे तेज तिहरा शतक

तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड ब्रेक

- 147 गेंद में तिहरा शतक
- 300 रन एक दिन में बनाए
- 26 छक्के से रनों का अंबार

रणजी ट्रॉफी : प्लेयर ऑफ द मैच तन्मय ने बनाए 366 रन

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

हैदराबाद के तन्मय अग्रवाल प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। तन्मय ने अपनी पारी में रिकार्ड 26 छक्के जड़े। प्रथम श्रेणी मैच की एक पारी में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक छक्के लगाने के कॉलिन मुनरो के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर मुनरो ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ ऑकलैंड के लिए खेलते हुए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 23 छक्के जड़े थे। हैदराबाद ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप मैच के पहले दिन प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज (147 गेंद) तिहरा शतक लगाने वाले तन्मय अग्रवाल शनिवार को 366 रन बनाकर आउट हो गए। रणजी ट्रॉफी में 26 जनवरी 2024 खेला गया अरुणाचल प्रदेश और हैदराबाद के बीच का मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। एक दिन के खेल में ही तन्मय अग्रवाल ने धुंआधार अंदाज में गेंदबाजों की पिटाई करते हुए ट्रिपल सेंचुरी जमा दी। इस धमाकेदार तिहरा शतक को जमाते हुए तन्मय ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। महज 160 गेंद पर 21 छक्के और 33 चौके की मदद से इस बैटर ने 323 रन ठोक डाले। तन्मय ने 181 गेंद पर 34 चौके और 26 छक्के ठोके।

रिचर्ड्स, सहवाग का रिकॉर्ड ध्वस्त

तन्मय ने अब दक्षिण अफ्रीका के मार्को माराइस 191 गेंद पर बनाए तिहरे शतक के रिकॉर्ड को 147 गेंद पर बनाकर तोड़ डाला। इस कारनामे को वेस्टइंडीज के महान बैटर विव रिचर्ड्स ने 244 गेंद पर अंजाम दिया था। एक दिन में 300 रन बनाकर तन्मय ने भारतीय दिग्गज वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया। 2009 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ ब्रेबॉर्न टेस्ट में एक दिन में 284 रन बनाए गए थे।

पारी और 187 रन से जीता हैदराबाद

रणजी ट्रॉफी का यह मैच दो दिन में ही समाप्त हो गया। अरुणाचल प्रदेश ने पहली पारी में 172 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने चार विकेट के नुकसान पर 615 रन बनाकर पारी घोषित कर दिया। दूसरी पारी में अरुणाचल प्रदेश सिर्फ 256 रन ही बना सका। इस तरह से हैदराबाद ने मैच पारी और 187 रन से जीत लिया।

उत्साह के साथ हुआ चैंबर का वार्षिक सम्मेलन, पूरे प्रदेश के व्यापारी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के 64वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे प्रदेश के कोने-कोने से आए व्यापारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर चैंबर संरक्षक एवं सलाहकारों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर चैंबर महामंत्री अजय भसीन ने महामंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं चैंबर कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा द्वारा आय-व्यय का लेखा दिया गया, जिसे उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। इसी दौरान चैंबर सलाहकार एवं संविधान समिति सदस्य संजय रावत ने मंच से प्रस्तावित संविधान संशोधन का पठन किया, जिसे आमसभा में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से करतल ध्वनि के साथ पारित किया। श्री भसीन ने आगे कहा कि जब सदस्यता बढ़ाने की बात आई तो 24 सितंबर का दिन सदस्यता दिवस के रूप में चुना गया और हमने 25000 से अधिक की सदस्य संख्या पार कर चुके हैं, जो हमारे लिए गौरव की बात है। आज छत्तीसगढ़ में जितने जिले हैं, उन सभी में 42 इकाईयां संचालित हैं। हम केवल इकाईयां नहीं बना रहे, बल्कि उनका सकुशल तरीके से संचालन भी कर रहे हैं। श्री भसीन ने यह भी जानकारी दी कि जिस जिले में 1000 से अधिक सदस्य होंगे, वहां उपाध्यक्ष एवं मंत्री की संख्या उसी अनुपात में बढ़ाई जाएगी।

सीएम ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, केबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, दयालदास बघेल, विधायक पुरंदर मिश्रा के आगमन के बाद अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर अभिनंदन समारोह का विधिवत शुभारंभ किया गया।

साइबेरिया में पिघल रहा बर्फ से भरा सबसे बड़ा गड्ढा

मॉस्को। रूस के साइबेरिया स्थित दुनिया का सबसे बड़ा पर्माफ्रॉस्ट क्रेटर, बटागाइका पिघल रहा है। बटागाइका क्रेटर के पिघलने की घटनी ने वैज्ञानिकों ने चिंता बढ़ा दी है क्योंकि यह रूस के उत्तरी और उत्तरपूर्वी शहरों और कस्बों को खतरे में डाल रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे ना केवल रूसी कस्बों और शहरों को बल्कि पूरे प्लेनेट को भी खतरा है क्योंकि इसके पिघलने के कारण वायुमंडल में आ रही ऑर्गेनिक कार्बन की भारी मात्रा ग्लोबल वार्मिंग को और ज्यादा बढ़ा सकती है। अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार पर्माफ्रॉस्ट से मतलब उस जमीन या जगह से है जो लगातार कम से कम दो साल तक शून्य डिग्री सेल्सियस पर पूरी तरह से जमी रहती है।

हिमालय की बढ़ रही ऊंचाई, वैज्ञानिकों ने बताया दुनिया के लिए खतरा

नई दिल्ली। हिमालय पर्वत की ऊंचाई धीरे धीरे बढ़ रही है। सुनकर उन्हें कोई हैरानी नहीं हुई लेकिन ये खुशी की बात नहीं बल्कि चिंता की बात है। हिमालय क्षेत्र में भूकंप की गतिविधियां बढ़ने से जमीन में दरारें पड़ने लगी हैं, हिमालय की ऊंचाई एक तरफ कम हो गई है तो दूसरी तरफ बढ़ने लगी है।

इसका कारण यह है कि भारतीय टेक्टोनिक प्लेट पृथ्वी की सतह पर टूट रही है। टेक्टोनिक प्लेटों के टूटने से हिमालय क्षेत्र में लगातार बढ़ती दरारें भौगोलिक परिस्थितियों में भी काफी बदलाव लाएंगी। अगर ऐसा हुआ तो तिब्बत भी दो हिस्सों में बंट जाएगा, इसे लेकर तिब्बती सरकार भी चिंतित है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों के नीचे का हिस्सा 200 किमी और कुछ जगहों पर 100 किमी गहरा है। अतः स्पष्ट है कि हिमालय के संपूर्ण भाग की गहराई में अंतर है। इससे पता चलता है कि हिमालय क्षेत्र में भूकंप के शुरुआती प्रभाव के कारण दरारें बढ़ रही हैं। ये दरारें ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रभाव के कारण भी हो सकती हैं।

समुद्र की गहराई में छिपीं मिलीं ऑक्टोपस की नई प्रजातिं

नई दिल्ली। कोस्टारिका के वैज्ञानिकों ने समुद्र की तलहटी में एक बेहद अहम खोज की है। यहां समुद्र की गहराई में रेत छानते समय वैज्ञानिकों ने एक अर्ध पारदर्शी अंडे से एक बच्चे ऑक्टोपस को निकलते देखा। जब इन पर शोध किया गया तो वैज्ञानिकों ने पाया कि यह बिल्कुल नई प्रजाति है, जिसे पहले कभी नहीं देखा गया था। वर्तमान में इन्हें डोरैडो ऑक्टोपस कहा जाता था।

मामला सुनहरे ऑक्टोपस तक ही सीमित नहीं है। वैज्ञानिकों को यहां ऑक्टोपस की तीन और नई प्रजातियां मिली हैं। इसका मतलब है कि टीम ने कुल चार नई ऑक्टोपस प्रजातियों की खोज की। रिपोर्ट के मुताबिक, ये गहरे समुद्र में रहने वाले ऑक्टोपस हैं। रिपोर्ट के अनुसार ये ऑक्टोपस कोस्टारिका में 160 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पाए गए थे। समुद्र की गहराई में जीवन कितना है, इसका सटीक अनुमान शायद वैज्ञानिक भी नहीं लगा पाए हैं। यही कारण है कि वैज्ञानिक अन्वेषण इतना दिलचस्प हो जाता है क्योंकि कुछ भी प्रकाश में आ सकता है। दूसरी ओर नई प्रजाति मिलने से दिलचस्प समुद्री जीवों की संख्या भी बढ़ गई है। इससे पता चलता है कि समुद्री जल में अभी भी बहुत कुछ छिपा हो सकता है।

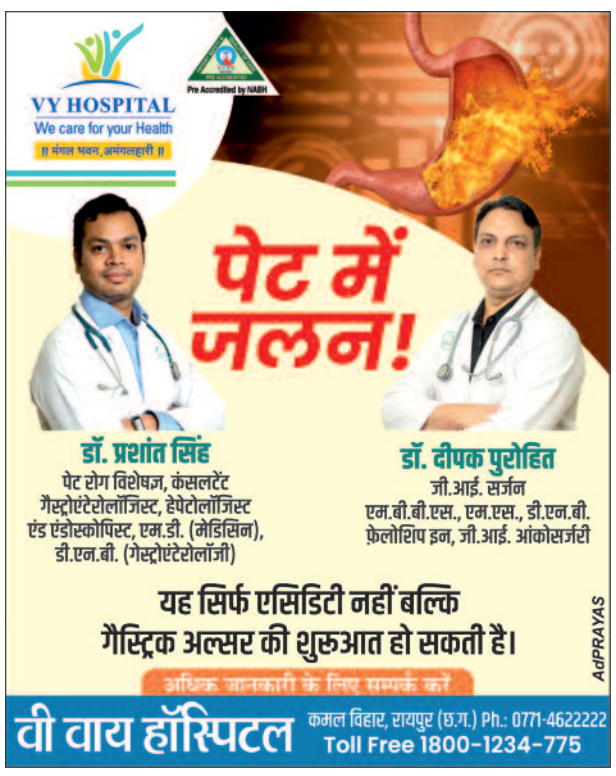

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com